ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सांप्रदायिक तनाव को सीधे संबोधित करने के लिए एसएएफ का किया गया गठन: मंत्री @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शनिवार, 14 जून, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-163

बांग्लादेश को गर्त में ले जाने पर आमादा मोहम्मद यूनुस

सेनाध्यक्ष और राष्ट्रपति को भी निपटाने का कुचक्र

लंदन, 13 जून (एजेंसियां)। बांग्लादेश के भविष्य का फैसला लंदन में हो रहा है। लंदन के डॉरचेस्टर होटल में बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के कार्यकारी अध्यक्ष तारिक रहमान की बैठक निर्धारित समय से आधे घंटे पहले समाप्त हो गई। मोहम्मद यूनुस अपनी तमाम करतूतों पर तारिक रहमान से समर्थन मांगने गए थे। यूनुस बीएनपी नेता तारिक रहमान के कंधे पर हथियार रख कर बांग्लादेश के सेनाध्यक्ष जनरल वकार उज जमान और राष्ट्रपति शहाबुद्दीन अहमद चुप्पू को निपटा कर बांग्लादेश पर एकाधिकार कायम करना चाहते हैं। इसके लिए अमेरिकी डीप स्टेट और कट्टर इस्लामिक तत्व यूनुस का साथ रहे हैं। तारिक रहमान अगर यूनुस के झांसे में आ गए तो बांग्लादेश को इस्लामिक कट्टरवाद के गर्त में जाने से कोई नहीं पाएगा। यूनुस बांग्लादेश में दिसंबर में आम चुनाव कराए जाने के प्रस्ताव को भी लंबे समय तक के लिए टालने की फिराक में लगे हैं। आज की बैठक के बारे में कोई आधिकारिक वक्तव्य तो नहीं आया है, लेकिन कहा जा रहा है कि यूनुस जिस मंशा के साथ आए थे, वह कामयाब नहीं हुई।

लंदन में बीएनपी अध्यक्ष और यूनुस की बैठक पर नजर

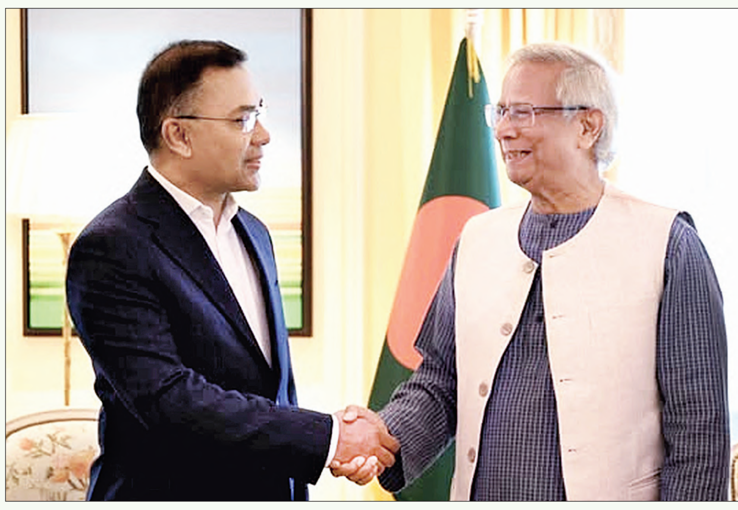

बांग्लादेश में आम चुनाव से पहले मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस और बीएनपी के कार्यकारी अध्यक्ष तारिक रहमान के बीच महत्वपूर्ण बैठक लगभग डेढ़ घंटे की चर्चा के बाद समाप्त हो गई। बीएनपी मीडिया सेल के सदस्य शैरुल कबीर खान ने बताया कि बैठक शुक्रवार को बांग्लादेश के समयानुसार दोपहर 2 बजे लंदन के डॉरचेस्टर होटल में शुरू हुई और दोपहर 3:30 बजे समाप्त हो गई। जबकि यह बैठक शाम के चार बजे तक के लिए निर्धारित (शेड्यूल्ड) थी। यूनुस के प्रेस सचिव शफीकुल आलम और बीएनपी स्थायी समिति के सदस्य आमिर खासरू महमूद चौधरी वार्ता के नतीजों के बारे में संवाददाताओं को अपनी सुविधा के मुताबिक जानकारी देंगे।

बीएनपी से समर्थन नहीं मिला तो यूनुस पड़ेंगे संकट में

यूनुस-तारिक वार्ता का आधिकारिक वक्तव्य बांग्लादेश के भविष्य का संकेत देगा। इस बीच यह जान लेना जरूरी है कि 21 मई 2025 को मोहम्मद यूनुस और बांग्लादेश सेना के प्रमुख जनरल वकार उज जमान के बीच हुई बैठक में सेवा प्रमुख ने कई सख्त शर्तें रखी थीं मसलन, इस साल 30 दिसंबर तक राष्ट्रीय चुनाव कराना, चटगांव बंदरगाह को किसी विदेशी संस्था को पट्टे पर न देना, म्यांमार के अराकान राज्य को गलियारा सुविधाएं देने से बचना और जनवरी 2026 में विधिवत निर्वाचित सरकार के सत्ता में आने से पहले कोई भी बड़ा नीतिगत निर्णय न लेना। लेकिन बांग्लादेश में स्थिति लगातार बद से बदतर होती जा रही है। ऐसा लगता है कि निर्धारित समय सीमा के भीतर चुनाव कराने का यूनुस का कोई इरादा नहीं है। यूनुस तरह-तरह के बहाने बनाकर अनिश्चित काल के लिए चुनाव प्रक्रिया में देरी करने का कुचक्र कर रहे हैं। ▶10 पर

इजराइल ने ईरान के अंदर घुस कर मचाई तबाही

ईरान के परमाणु और सैन्य ठिकाने ध्वस्त

तेहरान, 13 जून (एजेंसियां)। इजराइल द्वारा ईरान के दर्जनों परमाणु और सैन्य ठिकानों पर किए गए हमले में ईरान का नतांज स्थित मुख्य परमाणु संयंत्र, परमाणु बम बनाने वाले वैज्ञानिक और ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम के केंद्र शामिल हैं। इजराइल ने इस ऑपरेशन को राइजिंग-लायन नाम दिया है और यह कई दिनों तक जारी रह सकता है। इजराइली हमले में ईरान के चीफ कमांडर हुसैन सलामी के मारे जाने की आधिकारिक पुष्टि हुई है। इजराइली हमले के जवाब में ईरान ने भी इजराइल पर जवाबी हमले की बात कही है। इजराइल ने दावा किया है कि 200 से ज्यादा फाइटर जेट से ईरान में किए गए हमलों में ईरानी सेना के तीन बड़े कमांडर मारे गए हैं। इनमें ईरानी सशस्त्र बलों के चीफ ऑफ स्टाफ, ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) के कमांडर और ईरान के इमरजेंसी कमांड के कमांडर शामिल हैं। इजराइल का कहना है कि ये तीनों बहुत ही क्रूर हत्यारे थे, जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खून बहाया है। इजराइल के अनुसार, इनके बिना दुनिया अब ज्यादा सुरक्षित है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के परमाणु समझौता करने की अपील दोहराई और कहा कि

ईरान के चीफ कमांडर समेत कई अधिकारी मारे गए

ईरान के छह परमाणु वैज्ञानिक भी हमले में मारे गए

रक्तपात और विनाश रोकने के लिए जरूरी है। इजराइल ने हमले से पहले ईरान में ड्रोन और अन्य हथियारों की तस्करी की थी। यह ड्रोन और हथियार मोसाद खुफिया एजेंसी के साथ मिलकर आईडीएफ ने ईरान में पहुंचाए थे। अधिकारी के मुताबिक मोसाद एजेंटों ने तेहरान के पास ईरानी धरती पर ड्रोन बेस स्थापित किया। ड्रोन रात भर में सक्रिय हो गए। इसके अलावा हथियार प्रणालियों से लदे वाहनों को भी ईरान में तस्करी कर लाया गया। इसने ईरान की हवाई सुरक्षा को नष्ट कर दिया तथा इजराइली विमानों को ईरान पर हवाई प्रभुत्व और कार्रवाई की स्वतंत्रता प्रदान की। तीसरा गुप्त प्रयास मोसाद कमांडो द्वारा मध्य ईरान में विमान रोधी स्थलों के पास सटीक मिसाइलों की तैनाती करना था। अधिकारी ने कहा कि ये ऑपरेशन अभूतपूर्व सोच, साहसिक योजना और उन्नत तकनीकों, विशेष बलों और एजेंटों के सर्जिकल ऑपरेशन पर आधारित थे, जो स्थानीय खुफिया एजेंसियों की नजरों से पूरी तरह बचते हुए ईरान के मध्य में काम कर रहे थे।

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि इजराइल ने ईरान के परमाणु बम बनाने वाले वैज्ञानिकों पर भी हमला किया है। बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप को उनके नेतृत्व और ईरान के परमाणु कार्यक्रम का विरोध करने के लिए धन्यवाद दिया। नेतन्याहू ने कहा कि अगर इजराइल अभी कार्रवाई नहीं करेगा, तो अगली पीढ़ी का अस्तित्व खतरे में पड़ जाएगा। ईरान के पास अब 9 परमाणु बम बनाने लायक यूरेनियम जमा हो गया है ▶10 पर

अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन की विश्व सामाजिक सुरक्षा रिपोर्ट

सामाजिक सुरक्षा देने में भारत दूसरे नंबर पर

नई दिल्ली, 13 जून (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन की विश्व सामाजिक सुरक्षा रिपोर्ट ने कहा है कि भारत अपने नागरिकों को सामाजिक सुरक्षा देने में दुनिया में दूसरे स्थान पर है।

आंकड़े कहते हैं कि भारत में 94 करोड़ से भी अधिक लोगों को सामाजिक सुरक्षा दे रहा है। 2015 में ये 19 प्रतिशत था जो अब 2025 में 64.3 प्रतिशत हो गया है यानी 10 वर्षों में ये आंकड़ा 45 प्रतिशत तक बढ़ा है।

एक दशक में भारत ने लगाई 45 फीसदी की छलांग

केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया ने इस रिपोर्ट पर कहा कि भारत की सामाजिक सुरक्षा कवरेज में हुई यह वृद्धि दुनिया में सबसे तेज विस्तार है। लाखों ऐसे लोग हैं जो विभिन्न खाद्य और स्वास्थ्य सुरक्षा योजनाओं का लाभ ले रहे हैं। ये सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हमारा लक्ष्य समाज के आखिरी व्यक्ति तक सशक्तिकरण लाना है। जिनेवा में अंतरराष्ट्रीय श्रम सम्मेलन के 113वें सत्र में खङ्ज के महानिदेशक गिल्बर्ट एफ होंगबो के साथ केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्री मनसुख मंडाविया ने बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने पिछले 11 वर्षों में गरीबों और मजदूरों के लिए कल्याणकारी योजनाएं लाई हैं।

अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) श्रम अधिकारों और सामाजिक न्याय के लिए समर्पित संयुक्त राष्ट्र की एक एजेंसी है। ये समय-समय पर अपने 187 सदस्य देशों के बीच सामाजिक सुरक्षा कवरेज का मूल्यांकन करती है। इसके तहत 9 श्रेणियों में आंकड़े लागू किए जाते हैं। इनमें बेरोजगारी भत्ता, परिवार और बाल लाभ, स्वास्थ्य सुरक्षा, वृद्धावस्था पेंशन, रोजगार संबंधी चोट का लाभ, मातृत्व लाभ, दिव्यांगता लाभ, आय बदलने के जरिए बिमारी का लाभ और सर्वाइवर बेनेफिट शामिल होते हैं।

आईएलओ की मान्यता प्राप्त करने के लिए किसी भी देश की सामाजिक सुरक्षा योजना को कानूनी तौर पर समर्थित, सक्रिय रूप से लागू और पिछले तीन वर्षों के सत्यापित आंकड़ों के साथ प्रस्तुत किया जाना जरूरी होता है। भारत की सामाजिक सुरक्षा प्रणाली में विभिन्न कल्याणकारी कार्यक्रमों के माध्यम से काफी विस्तार हुआ है। इसका लक्ष्य लाखों लोगों को वित्तीय सुरक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और खाद्य सहायता पहुंचाना है। इन कार्यक्रमों ने देश भर में आजीविका में सुधार और गरीबी को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इनमें आयुष्मान भारत, ई-श्रम पोर्टल, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना, अटल पेंशन योजना समेत अन्य योजनाएं शामिल हैं। ▶10 पर

दुर्घटनाग्रस्त विमान का ब्लैक बॉक्स मिला

हादसे की जांच में मदद मिलेगी

अहमदाबाद, 13 जून (एजेंसियां)। अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त हुए एयर इंडिया के विमान (एआई 171) का ब्लैक बॉक्स मिल गया है। दमकल और पुलिस टीमें विशेष उपकरणों के साथ मेघाणीनगर में मलबे में खोजबीन कर रही थी। विमान का डीवीआर भी अब तक नहीं मिला है। उड्डयन मंत्रालय ने बताया कि ब्लैक बॉक्स को इमारत की छत से बरामद किया गया। विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) ने हादसे के तुरंत बाद जांच शुरू कर दी। राज्य सरकार के 40 से अधिक कर्मचारी भी मौके पर मौजूद विमानन मंत्रालय की टीमों के साथ मिलकर राहत और जांच कार्य में जुटे हुए हैं। ब्लैक बॉक्स का विश्लेषण हादसे की वजहों को समझने में अहम भूमिका निभाएगा।

अहमदाबाद के दमकल अधिकारियों ने बताया कि मेटल कटर जैसे खास उपकरणों से लैस एक टीम को मेघाणीनगर इलाके में दुर्घटनास्थल पर भेजा गया था। ▶10 पर

देश और प्रदेश के सर्व सम्माननीय नेता बंडारू दत्तात्रेय...

हैदराबाद, 13 जून। हरियाणा के राज्यपाल और आंध्र प्रदेश/तेलंगाना के लाल बंडारू दत्तात्रेय का जन्मदिवस 12 जून को होता है। अहमदाबाद विमान हादसे के कारण शुभ-लाभ परिवार एक दिन विलंब से अपनी शुभकामनाएं प्रेषित कर रहा है।

हैदराबाद में हाल ही में बंडारू दत्तात्रेय की आत्मकथा, प्रजला काठे, ना आत्म कथा (लोगों की कहानी मेरे जीवन की कहानी है) के विमोचन के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने दत्तात्रेय को अजातशत्रु कहा था, यानि जिसका कोई दुश्मन न हो। रेवंत रेड्डी ने यह भी कहा था कि बंडारू दत्तात्रेय ऐसे नेता रहे हैं जिन्हें पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहार वाजपेयी की तरह सभी दलों और नेताओं का सम्मान प्राप्त है। शुभ-लाभ परिवार रेवंत रेड्डी के इस विचार के साथ खुद को खड़ा पाता है। वाकई, बंडारू दत्तात्रेय सर्व सम्माननीय नेता हैं।

हैदराबाद से ताल्लुक रखने वाले 77 वर्षीय नेता बंडारू दत्तात्रेय ने 1965 में अपना सार्वजनिक जीवन शुरू किया, जब वे भाजपा के वैचारिक स्रोत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के साथ

बंडारू दत्तात्रेय (दाएं) के साथ शुभ-लाभ हिंदी दैनिक के चेयरमैन गोपाल अग्रवाल (बाएं)

जुड़े। उन्हें 1968 में आरएसएस प्रचारक के रूप में नियुक्त किया गया। भाजपा में शामिल होने से पहले वर्ष 1979 तक वे सेवा भारती के प्रमुख थे और संघ और उसके सहयोगी संगठनों में विभिन्न पदों पर रहे। उनके करीबी मित्र एवं शुभ-लाभ हिंदी दैनिक के अध्यक्ष अभिभावक गोपाल अग्रवाल बताते हैं कि बंडारू दत्तात्रेय भाजपा की स्थापना के समय से ही इसके प्रमुख नेताओं में से एक रहे हैं। 1980 में उन्हें अविभाजित आंध्र प्रदेश में भाजपा सचिव के पद पर नियुक्त किया गया था। हैदराबाद में दत्तात्रेय को एक ऐसे विनम्र और लोकप्रिय भाजपा नेता के रूप में जाना जाता है जो छोटे से छोटे लोगों से मिलने या सामान्य सार्वजनिक समारोह में भी शामिल होने से परहेज नहीं करते। गोपाल अग्रवाल कहते हैं कि 1980 के दशक में भाजपा नेता के रूप में काम करना और विभिन्न दलों से जुड़े लोगों का समर्थन प्राप्त करना आसान नहीं था। उन्होंने लोगों से जुड़ने को एक निजी मिशन की तरह अपनाया और कई लोगों को आश्चर्यचकित करते हुए अपने इस स्वाभाविक प्रयास में सफल रहे।

शुभ-लाभ शुभकामना

बंडारू दत्तात्रेय ने आंध्र प्रदेश भाजपा में विभिन्न पदों पर कार्य किया, जिसमें 1981 से 1989 तक महासचिव का पद भी शामिल है। 1991 में वे सिकंदराबाद निर्वाचन क्षेत्र (अब तेलंगाना में) से पहली बार लोकसभा के लिए चुने गए। बंडारू 1991 से 2014 तक सिकंदराबाद से चार बार लोकसभा के लिए चुने गए। कुछ बार उन्हें हार का भी सामना करना पड़ा, लेकिन उनकी यात्रा कहीं रुकी नहीं और न बाधित हुई। गोपाल अग्रवाल कहते हैं कि तब सिकंदराबाद में भाजपा उम्मीदवार के रूप में इतने लंबे समय तक जीतना आसान नहीं था। यह दिखाता है कि उन्हें वर्षों से जनता का कितना भरोसा था। भाजपा ने पहली बार बंडारू दत्तात्रेय को 1996 में आंध्र प्रदेश पार्टी इकाई का अध्यक्ष नियुक्त किया था। ▶10 पर

पीएम मोदी की कनाडा यात्रा से पहले बड़ी कार्रवाई

खालिस्तान समर्थक ड्रग नेटवर्क का भंडाफोड़

ओटावा, 13 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कनाडा दौरे से पहले पीएम मार्क कार्नी की सरकार ने खालिस्तानी समर्थकों पर कार्रवाई करने के लिए प्रोजेक्ट पेलिकन चलाया हुआ है। इसके तहत कनाडा की पुलिस ने खालिस्तान समर्थक ड्रग और आतंकी नेटवर्क का भंडाफोड़ कर 479 किलो कोकीन जब्त की है। साथ ही भारतीय मूल के सात लोगों सहित कुल नौ को गिरफ्तार किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए कनाडा जाने वाले हैं। इससे पहले, कनाडा के पीएम मार्क कार्नी की सरकार ने भारत विरोधी गतिविधियों में शामिल खालिस्तानियों को पकड़ने के लिए प्रोजेक्ट पेलिकन नाम का एक अभियान चलाया है, जिसके तहत कनाडा की पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए खालिस्तान समर्थक ड्रग और आतंकी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। कनाडा की पुलिस ने प्रोजेक्ट पेलिकन के तहत ▶10 पर

नौदिवसीय श्री राम कथा का आयोजन

जनक नंदिनी सीता भारत की बेटी हैं विदेशी नहीं: जगद्गुरु रामभद्राचार्य महाराज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री राम परिवार दुर्गा पूजा समिति बेंगलूरु द्वारा शहर के पैलेस ग्राउंड स्थित प्रिंसेस श्राइन में आयोजित नौदिवसीय श्री राम कथा के चतुर्थ दिवस जगद्गुरु श्री रामभद्राचार्य महाराज ने कथा प्रसंग को आगे बढ़ाते हुए जनकनंदिनी माता सीता के जन्म की कथा का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने कहा कि माता सीता का जन्म विदेश में नहीं बल्कि भारत में ही हुआ था। जो लोग उन्हें विदेशी बताते हैं वे गलत हैं। उनका जन्म वर्तमान में बिहार राज्य के मिथिलांचल में सीतामढ़ी जिले के अन्तर्गत आने वाले पुरौना गाँव में हुआ था, जिसका पुराना नाम पुण्यारण्य था। जन्म के पश्चात उनका लालन-पालन जनकपुर में हुआ था जोकि उस समय भारत में ही आता था। कालान्तर में वह नेपाल का हिस्सा बन गया। इसलिए माता सीता विदेशी नहीं अपितु भारतीय बेटी हैं। संत रामभद्राचार्य ने कहा कि इसी तरह से माता सीता के जन्म को लेकर एक भ्रांति यह भी है कि उनका जन्म राजा जनक द्वारा खेत में हल जोतते समय मिले घड़े से हुआ था। यह सर्वथा गलत धारणा है। वाल्मीकि रामायण के अनुसार जानकी जी धरती को चीर कर प्रकट हुई थी। महाराज जनक की कोई संतान नहीं थी। उन्होंने अपने गुरु याज्ञवल्क्य से कहा कि गुरुदेव अब आप ही संतान प्राप्त का कोई उपाय बताएं। तब याज्ञवल्क्य जी ने उन्हें वैशाख मास के शुक्लपक्ष में सोम याज्ञ का अनुष्ठान कराने को कहा था, जिसमें हलेष्ठि यज्ञ करने और सोमलता की बीजरोपण का विधान है। हलेष्ठि यज्ञ में सामान्य हल के स्थान पर सोने के छह हल का उपयोग किया जाता है और छह बैल उसे खींचते हैं। महाराज जनक ने हलेष्ठि यज्ञ के लिए सोने का हल बनवाया और चार बैलों के साथ स्वयं अपनी पत्नी सुनयना के साथ भूमि शोधन किया।

इस यज्ञ अनुष्ठान में माता सीता भूमि चीर कर सोलह वर्ष की कन्या के रूप में प्रकट हुई। जिस तरह महाराज दशरथ के यहाँ प्रभु श्रीराम माता कौशल्या के समक्ष चर्तुभुज रूप में प्रकट हुए थे और बाद में माता कौशल्या के कहने पर उन्होंने शिशु लीला की थी।

उसी तरह से धरती से सोलह वर्ष की कन्या के रूप में माता सीता के प्राक्ट्य से विस्मित महाराज जनक के कहने पर माता सीता ने नवजात कन्या का रूप धरा। जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने कहा कि वाल्मीकि रामायण के अनुसार जब माता सीता अपने पति प्रभु श्रीराम एवं देवर लक्ष्मण के साथ चौदह वर्ष के वनवास काल में अयोध्या से चित्रकूट आई थी, तब उन तीनों की माता अनुसुईया से भेंट हुई थी। माता अनुसुईया ने जनकनंदिनी से उनके जन्म कथा सुनाने को कहा था। उस समय माता सीता ने उन्हें अपने पिता महाराज जनक द्वारा सोम यज्ञ का अनुष्ठान करने और अपने धरती चीरकर सोलह वर्ष की कन्या के रूप में प्रकट होने की कथा सुनाई थी। वर्तमान समय में बेटी और बेटे में भेदभाव की दुष्प्रवृति का जिक्र करते हुए कथावाचक ने कहा कि जब महाराज जनक ने याज्ञवल्क्य से संतान प्राप्ति का उपाय बताने को कहा था तो उस समय याज्ञवल्क्य जी ने उनसे यह सवाल किया था कि महाराज आपको पुत्र चाहिये या पुत्री।

तब जनक जी ने किशोरी जी सदृश पुत्री की इच्छा जताई थी। हमारे शास्त्रों में भी बेटियों को बेटों से बड़ा बताया गया है। शास्त्रों के अनुसार एक बेटी सौ पुत्रों से भी बड़ी होती है। हमारे यहाँ पिण्ड दान में भी बेटी का बेटा पहले पिण्डदान करता है, बेटे का बेटा बाद में। इसलिए हमें बेटा-बेटी में कोई अंतर नहीं करना चाहिए। चतुर्थ दिवस कथा से पूर्व विशिष्ट अतिथि के रूप में पधारे लेखक एवं हिन्दुत्ववादी विचारक चक्रवर्ती सुलिबेले ने अपने विचार व्यक्त करते हुए हिन्दू समाज से एकजुट एवं संगठित होकर राष्ट्र निर्माण के कार्य में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। जगद्गुरु रामभद्राचार्य महाराज ने उन्हें आशीर्वाद प्रदान किया तथा श्रीराम परिवार की ओर से उनका सम्मान भी किया गया। आचार्य रामचन्द्रदास ने मंगलाचरण करते हुए गुरु चरणों की विरुदावलि की।

इनकी रही उपस्थिति

इससे पूर्व गुरुवार को अहमदाबाद में हुए भीषण विमान हादसे में मारे गए लोगों के प्रति शोक संवेदना व्यक्त करते हुए उनकी आत्मा की चिरशांति के लिए प्रार्थना की गयी। मुख्य यजमान जसराज महेन्द्र कुमार वैष्णव के साथ शोभा भल्ला, विजयलक्ष्मी रेड्डी, अजय पाण्डेय-अंजू पाण्डेय परिवार, मीरा अग्रवाल, शारदा तलरेजा, संतोषी सिंघल, रचना अग्रवाल, रश्मि कर्णवाल, अंजना शर्मा, लक्ष्मी शर्मा, श्रीराम परिवार के कोषाध्यक्ष राजेश द्विवेदी, पूर्व अध्यक्ष राकेश मिश्रा, पूरन पंडित, संतोष झा एवं बृजेश तिवारी आदि ने कथा पूजन में भाग लिया। कथा समाप्त होने पर आरती में स्वास्तिक सेवा संघ के अध्यक्ष सतीश मित्तल सहित अन्य लोगों ने भाग लिया। इस अवसर पर श्री राम परिवार के संस्थापक संजय शुक्ला, अध्यक्ष मिथिलेश तिवारी, उपाध्यक्ष सत्यदेव पाण्डेय, सहसचिव राजू शुक्ला तथा एकल श्रीहरि वनवासी फाउंडेशन के अध्यक्ष सुरेश कुमार मोदी, सचिव संजय अग्रवाल सहित विभिन्न समाजों के अनेक अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे। यह जानकारी सचिव अजय प्रकाश पाण्डेय ने दी। इससे पहले नौदिवसीय श्री राम कथा के पहले दिन राज्य के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने श्री रामभद्राचार्य महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया था।

जेबीएन स्वयं वी-प्रेन्योर्स की पहली रेफरल बैठक आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जेबीएन स्वयं वी-प्रेन्योर्स, जीतो महिला विंग, बेंगलूरु साउथ की पहली रेफरल बैठक महिला उद्यमिता के नए युग की शुरुआत जोश, ज्ञान और जुड़ाव से भरा एक प्रेरणादायक मंच में गुरुवार को जीतो कार्यालय में बड़ी सफलता के साथ हुई। इस कार्यक्रम में 30 से अधिक महिला उद्यमियों ने भाग लिया और पूरे आयोजन में उत्साह, सहयोग और प्रेरणा की ऊर्जा साफ दिखाई दी। कार्यक्रम की शुरुआत नवकार मंत्र के साथ हुई। इसके बाद निधि पालरेचा जेएलडब्लू की मुख्य सचिव ने नई लीडरशिप टीम का परिचय कराया, जिससे समूह को एक सशक्त दिशा मिली। इसके पश्चात जेएलडब्लू बेंगलूरु साउथ की चेयरपर्सन बबीता रायसोनी ने अपने ओजस्वी और प्रेरणादायक शब्दों में महिला उद्यमिता की शक्ति को दर्शाया। उन्होंने बताया कि आज की नारी केवल व्यवसाय चला ही नहीं रही है, बल्कि दूसरों को प्रेरित भी कर रही है, और ऐसे मंच उनके आत्मबल और पहचान को और मजबूती प्रदान करते हैं। यह मंच केवल रेफरल तक सीमित नहीं है, यह वह स्थान है जहाँ हर महिला को पहचान, सहयोग और आत्मबल मिलता है। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण था शिक्षा सत्र, जिसे केकेजी जोन के को कन्वीनर विकास नागोरी और प्रज्वल गिरिया ने अत्यंत सरल और समझदारीपूर्ण तरीके से प्रस्तुत किया। उन्होंने व्यापारिक विकास, नेटवर्किंग और सहयोग की अहमियत पर बहुत उपयोगी जानकारी साझा की, जो सभी उपस्थित महिलाओं के लिए अत्यंत लाभदायक रही। हर सदस्य को अपने व्यवसाय का 30 सेकेंड में संक्षिप्त परिचय देने का अवसर मिला, जिससे न केवल आपसी समझ बढ़ी, बल्कि रेफरल नेटवर्क की नींव भी मजबूत हुई। इसके बाद रेफरल हेड निशा कोठारी, रेफरल लीड राजुल धोका और रेफरल सेक्रेटरी सलोनी नेतानी ने अपनी बातें साझा कीं और समूह के भविष्य की दिशा पर प्रकाश डाला। ऋत्वी शाह गिफ्ट प्रायोजक बनी। कार्यक्रम का समापन प्रश्नोत्तर सत्र, धन्यवाद ज्ञापन, और राष्ट्रगान के साथ हुआ, जो हर दिल को गर्व और प्रेरणा से भर दिया। उपाध्यक्ष नीलम शांड ने शुभकामनायें दी। जेबीएन स्वयं वी-प्रेन्योर्स की यह पहली बैठक केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि महिला उद्यमिता को सशक्त बनाने की दिशा में एक मजबूत और सार्थक कदम है। यह मंच महिलाओं को न सिर्फ व्यवसायिक रूप से सशक्त करेगा, बल्कि उन्हें एक-दूसरे का सहयोगी और प्रेरणा स्रोत भी बनाएगा।

गायों की सेवा के लिए मुणोत परिवार ने दिए 51 लाख

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कनकपुरा रोड स्थित अमृतधारा गौशाला में गुरुवार को गौपूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कृष्णा गौशाला के प्रमुख संत पुखराज, प्रभुपाद गौशाला के प्रमुख आनंद कृष्णा दास के सानिध्य में महेंद्र मुणोत, हंसराज भाग्यवंती मुणोत, आनंद स्नेहा मुणोत एवं परिवार जनों ने सैकड़ो गो भक्तों की उपस्थिति में अपने पिता मोतीलाल मुणोत की स्मृति में वृक्षारोपण एवं गौ पूजन कर विभिन्न गौशालाओं के प्रमुखों को गायों की सेवा के लिए 51 लख रुपए की सहयोग राशि के चेक वितरित किए। संत पुखराज ने गायों की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए लोगों को गौ सेवा से जुड़ने का आह्वान किया एवं मुणोत परिवार के सेवा कार्यों की सराहना की।

महेंद्र मुणोत ने सभी गौ भक्तों का आभार व्यक्त करते हुए अपने वक्तव्य में कहा मां सत्य है पिता विश्वास है। माता-पिता के हम पर अनंत उपकार हैं। उन्होंने अच्छे संस्कारों से हमें पोषित किया। माता-पिता भले आज हमारे बीच उपस्थित नहीं है लेकिन वह संतान के दिलों में संस्कारों में सदैव जीवित रहते हैं। संतान का यह कर्तव्य होता है कि वह अपने माता-पिता के कार्य को आगे बढ़ाएं, उनके सपनों को पूरा करें। उन्होंने कहा मेरे माता-पिता किसान थे मुझे गौ सेवा की प्रेरणा उनसे ही मिली और उन्हीं के कार्यों को मेरा परिवार आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि गाय की उपयोगिता को देखकर भारत सरकार को चाहिए कि वह गाय को राष्ट्रीय पशु का दर्जा दें एवं गौ रक्षा के लिए कड़े कानून बने। कार्यक्रम में ज्ञान फाउंडेशन, कामधेनु गौशाला चिक्कमगलूरु, व्हाट फाउंडेशन, आदर्श गौशाला, शिव गौ सेवा भजन मंडल चैरिटेबल ट्रस्ट, अमृतधारा गौशाला, कृष्ण गौशाला, सुरभि गौशाला, श्री ओमकार गौशाला, सर्वा, कृपा, कुपा, वृंदावन गौशाला रामोहल्ली, भगवान महावीर गौशाला ट्रस्ट बाणावार, भारतीय गौ परिवार चैरिटेबल ट्रस्ट अरसीकेरे, शांतिनाथ जैन सार्वजनिक गौशाला भीम एवं अन्य गौशालाओं के प्रतिनिधि उपस्थित थे। कार्यक्रम को सफल बनाने में उपेंद्र कुमार गौड़ा, हनुमान माली, मोतीलाल माली, अमित शर्मा, संतोष तिवारी, राजणा एवं गौतम शर्मा का विशेष योगदान रहा।

श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर की आम सभा आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर की आम सभा में पूज्य महासतीजी श्री शशिप्रभा जी के आगामी चातुर्मास व्यवस्था पर चर्चा हुई। महावीर भवन में संघ अध्यक्ष धनपत राज बोहरा की अध्यक्षता में आयोजित आम सभा में नवकार मंत्र का सह उच्चारण कर मंगलाचरण के पश्चात संघ मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा को बताया कि आचार्य श्री पार्श्वचंद्र जी के आज्ञानुसार साध्वी जी का चातुर्मास प्रवेश 5 जुलाई को इंदिरानगर से महावीर भवन में होगा।

जय गच्छ का चातुर्मास अलसूर में 58 वर्षों बाद हो रहा है। इसलिए संघ सदस्यों में विशेष उत्साह है। चातुर्मास में व्यवस्था हेतु मनोनीत समितियों में वित्त समिति के चेयरमैन दिलीप कुमार गादिया, अतिथि व्यवस्था उत्तमचंद तातेड तथा अतिथि सत्कार की व्यवस्था उगमराज मुथा संभालेंगे। गोचरी सेवा का कार्यभार सुनील कावड़िया को सौंपा गया है। सभा में उपस्थित महिला मंडल, युवक संघ एवं नवकार बहु मंडल को व्यवस्था, मनुहार एवं ज्ञान विकास की जिम्मेदारी दी गई है। चातुर्मास में प्रवचन के अलावा सुबह और दोपहर की क्लास भी रहेगी। अनेक सदस्यों ने अपने सुझावों से चातुर्मास को सफल बनाने का संकल्प व्यक्त किया। संघ अध्यक्ष धनपत राज बोहरा के मंगलपाठ के साथ सभा संपन्न हुई।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दिल्ली से समागत डॉ. धनपत एवं डॉ. कुसुम लुनिया ने राजभवन में राज्यपाल थावरचंद गहलोत से शुभेच्छा भेंट की। उन्हे अणुव्रत अनुशास्ता आचार्य श्री महाश्रमण जी के आगामी चातुर्मास एवं अणुविभा की गतिविधियों से अवगत कराया। इस अवसर पर अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी की उपाध्यक्ष डॉ. कुसुम लुनिया एवं अणुव्रत काव्यधारा के राष्ट्रीय संयोजक डॉ. धनपत ने राज्यपाल को अणुव्रत पत्रिका, एसीसी 2025 के पोस्टर, अपनी पुरस्कृत पुस्तक सीक्रेट्स ऑफ हेल्थ द वेजिटेरियन-वे भेंट की। अणुव्रत आचार्य तुलसी के 111 वें जन्मदिवस के अवसर पर अणुव्रत के विशेषांक की आने वाली जानकारी साझा करते हुए आलेख प्रदान करने के लिए निवेदन किया। राज्यपाल ने कृतज्ञ भावों से अणुव्रत अनुशास्ता को वंदन निवेदन करते हुए अणुव्रत आयोजन में यथा समय उपस्थित होने की आशा व्यक्त की।

पाइपलाइन कार्य को लेकर बीबीएमपी जल बोर्ड अधिकारियों को नोटिस

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राजाजीनगर में डॉ. राजकुमार रोड पर पाइपलाइन बिछाने के काम के लिए खोदी गई नाली में एक युवक के गिरने के बाद राजाजीनगर ट्रैफिक पुलिस ने संबंधित बीडीएसएसबी और बीबीएमपी अधिकारियों को पूछताछ के लिए उपस्थित होने के लिए नोटिस जारी किया है। पुलिस ने कहा कि उन्होंने घटना के संबंध में ठेकेदार को नोटिस जारी किया है। राजाजीनगर में डॉ. राजकुमार रोड पर बीडीएसएसबी का काम चल रहा है और इसी उद्देश्य से नाली को हटाया गया है। 4 जून को काम खत्म करने के बाद मंजूनाथ नाम का एक व्यक्ति देर रात अपने दोपहिया वाहन से घर लौट रहा था, तभी वह कॉफी डे के सामने काम के लिए खोदी गई नाली में गिर गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। उसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। मंजूनाथ के पिता ने इस संबंध में राजाजीनगर ट्रैफिक पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मुत्तिना तेने सामाजिक एवं सांस्कृतिक ट्रस्ट बसवेश्वर नगर द्वारा तीसरा वार्षिकोत्सव मनाया गया। आश्रम के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। जिससे श्रोता मंत्र मुग्ध हो गए। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत एवं ट्रस्ट की हेमा ने विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया।

विशाल मेगा आई कैंप का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मंजूनाथनगर क्षेत्र के श्री सकल जैन संघ के तत्वावधान एवं जैन मिशन ट्रस्ट व डॉक्टर नरपत सोलंकी आई हॉस्पिटल के सहयोग से संघ के अध्यक्ष संघवी उत्तमचंद आच्छा व पुष्पा देवी आच्छा की 43 वी वैवाहिक वर्षगांठ के उपलक्ष में एक विशाल मेगा आई कैंप का आयोजन जैन भवन उत्तम अंकित विल्ला में किया गया। जिसमें करीबन 400 से ज्यादा व्यक्तियों ने निशुल्क टेस्टिंग करवाई। 120 से ज्यादा लोगों को सर्जरी के लिए चयनित किया गया एवं 40 से ज्यादा मरीजों के मोतियाबिंद की जांच हुई। इस आई कैम्प में नि:शुल्क चश्मे भी संघवी आच्छा परिवार द्वारा वितरित किए गए। इस मेगा आई कैम्प का उद्घाटन राजाजीनगर के विधायक सुरेश कुमार ने दीप प्रज्वलन कर किया। डॉक्टर नरपत सोलंकी एवं सुरेश कुमार को संघ के तत्वावधान में हुई अनेक कार्यो की भी जानकारी प्रदान की गई। मंत्री राकेश दलाल ने सभी को धन्यवाद दिया। व्यवस्था में विनोद कुमार मेड़तवाल, रेखराज सांडबोहरा, सुरेश कुमार बाघमार, राजेश कोठारी, राजमल बोहरा, हर्ष कोठारी आदि सदस्यों ने अपना सहयोग दिया।

विशेष कार्रवाई बल का उद्घाटन

सांप्रदायिक तनाव को सीधे संबोधित करने के लिए एसएएफ का किया गया गठन: गृह मंत्री

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के तटीय क्षेत्रों में कानून और व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए गृह मंत्री डॉ जी परमेश्वर ने शुक्रवार को विशेष कार्रवाई बल (एसएएफ) का उद्घाटन किया – जो देश में अपनी तरह की पहली पहल है। नवगठित एसएएफ तीन जिलों उडुपी, शिवमोग्गा और दक्षिण कन्नड़ में काम करेगा। बल में कुल 258 कर्मी शामिल हैं, जिन्हें तीन कंपनियों में बांटा गया है – तीन जिलों के लिए एक-एक – और प्रत्येक में 78 अधिकारी हैं। एसएएफ में डीआईजीपी, एसपी, डीवाईएसपी, सहायक कमांडेंट, पीआई, आरपीआई, पीएसआई, एसआई, सीएचसी, सीपीसी और एपीसी सहित विभिन्न रैंक के अधिकारी शामिल होंगे, जो सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए एक मजबूत बहु-स्तरीय प्रतिक्रिया प्रणाली सुनिश्चित करेंगे। इस अवसर पर बोलते हुए, डॉ जी परमेश्वर ने कहा कि यह पहल न केवल सुरक्षा को बढ़ाएगी बल्कि अन्य राज्यों के लिए एक मॉडल के रूप में भी काम करेगी। उन्होंने आगे कहा जब मेंगलूरु में पुलिस कमिश्नर के पद पर कुलदीप जैन थे, तब मैंने सांप्रदायिकता विरोधी विंग बनाने की योजना की घोषणा की थी। कुछ हद तक कुलदीप जैन स्थिति को नियंत्रण में लाने में सफल रहे। हालांकि, दक्षिण कन्नड़ के लोगों की मानसिकता और कार्य संस्कृति अलग है, जो समृद्ध परंपरा में निहित है। फिर भी, सांप्रदायिक घृणा जिले की शांति और सद्भाव को खतरे में डाल रही है, और दूसरों तक फैलने की संभावना है। इसलिए, हमने सांप्रदायिक घृणा को रोकने और जिले में शांति बहाल करने के लिए एक विशेष कार्रवाई बल स्थापित करने का फैसला किया है।

डॉ. परमेश्वर ने आगे बताया, हमने 258 कर्मियों वाले एक विशेष कार्रवाई बल का गठन किया है, जो नक्सल विरोधी बल के बराबर है। इस बल की प्राथमिक जिम्मेदारी जिले में शांति बनाए रखना है। पहले, हमने शांति और सद्भाव को बढ़ावा देने का प्रयास करते हुए अधिक उदार दृष्टिकोण अपनाया था। दुर्भाग्य से, कुछ तत्वों ने इन प्रयासों पर ध्यान नहीं दिया, जिसके कारण सांप्रदायिक तनाव को सीधे संबोधित करने के लिए विशेष कार्रवाई बल का गठन किया गया। लोगों को शांति बनाए रखने में मदद करने के लिए सहयोग करना चाहिए, क्योंकि कम व्यवधान का मतलब विशेष कार्रवाई बल के लिए कम काम होगा। वर्तमान में, बल को तीन जिलों को सौंपा गया है, लेकिन यदि आवश्यक हो तो हम इसे अन्य जिलों में भी विस्तारित करने के लिए तैयार हैं। न्याय देने के मामले में कर्नाटक का पुलिस विभाग सर्वश्रेष्ठ में से एक है। हमने हत्या के 99 प्रतिशत मामलों को सफलतापूर्वक सुलझाया है, और अपराध दर में काफी कमी आई है। इसके अतिरिक्त, हमने एसपी कार्यालय में साइबर प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किए हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि प्रत्येक कांस्टेबल को साइबर से संबंधित मामलों को संभालने के लिए प्रशिक्षित किया जाए। जिला प्रभारी मंत्री दिनेश गुंडू राव ने कहा सांप्रदायिक घृणा जिले का एकमात्र काला धब्बा है, जो इसकी शांति को कमजोर कर रहा है। हालांकि, लगभग 95 प्रतिशत आबादी विशेष कार्रवाई बल की स्थापना का स्वागत करेगी। अगले 10-15 दिनों में गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर के नेतृत्व में शांति बैठक बुलाई जाएगी। इसी कार्यक्रम के तहत गृह मंत्री ने मेंगलूरु शहर और बेलटांगडी में नवनिर्मित पुलिस क्वार्टरों का भी उद्घाटन किया, जिन्हें करीब 21 करोड़ रुपये की संयुक्त लागत से विकसित किया गया है। मेंगलूरु में 64 क्वार्टर 58,500 वर्ग फीट के निर्मित क्षेत्र को कवर करते हैं, जबकि बेलटांगडी में 24 क्वार्टर 10,544 वर्ग फीट में फैले हैं। प्रत्येक यूनिट में दो बेडरूम, एक लिविंग रूम, किचन, डाइनिंग एरिया और एक मॉड्यूलर किचन है, जिसका उद्देश्य पुलिस कर्मियों और उनके परिवारों के लिए आरामदायक आवास प्रदान करना है। उद्घाटन में डीजी और आईजीपी एम ए सलीम, आईजीपी पश्चिमी रेंज अमित सिंह, मेंगलूरु पुलिस आयुक्त सुधीर कुमार रेड्डी, दक्षिण कन्नड़ एसपी डॉ. अरुण कुमार, एमएलसी इवान डिसूजा, एमएलसी और शिक्षाविद् मंजूनाथ भंडारी और डिप्टी कमिश्नर मुल्लई मुहिलान सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए।

कर्नाटक को नंबर 1 विनिर्माण क्षेत्र बनाने का लक्ष्य: मंत्री पाटिल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बड़े और मध्यम उद्योग मंत्री एमबी पाटिल ने कहा कि कर्नाटक को देश में विनिर्माण क्षेत्र में नंबर 1 के रूप में विकसित करने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। पिछले 2 वर्षों में अपने विभाग की उपलब्धियों और इसके भविष्य के मार्ग पर एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए, उन्होंने कहा कि वियतनाम और अन्य देशों की तरह कर्नाटक में विनिर्माण गतिविधियों को उच्च प्राथमिकता दी गई है। वर्तमान में चौथे स्थान पर रहने वाले राज्य को पहले स्थान पर लाने के लिए कदम उठाए जाएंगे। इसके लिए कई परियोजनाएं तैयार की गई हैं, जिनमें श्रीनिवासपुर में एक फार्मा पार्क, विजयपुरा में विद्युत सेल उत्पादन, चित्रदुर्ग में एक ड्रोन पार्क, हुब्बल्ली में नए उद्योग और भविष्य के तकनीकी विकास, स्वास्थ्य और शिक्षा सेवाओं के लिए डबासपेट-डोड्डबल्लापुर के बीच एक विशेष पार्क, एक स्वच्छ शहर और बेंगलूरु के इलेक्ट्रॉनिक सिटी की ओर एक विशेष पार्क शामिल हैं। हुब्बल्ली के एनजीएफ को पुनर्जीवित किया जाएगा। एमएसआईएल के चिटफंड टर्नओवर को 5 हजार करोड़ रुपये तक बढ़ाने के लिए कदम उठाए गए हैं। मैसूरु के केएसडी सीएल का टर्नओवर इस महीने 180 करोड़ रुपये को पार कर गया है, जो एक ऐतिहासिक रिकॉर्ड है। उन्होंने कहा कि अगले 3 वर्षों में कुल टर्नओवर को 5 हजार करोड़ रुपये तक बढ़ाने का लक्ष्य है। निवेश में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल हुई है। 115 समझौतों के माध्यम से 6,58,660 करोड़ रुपये का निवेश किया गया है और इससे 2,32,771 करोड़ रोजगार सृजित होने की उम्मीद है। सिंगल विंडो अप्रूवल कमेटी ने 1,13,200 करोड़ रुपये के 906 प्रस्तावों को मंजूरी दी है, जिससे 2,23,982 रोजगार सृजित होंगे। वैश्विक निवेशक सम्मेलन में 3,550 कर्मचारियों ने भाग लिया और 6,23,957 करोड़ रुपये के निवेश के लिए समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। जिसमें से 4.03 लाख करोड़ रुपये के निवेश को मंजूरी दी गई है। इसमें से 75 प्रतिशत निवेश बेंगलूरु के बाहरी इलाकों में है और 45 प्रतिशत निवेश उत्तर कर्नाटक में किया जाएगा। निवेशकों को रोजगार सृजन, निवेश और पर्यावरण अनुकूल उपायों के आधार पर विभिन्न छूट और सुविधाएं दी जाएंगी। औद्योगिक क्षेत्रों के लिए पर्याप्त जल व्यवस्था के लिए 3,600 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि 18 क्षेत्रों में 44,165 एकड़ में विशेष निवेश क्षेत्र स्थापित किए जाएंगे। विदेशी निवेश में तीसरे स्थान से, कर्नाटक 2024-25 में 56 हजार करोड़ रुपये के निवेश के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। उन्होंने बताया कि हम 1,65,545 मिलियन डॉलर के निर्यात के साथ देश में पहले स्थान पर हैं।

सड़क हादसे में दो बच्चों समेत चार लोगों की मौत

होसकोटे/शुभ लाभ ब्यूरो। राष्ट्रीय राजमार्ग पर शुक्रवार सुबह बस और लॉरी के बीच हुई भीषण टक्कर में दो बच्चों समेत चार लोगों की मौत हो गई। यह घटना यातायात पुलिस थाने के अधिकार क्षेत्र में हुई। मृतकों में आंध्र प्रदेश के केशवलु रेड्डी (44), तिरुपति के तुलसी उर्फ तनु (21), ग्यारह महीने का बच्चा यथिक और तिरुपति की प्रगति (4) शामिल हैं। आंध्र सराय बस रात में तिरुपति से बेंगलूरु जा रही थी। सुबह करीब 2 बजे बस कोलार-होसकोटे राष्ट्रीय राजमार्ग पर आ रही थी, तभी बस चालक ने तालुक के गोट्टीपुरा गेट के पास आगे चल रही लॉरी को ओवरटेक किया। उस समय बस पीछे से लॉरी से टकरा गई, जिसमें दो बच्चों समेत चार लोगों की मौत हो गई। बस में सवार 16 यात्री घायल हो गए, जिनमें से दो की हालत गंभीर है। स्थानीय नागरिकों ने पुलिस को दुर्घटना की सूचना दी। खबर पाकर मौके पर पहुंची ट्रैफिक पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तुरंत होसकोटे के सिलिकॉन सिटी अस्पताल में भर्ती कराया।

बस के अंदर फंसकर मरने वाले चारों लोगों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। टक्कर लगने से बस का अगला और दूसरा हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि ड्राइवर को झपकी आ गई थी और वह ओवरटेक करने की कोशिश कर रहा था, तभी उसकी टक्कर लॉरी से हो गई। होसकोटे ट्रैफिक पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया है और आगे की कार्रवाई कर रही है।

सड़क दुर्घटना में तीन लोगों की मौत

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले में अथानी के पास संकेश्वर-विजयपुरा स्टेट हाईवे पर गुरुवार की रात को हुए हादसे में महाराष्ट्र के तीन लोगों की मौत हो गई।

तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि एक लॉरी ने एक वैन को टक्कर मार दी, जिससे दो कारें टकरा गईं। कोल्हापुर जिले के गणेशवाड़ी गांव के 30 वर्षीय महेश सुभाष गताडे, शिरोल तालुक के फुदावद गांव के 24 वर्षीय शिवम युवराज चौहान, मिराज तालुक के कवलापुर गांव के 42 वर्षीय सचिन विलास माली की मौके पर ही मौत हो गई। घायलों को अथानी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया।

अथानी पुलिस वाहनों की आवाजाही को सुगम बनाने के लिए मलबा हटा रही है। मामला दर्ज किया जा रहा है।

एसएसएलसी परीक्षा-2 का परिणाम घोषित

यह परिणाम राज्य सरकार द्वारा लागू की गई तीन परीक्षा प्रणालियों की सफलता का प्रमाण: शिक्षा मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता मंत्री मधु बंगारप्पा ने कहा कि चालू वर्ष की एसएसएलसी परीक्षा-2 के परिणाम घोषित हो चुके हैं और सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों का उत्कृष्ट प्रदर्शन सराहनीय है। उन्होंने कहा कि यह परिणाम राज्य सरकार द्वारा लागू की गई तीन परीक्षा प्रणालियों की सफलता का प्रमाण है। मंत्री ने कहा कि 2025 एसएसएलसी परीक्षा-2 में सरकारी स्कूलों का उत्तीर्ण प्रतिशत 36.65 प्रतिशत है, जो सहायता प्राप्त और गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों के परिणामों से अधिक है। उन्होंने कहा कि यह हमारे सरकारी स्कूलों के शिक्षकों और विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत का पुरस्कार है। एसएसएलसी परीक्षा की तरह पहले आयोजित पीयूसी परीक्षा-2 ने भी विद्यार्थियों को चालू शैक्षणिक वर्ष में ही अपनी आगे की पढ़ाई जारी रखने में मदद की है। मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि हमारी सरकार का यह दृढ़ विश्वास है कि विद्यार्थियों को दूसरा मौका देने से उनके भविष्य में कोई बाधा नहीं आएगी। विद्यार्थियों के भविष्य को बेहतर बनाने और उनमें परीक्षा के प्रति भय को खत्म करने के लिए हमने जो तीन परीक्षा प्रणालियां लागू की हैं, उनके अच्छे परिणाम सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रणाली के कारण बड़ी संख्या में छात्र अपने परिणाम में सुधार करने में सक्षम हुए हैं। 2025 एसएसएलसी परीक्षा-2 में अपने परिणाम में सुधार के लिए 11,818 छात्रों ने पंजीकरण कराया था, जिसमें से 6,635 छात्रों (56.14 प्रतिशत) ने अपने परिणाम में सुधार किया,

जो इस प्रणाली के सकारात्मक प्रभाव को दर्शाता है। साथ ही, एसएसएलसी परीक्षा-2 में चार छात्रों ने 625 में से 625 अंक प्राप्त कर 100 प्रतिशत परिणाम प्राप्त किया। इन चार छात्रों में से एक सरकारी स्कूल का छात्र है। 2025 परीक्षा-2 में कुल 87,330 छात्र उत्तीर्ण हुए हैं, जिससे वे चालू वर्ष में ही अपनी पढ़ाई जारी रख पाए हैं। शिक्षा विभाग के उपनिदेशकों, क्षेत्र शिक्षा अधिकारियों और प्रधानाध्यापकों के निरंतर प्रयासों के कारण बड़ी संख्या में छात्रों ने पंजीकरण कराया है और परीक्षा-2 में शामिल हुए हैं। परिणाम पूरा न कर पाने वाले छात्रों के लिए स्कूल स्तर पर उपचारात्मक कक्षाएं संचालित की गई हैं, जिससे परिणाम सुधारने में मदद मिली है। उन्होंने कहा कि परीक्षा में अनियमितताओं को रोकने के लिए सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से वेबकास्टिंग प्रणाली जारी रखी गई है, जिससे परीक्षा प्रणाली की अखंडता को बहाल करने में मदद मिली है। अजीम प्रेमजी संस्थान के सीईओ अनुराग बेहार ने कहा कि कर्नाटक में लागू की गई तीन परीक्षा प्रणालियों द्वारा दिया गया बयान, वेबकास्टिंग देश के लिए एक मॉडल है और प्रतिभाशाली लोगों को बनाने और परीक्षा के डर को खत्म करने में सहायक है, हमारी सरकार के शैक्षिक सुधारों की मान्यता है। उन्होंने घोषणा की कि परीक्षा-3 5 जुलाई से 12 जुलाई तक आयोजित की जाएगी, जिन छात्रों ने परीक्षा-1 और परीक्षा-2 में परिणाम पूरा नहीं किया है, जो उम्मीदवार अपने परिणाम में सुधार करना चाहते हैं और दोहराने वाले उम्मीदवारों के लिए। साथ ही, 2024-25 की परीक्षा-2 में परिणाम प्राप्त करने वाले स्कूली उम्मीदवारों को परीक्षा-3 के लिए परीक्षा शुल्क से छूट दी गई है। हालांकि, जो उम्मीदवार अपने परिणाम में सुधार करना चाहते हैं, निजी उम्मीदवार और दोहराने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित परीक्षा शुल्क का भुगतान करना होगा। तीसरी परीक्षा के लिए भी उपचारात्मक शिक्षण कक्षाएं आयोजित की जाएंगी।

योगेश गौड़ा के हत्या के आरोपी विधायक को सीबीआई हिरासत में लिया गया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। धारवाड़ ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस विधायक विनय कुलकर्णी, जो नौ साल पहले हुई धारवाड़ जिला पंचायत सदस्य योगेश गौड़ा की हत्या के मामले में आरोपी हैं, को शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार सीबीआई ने हिरासत में ले लिया। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में उनकी जमानत रद्द कर दी थी और उन्हें एक सप्ताह के भीतर अदालत में पेश होने का निर्देश दिया था। इस संदर्भ में वे जनप्रतिनिधियों की विशेष अदालत के न्यायाधीश के समक्ष पेश हुए। सुनवाई करने के बाद न्यायाधीश ने उन्हें सीबीआई की हिरासत में भेज दिया और आदेश जारी किया। अदालत में मौजूद सीबीआई अधिकारियों ने विनय कुलकर्णी को गिरफ्तार कर हिरासत में ले लिया। हत्याकांड में गवाहों से पूछताछ करने वाले सुप्रीम कोर्ट ने पिछले मंगलवार को भी विनय कुलकर्णी को सुनवाई में पेश होने के लिए रिमांड पर लिया था। हालांकि, वे सुनवाई में अनुपस्थित रहे। सुनवाई के दौरान उनके वकील ने उनकी अनुपस्थिति का कोई कारण बताते हुए पेश होने से छूट मांगी थी। अदालत ने समिति को सलाह देते हुए सुनवाई शुक्रवार तक के लिए स्थगित कर दी थी। इसी मामले में 6 जून को सुप्रीम कोर्ट ने विनय कुलकर्णी की जमानत रद्द कर दी थी और उन्हें एक हफ्ते के भीतर ट्रायल कोर्ट में सरेंडर करने को कहा था। 2020 में गिरफ्तार और 2021 में

जमानत पर रिहा हुए कुलकर्णी पर गवाहों को प्रभावित करने का आरोप लगाया गया था। कर्नाटक सरकार ने जमानत की शर्तों का उल्लंघन करने का आरोप लगाते हुए उनकी जमानत रद्द करने की मांग की थी। कोर्ट ने याचिका स्वीकार करते हुए उनकी जमानत रद्द कर दी। विनय कुलकर्णी ने निर्वाचन क्षेत्र से बाहर होने के बावजूद कांग्रेस के टिकट पर 2023 का विधानसभा चुनाव जीतकर इतिहास रच दिया था। उन्होंने दो साल तक निर्वाचन क्षेत्र से बाहर से शासन किया था और अब उनकी जमानत रद्द होने के बाद वे फिर से जेल में हैं। कोर्ट ने सीबीआई की अर्जी स्वीकार करते हुए यह फैसला सुनाया था। गवाहों को पैसे का लालच देने के कारण जमानत रद्द की गई थी। विनय कुलकर्णी धारवाड़ निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस विधायक हैं। वह योगेश गौड़ा हत्याकांड में आरोपी है। इससे पहले कोर्ट ने उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजा था। बाद में सुप्रीम कोर्ट ने 11 अगस्त 2021 को उन्हें जमानत दे दी। सीबीआई ने इस जमानत को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल की थी। इसमें आरोप लगाया गया था कि विनय कुलकर्णी ने गवाहों को एक लाख रुपये का लालच दिया था। इस संदर्भ में सीबीआई ने जमानत रद्द करने का अनुरोध किया था। योगेश गौड़ा की हत्या 15 जून 2016 को धारवाड़ उपनगरीय पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में हुई थी। इस मामले की जांच सीबीआई ने की थी। बाद में जनप्रतिनिधियों की विशेष अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया गया था। इस मामले में कुल 21 आरोपी हैं। बसवराज मुथगी पहले आरोपी हैं, शिवानंद श्रीशैल बिरादर 17वें आरोपी हैं और विनय कुलकर्णी 15वें आरोपी हैं। पिछले साल गुरुनाथ गौड़ा नाम के व्यक्ति ने ट्रायल कोर्ट में गवाही दी थी। उन्होंने कोर्ट को बताया कि विनय कुलकर्णी और मेरे चाचा योगेश गौड़ा के बीच एक बार जिला पंचायत की बैठक में हाथापाई हुई थी। कुछ दिनों बाद मेरे चाचा की हत्या कर दी गई। पहले आरोपी बसवराज मुथगी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। उसने कोर्ट के सामने कई बातें बताईं।

12वीं मंजिल से गिरकर लड़की की मौत

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले में गुरुवार देर रात एक दुखद घटना में, उल्लाल पुलिस स्टेशन की सीमा के अंतर्गत कुठार में एक उच्च-वृद्धि वाले अपार्टमेंट परिसर की 12वीं मंजिल से गिरने से 15 वर्षीय लड़की की मौत हो गई। मृतक की पहचान हिबा (15) के रूप में हुई है, जो एक मेडिकल प्रोफेशनल डॉ. ममताज अहमद की बेटी थी, जो एक अपार्टमेंट परिसर में रहती थी, जिसमें कुल 18 मंजिलें हैं। परिवार इमारत की 12वीं मंजिल पर रहता था। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, हिबा देर रात अचानक ऊपरी मंजिल से गिर गई, जिससे

उसकी असामयिक मृत्यु हो गई। गिरने का कारण अज्ञात है। हिबा एक निजी स्कूल में कक्षा 10 की छात्रा थी। उल्लाल पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और घटना के आसपास की परिस्थितियों की जांच कर रही है।

सिद्धरामैया ने केंद्र से आमों के लिए समर्थन मूल्य घोषित करने का किया आग्रह

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि बाजार में आमों की कीमत में भारी गिरावट आई है और केंद्र सरकार को तत्काल हस्तक्षेप कर समर्थन मूल्य की घोषणा करनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान को तत्काल पत्र लिखकर आम के बाजार में हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया है। राज्य में 1.39 लाख हेक्टेयर में आम उगाए जाते हैं और उत्पादन लगभग 8 से 10 लाख मीट्रिक टन होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि आम का उत्पादन मुख्य रूप से बेंगलूरु ग्रामीण, बेंगलूरु शहरी, चिक्कबल्लापुर, कोलार, बेंगलूरु दक्षिण (रामनगर) जिलों में होता है। मई और जून में आम का बाजार मूल्य सामान्य रूप से 12,000 रुपये प्रति क्विंटल होता है। वर्तमान में यह गिरकर 3,000 रुपये हो गया है। कर्नाटक राज्य कृषि मूल्य आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, प्रति क्विंटल आम के उत्पादन की लागत 5,460 रुपये है। उत्पादन और बाजार मूल्य में बहुत बड़ा अंतर है। इसलिए उन्होंने मांग की है कि केंद्र सरकार तत्काल समर्थन मूल्य घोषित करे और नैफेड और एनसीसीएफ के माध्यम से आम की खरीद शुरू करे। अगर केंद्र सरकार समय रहते हस्तक्षेप करे तो ग्रामीण क्षेत्रों में भविष्य में होने वाले उतार-चढ़ाव को रोका जा सकता है। उन्होंने कहा कि इससे सामाजिक और आर्थिक कठिनाइयों को कम किया जा सकता है। इससे पहले मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू को पत्र लिखकर कर्नाटक के सीमावर्ती जिलों से आंध्र प्रदेश के चित्तूर तक तोतापुरी आमों के परिवहन पर प्रतिबंध हटाने की मांग की है।

उन्होंने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू को पत्र लिख कहा कि 7 जून को चित्तूर जिला कलेक्टर ने तोतापुरी आमों के परिवहन पर प्रतिबंध लगा दिया है। कर्नाटक से आंध्र प्रदेश में आमों के परिवहन को रोकने के लिए सीमा पर राजस्व, पुलिस, वन और विपणन विभाग के अधिकारियों को तैनात किया गया है। तमिलनाडु और कर्नाटक से आमों का परिवहन रोक दिया गया है। उन्होंने आपत्ति जताई है कि यह एक स्थायी उपाय नहीं है। आंध्र प्रदेश की सीमा से लगे कर्नाटक के जिलों में आम उत्पादकों को इस वजह से मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। कर्नाटक के किसान लंबे समय से चित्तूर में आम प्रसंस्करण इकाई से जुड़े हुए हैं। इस वजह से बाजार का विस्तार हो रहा है। मौजूदा प्रतिबंधों ने मौजूदा आपूर्ति श्रृंखला को बाधित कर दिया है, जिसका प्री-मानसून सीजन के दौरान हजारों किसानों की आजीविका पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। बिना किसी समन्वय या तालमेल के उठाए गए इस कदम से संघीय व्यवस्था की भावना को नुकसान पहुंचा है। इससे राज्यों के बीच सब्जियों और कृषि के आदान-प्रदान पर असर पड़ा है। संबंधित लोग पहले से ही लेन-देन बंद कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि आने वाले दिनों में व्यापार में और नुकसान होने का डर है।

उडुपी में भारी बारिश के बीच गड्ढों की मरम्मत शुरू होने पर लोगों में आक्रोश

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।
स्थानीय लोगों ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों पर इस बात को लेकर कड़ा असंतोष जताया है कि वे शुष्क गर्मी के महीनों में काम करने के बजाय भारी मानसून की बारिश के बीच गड्ढों की मरम्मत का काम शुरू कर रहे हैं। अंबलपडी में फ्लाईओवर का निर्माण कार्य अभी चल रहा है, जिसमें वाहनों का आवागमन किन्निमुल्की से करावली जंक्शन तक सर्विस रोड के दोनों ओर किया जा रहा है। पिछले दो महीनों में सड़क की हालत काफी खराब हो गई है। जिला अधिकारियों ने करीब एक महीने पहले संबंधित विभाग को मरम्मत कार्य करने का निर्देश दिया था। मई के अंत में भारी बारिश के बाद सर्विस रोड की हालत और खराब हो गई। हालांकि, उसके बाद दस दिनों तक सूखा रहने के बावजूद गड्ढे

भरने का काम नहीं किया गया। हैरानी की बात यह है कि गुरुवार को लगातार बारिश जारी रहने के कारण श्रमिकों को गड्ढों में बजरी और पत्थरों का मिश्रण डालते देखा गया, जिससे लोगों में गुस्सा भड़क गया। यह स्थिति दोपहिया वाहन चालकों के लिए खास तौर पर खतरनाक हो गई है। लगातार बारिश का पानी गड्ढों में भर जाता है, जिससे बाइक और स्कूटर सवारों को उनकी गहराई का अंदाजा लगाना मुश्किल हो जाता है। कई लोग पहले ही गिरकर घायल हो चुके हैं। रात में सर्विस रोड पर चलना एक बड़ी चुनौती बन गया है। अब, पूरे रास्ते में बजरी, पत्थर और कीचड़ भरा पानी फैल जाने से स्किडिंग और दुर्घटना का खतरा बढ़ गया है। यह समस्या विशेष रूप से किन्निमुल्की फ्लाईओवर से उतरने वाले ढलान वाले हिस्से में गंभीर है, जहाँ ढीली बजरी सड़क पर बिखरी हुई है, जिससे दोपहिया वाहन दुर्घटना की संभावना काफी बढ़ गई है। स्थानीय लोग अब मरम्मत कार्य के समय और तर्क पर सवाल उठा रहे हैं और अधिकारियों से सड़क सुरक्षा उपायों को अधिक प्रभावी और जिम्मेदारी से लागू करने का आग्रह कर रहे हैं।

तटीय कर्नाटक में मानसून ने पकड़ी गति, 16 जून तक रेड अलर्ट

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक के तटीय इलाकों में मानसून ने अपनी गति पकड़ ली है, जिसके कारण गुरुवार शाम को व्यापक और तीव्र बारिश हुई। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने 16 जून तक रेड अलर्ट जारी किया है, जिसमें चेतावनी दी गई है कि आने वाले दिनों में बारिश और तेज हो सकती है। दक्षिण कन्नड़ (डीके) जिले में गुरुवार को रुक-रुक कर बारिश हुई। एहतियात के तौर पर दक्षिण कन्नड़, उडुपी और कोडागु जिलों के स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी गई है। भारी बारिश के मद्देनजर उडुपी और कोडागु जिलों में शैक्षणिक संस्थान शुक्रवार को भी बंद रहे। उडुपी में आंगनवाड़ी से लेकर कक्षा 10 तक के स्कूलों को छुट्टी दे दी गई है, जबकि कोडागु में पीयूसी स्तर तक के संस्थानों को बंद रखा गया है। बंटवाल, कल्लडका, बेल्टांगडी, उजिरे, धर्मस्थल, चारमाडी, मेंगलूरु, पुत्तूर, सुब्रह्मण्य, सुलिया, कदबा, उप्पिनंगडी, मूडबिद्री, उल्लाल, सूरथकल, मुल्की, कन्याना और विट्टल सहित क्षेत्र के कई क्षेत्रों में महत्वपूर्ण वर्षा हुई। दिन के शुरुआती घंटों में तीव्रता विशेष रूप से अधिक थी। मेंगलूरु समेत कुछ इलाकों में दोपहर और शाम के दौरान बारिश थोड़ी कम हो गई। आईएमडी ने दक्षिण कन्नड़, उडुपी और अन्य तटीय क्षेत्रों में भारी बारिश के कारण स्थानीय बाढ़ की संभावना जताई है। नदियों और नालों में पानी बढ़ने के कारण निचले इलाकों में कृत्रिम बाढ़ और नदी क्षेत्रों में अचानक बाढ़ आने की संभावना है। मानसून के और तेज होने की आशंका के चलते आईएमडी ने तटीय जिलों के लिए 13 से 16 जून तक रेड अलर्ट जारी किया है। इस दौरान गरज, तेज हवाएं और ऊंची समुद्री लहरों के साथ 204.5 मिमी से अधिक बारिश हो सकती है। उडुपी जिले के विभिन्न हिस्सों से भी भारी बारिश की खबर है। सुबह से ही क्षेत्र में बादल छाए रहे और लगातार बारिश हुई। उडुपी तालुक के उडुपी, कौप, कटापडी, शिरवा, मणिपाल और ब्रह्मवर जैसे इलाकों में अच्छी खासी बारिश दर्ज की गई। करकला और कुंदापुर तालुकों के ग्रामीण इलाकों में नदियों का जलस्तर काफी बढ़ गया है।

शक्ति योजना के दो साल

कर्नाटक में महिलाओं ने 474 करोड़ से अधिक मुफ्त बस यात्राएं कीं

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक सरकार की प्रमुख शक्ति योजना, जो सत्तारूढ़ कांग्रेस सरकार द्वारा घोषित पाँच प्रमुख गारंटियों में से एक है, ने दो साल पूरे कर लिए हैं। 11 जून, 2023 को लॉन्च होने के बाद से, इस योजना ने राज्य भर में महिलाओं के लिए 474.82 करोड़ मुफ्त बस यात्राएँ सक्षम की हैं, जिसमें सरकार ने 11,994 करोड़ रुपये से अधिक के टिकटों के माध्यम से परिवहन निगमों को मुआवजा दिया है।

कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद पहली गारंटी योजना के रूप में शुरू की गई शक्ति को जनता से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। परिवहन निगम के अधिकारियों के अनुसार, इस योजना ने महिला यात्रियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि की है और यहाँ तक कि पुरुष यात्रियों की संख्या में भी वृद्धि की है। इस पहल ने अन्य राज्यों का भी ध्यान आकर्षित किया है, आंध्र प्रदेश के अधिकारियों ने योजना के कार्यान्वयन, चुनौतियों और संचालन का अध्ययन करने के लिए कर्नाटक का दौरा किया है। शक्ति योजना ने धार्मिक पर्यटन को भी सकारात्मक रूप से प्रभावित किया है, तीर्थ स्थलों पर आगंतुकों की संख्या में वृद्धि हुई है और समग्र रूप से पर्यटन क्षेत्र को लाभ पहुँचा है। सरकार ने घोषणा की है कि यह योजना जारी रहेगी। शक्ति योजना के शुभारंभ के बाद से दो साल की अवधि के दौरान, कर्नाटक में महिलाओं द्वारा कुल 4.74 बिलियन (474.82 करोड़) मुफ्त यात्राएं की गईं। औसतन, 65 लाख महिलाओं ने हर दिन इस सुविधा का लाभ उठाया। इस योजना के तहत जारी किए गए टिकटों का कुल मूल्य 11,994.37 करोड़ रुपये है, जिसमें दैनिक औसत 16.5 करोड़ रुपये है।

इन टिकटों के मूल्य की प्रतिपूर्ति सरकार द्वारा राज्य के चार परिवहन निगमों को की जा रही है। चार राज्य-संचालित परिवहन निगमों में, बीएमटीसी (बेंगलूरु) में सबसे अधिक 150 करोड़ यात्राओं के साथ महिला यात्रियों की संख्या रही। इसके बाद केएसआरटीसी (राज्य-व्यापी) में 144 करोड़, एनडब्ल्यूकेएसआरटीसी (उत्तर-पश्चिम कर्नाटक) में 111 करोड़ और केकेआरटीसी (कल्याण कर्नाटक) में दो वर्षों में 68 करोड़ महिला यात्रियों ने यात्रा की। केएसआरटीसी को 4,556 करोड़ रुपये मिले, एनडब्ल्यूकेआरटीसी को 2,968 करोड़ रुपये मिले, केकेआरटीसी को 2,408 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया और बीएमटीसी को शक्ति योजना के तहत प्रदान की गई मुफ्त सेवाओं के लिए 2,061 करोड़ रुपये की प्रतिपूर्ति की गई। कुल मिलाकर, पुरुष यात्रियों सहित, चार निगमों ने दो साल की अवधि के दौरान 801.54 करोड़ यात्राएँ दर्ज कीं।

हालाँकि राज्य ने महिलाओं के लिए शक्ति स्मार्ट कार्ड जारी करने की घोषणा की थी, लेकिन इन्हें अभी तक वितरित नहीं किया गया है। वर्तमान में, महिलाएँ मुफ्त यात्रा सुविधा का लाभ उठाने के लिए अपने आधार कार्ड का उपयोग करना जारी रखती हैं। शक्ति योजना की सफलता महिलाओं की गतिशीलता और सशक्तिकरण में एक महत्वपूर्ण कदम को दर्शाती है। साथ ही राज्य भर में सार्वजनिक परिवहन के उपयोग को भी बढ़ावा देती है।

राजस्थान रॉयल्स आईपीएल टीम में चयन का वादा करके 24 लाख की ठगी

उत्तर प्रदेश के दो लोग गिरफ्तार

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।
बेलगावी पुलिस ने बेलगावी के एक युवा क्रिकेटर से धोखाधड़ी करने के आरोप में उत्तर प्रदेश के दो लोगों को गिरफ्तार किया है। बेलगावी पुलिस द्वारा एक लंबी और विस्तृत जांच के बाद सुजैन और दिवाकर, दोनों की उम्र लगभग 25 वर्ष है, को उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर जिले में उनके गृहनगर से गिरफ्तार किया गया। उन पर चिक्कोडी के पास चिंचनी के राकेश यदुरे के परिवार से 24 लाख से अधिक की वसूली करने का आरोप है। उन्होंने युवा खिलाड़ी के परिवार से झूठ बोला था कि वे उसे राजस्थान रॉयल्स आईपीएल क्रिकेट टीम में चुनवा देंगे। लड़का एक साधारण परिवार से आता है।

उसके पिता, जो एक सुरक्षा गार्ड हैं, ने ठगों को भुगतान करने के लिए ऋण लिया था। पुलिस अधीक्षक भीमाशंकर एस. गुलेड ने संवाददाताओं को बताया कि सुजैन ने पहले भी इसी तरह की कार्यप्रणाली का इस्तेमाल करके दो अन्य लोगों को ठगा था, जबकि दिवाकर पहली बार अपराधी प्रतीत होता है। 19 वर्षीय यदुरे ने मई 2024 में हैदराबाद में एक क्रिकेट मैच में शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने इंस्टाग्राम पर मैच की तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए थे। आईपीएल टीम के चयनकर्ता होने का दावा करने वाले जालसाजों ने उन्हें मित्रता के लिए अनुरोध भेजा और कहा कि उन पर विचार किया जा रहा है।

दिसंबर 2024 में, यदुरे को एक संदेश मिला जिसमें दावा किया गया था कि उन्हें आईपीएल टीम के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया है। संदेश में एक 'पंजीकरण फॉर्म' का लिंक शामिल था और 2,000 रुपये का प्रारंभिक भुगतान करने का अनुरोध किया गया था। अगले कुछ महीनों में - 22 दिसंबर, 2024 और 19 अप्रैल, 2025 के बीच - यदुरे के पिता ने कुल 23.53 लाख की राशि का कई बार भुगतान किया। दोनों ने प्रति मैच 40,000 से लेकर 8 लाख तक की फीस देने का वादा किया। क्रिकेटर के परिवार ने इस साल 17 मई को साइबर, आर्थिक और नारकोटिक्स पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। डॉ. गुलेद ने लोगों, खासकर युवाओं को ऐसे घोटालों से सावधान रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा हम नागरिकों, खासकर युवाओं से आग्रह करते हैं कि वे खेल चयन, नौकरी या नकद पुरस्कार के ऑनलाइन दावों के झांसे में न आएं। हमेशा ऐसे दावों की पुष्टि करें।

तटीय क्षेत्रों में शांति बनाए रखने के लिए पुलिस व्यवस्था तैयार: पुलिस महानिदेशक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
तटीय क्षेत्रों में शांति बनाए रखने के लिए पुलिस व्यवस्था तैयार है। पुलिस महानिदेशक एम.ए. सलीम ने चेतावनी दी कि असामाजिक ताकतों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सांप्रदायिक संघर्षों पर अंकुश लगाने के लिए नवगठित विशेष कार्य बल का उद्घाटन समारोह मेंगलूरु स्थित एसएएफ कार्यालय में हुआ। अपने परिचयात्मक भाषण में पुलिस महानिदेशक ने कहा कि तटीय जिलों में पुलिस बल में काफी वृद्धि हुई है, साथ ही आज देश में पहली बार कर्नाटक में सांप्रदायिक हिंसा पर अंकुश लगाने के लिए विशेष बल की शुरुआत की जा रही है। इस कार्यक्रम में तीन कंपनियां होंगी, उडुपी, शिवमोग्गा और दक्षिण कन्नड़ जिलों में एक-एक, प्रत्येक कंपनी में 26 अधिकारी और कर्मचारी होंगे।

इसका संचालन पश्चिमी क्षेत्र के आईजीपी द्वारा किया जाएगा, जिसमें 1 एसपी, 1 डीएसपी, 1 सहायक कमांडेंट, 4 टीआई, 4 आरपीआई, 14 पीएसवाई या आरएसआई और 210 पुलिस कर्मचारी होंगे, कुल 288 कर्मचारी होंगे। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में कर्मियों की संख्या बढ़ाई जाएगी। उन्होंने कहा कि पश्चिमी जोन के आईजीपी को धार्मिक प्रवृत्तियों और गतिविधियों पर नजर रखने, स्थानीय पुलिस की सहायता करने, संवेदनशील क्षेत्रों में लोगों में विश्वास बढ़ाने, धार्मिक दंगों और कानून व्यवस्था की स्थिति से निपटने के लिए इस बल को तैनात करने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि नए बल को खुफिया जानकारी जुटाने, समुदायों के बीच विश्वास बनाने और लोगों को कानूनी दायरे में रहने के लिए प्रेरित करने समेत कई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

भारी मानसूनी बारिश से उत्तर कर्नाटक में जनजीवन प्रभावित

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।
उत्तर कर्नाटक मानसून की बारिश की मार झेल रहा है। मलनाड के तटीय इलाकों में मानसून की बारिश भारी है, जिससे नहरें और नदियां भर गई हैं। हुब्बल्ली-धारवाड़ के जुड़वा शहरों में भारी बारिश के कारण दो लोगों की मौत हो गई है। गोकक में एक व्यक्ति की मौत हो गई है। उत्तर कन्नड़, चिक्कमगलूरु, उडुपी और कोडागु जिलों में लगातार बारिश हो रही है और एहतियात के तौर पर स्कूलों और कॉलेजों में छुट्टी घोषित कर दी गई है। उत्तर कर्नाटक के कई इलाकों में नदियां उफान पर हैं और खेत जलमग्न हो गए हैं। बेन्नेहल्ला के उफान पर होने के

कारण कई गांवों में पानी घुस गया है और लोग अपने घरों से पानी निकालने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। करवार और गदग शहरों में भी भारी बारिश हुई है और सभी सड़कें जलमग्न हो गई हैं। खेतों में पानी घुस गया है। कई घर ढह गए हैं। सैकड़ों एकड़ में फैली फसलें नष्ट हो गई हैं। कई जगहों पर सड़क संपर्क बाधित हो गया है। हुब्बल्ली के नेकारा नगर में हुसैन नामक एक बाइक सवार बारिश में बह गया और उसके पीछे बैठे बाइक सवार को बचा लिया गया। भारी बारिश ने हुब्बल्ली में सामान्य जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है। हुब्बल्ली तालुक में कई जगहों पर सड़क संपर्क बाधित हो गया है, हजारों एकड़ जमीन पानी में डूब गई है और फसलें बर्बाद हो गई हैं। उत्तर कन्नड़, तटीय और मध्य कर्नाटक में भारी बारिश के साथ मानसून की शुरुआत हो गई है। मौसम विभाग ने एक और हफ्ते तक भारी बारिश का अनुमान लगाया है और लोगों को एहतियाती कदम उठाने की सलाह दी है।

कश्मीरी सेबों को दिल्ली ले जाने के लिए सीधी मालगाड़ी की मांग

जम्मू, 13 जून (ब्यूरो)। कश्मीर वादी में अब वंदे भारत ट्रेन के चालू होने से फल उत्पादक आशा से भर गए हैं और अगले कदम की मांग कर रहे हैं। उनकी नजर में अगला कदम कश्मीर से दिल्ली और अन्य प्रमुख बाजारों तक सेबों को सीधे पहुंचाने के लिए एक समर्पित मालगाड़ी सेवा है। कश्मीर वादी फल उत्पादक-सह-डीलर संघ के अध्यक्ष बशीर अहमद बशीर कहते हैं कि हाल ही में दिल्ली में चेरी की सफल रेल शिपमेंट ने नई संभावनाओं को खोल दिया है। उनका कहना है कि यह एक सकारात्मक शुरुआत थी, लेकिन चेरी की शेल्फ लाइफ कम होने के कारण उन्हें कटरा में फिर से लोड किया गया। यह मॉडल सेब के लिए काम नहीं करेगा, जिन्हें थोक में ले जाया जाता है।

हालांकि, कश्मीर के उत्पादकों को लंबे समय से रसद संबंधी बाधाओं से जूझना पड़ रहा है। प्रत्यक्ष माल ढुलाई गलियारे की अनुपस्थिति के कारण श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग के माध्यम से सड़क परिवहन पर निर्भर करती है जो एक महंगा भी होता है और काफी समय लेता है। दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले के एक अन्य सेब उत्पादक जहांगीर अहमद कहते हैं कि सीधी ट्रेन से बेहतर कुछ नहीं है। यह कश्मीर के सेब उत्पादकों के लिए एक सपने के सच होने जैसा होगा। इससे समय की बचत होगी, क्योंकि सेब की आपूर्ति में समय कीमती होता है। अगर अनुमति दी गई तो हमारा सेब न केवल राष्ट्रीय बल्कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी पहले ही पहुंच जाएगा।

बशीर कहते हैं कि कश्मीर से दिल्ली तक एक सीधी मालगाड़ी समय की मांग है। रेलवे अधिकारियों ने हमें बताया है कि यह तकनीकी रूप से संभव है क्योंकि ट्रैक वही है। अब हमें केंद्र सरकार की सहमति की जरूरत है। उन्होंने उम्मीद जताई कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रस्तावित सेवा को कश्मीर के बागवानी क्षेत्र के लिए गेम चेंजर बताते हुए हरी झंडी देंगे। बारामूला के एक अन्य सेब उत्पादक शब्बीर अहमद कहते हैं, कश्मीर में रेल लाइन के विस्तार ने पहले ही नींव तैयार कर दी है। ट्रैक तैयार है। अगर सरकार मंजूरी देती है तो एप्पल एक्सप्रेस एक वास्तविकता बन सकती है। उनकी नजर में राजमार्ग अविश्वसनीय है। और उन्हें उम्मीद है कि प्रधानमंत्री इसे अगले साल तक जरूर पूरा करेंगे।

कश्मीर में भारत के कुल सेब उत्पादन का लगभग 75 प्रतिशत होता है। सेब उत्पादन एवं व्यवसाय क्षेत्र से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से लाखों लोग जुड़े हैं। रेड डिलीशियस, महाराजी और अमेरिकन एपल जैसी लोकप्रिय सेब की किस्मों को कश्मीर से भारतीय बाजारों में व्यापक रूप से निर्यात किया जाता है। बशीर कहते हैं कि एक समर्पित मालगाड़ी परिवहन लागत को कम करेगी और समय पर, ताजा डिलीवरी सुनिश्चित करेगी।

अहमदाबाद दुर्घटनास्थल से 265 लोगों के शव बरामद

अहमदाबाद, 13 जून (एजेंसियां)। अहमदाबाद विमान हादसे में मारे गये 265 लोगों के शव अब तक बरामद किये गये हैं जबकि 47 घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

एक वरिष्ठ पुसिस अधिकारी ने 'यूनीवार्ता' को बताया कि दुर्घटना स्थल से अब तक 265 शव बरामद कर लिये गये हैं और उनकी पहचान का काम जारी है।

उन्होंने बताया कि अब तक मृतकों 219 रिश्तेदार डीएनए जांच और रक्त के नमूने देने के लिए आ चुके हैं और उनके नमूने लिए जा चुके हैं। बाकी के परिवारों से इस संबंध में संपर्क किया जा चुका है। नमूने लेने के लिए फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) की 10 टीमों के 36 विशेषज्ञ चौबीस घंटे ड्यूटी पर हैं।

दुर्घटना में घायल 47 लोगों को सिविल अस्पताल लाया गया था। इनमें से 16 का उपचार बाह्य रोगी के रूप में और 31 का उपचार अस्पताल में रख कर किया जा रहा है।

इस त्रासदी में गुरुवार को अपराह्न अहमदाबाद से लंदन के लिए उड़ान भरने के तुरंत बाद एयर इंडिया का ड्रीमलाइनर विमान एक मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल पर गिरकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। विमान में चालक दल के 12 सदस्यों सहित 242 लोग थे। उनमें से केवल एक यात्री जीवित बचा है।

एयर इंडिया ने विमान में सवार 241 व्यक्तियों के दुर्घटना में मारे जाने की पुष्टि की है। दुर्घटना में उस समय हॉस्टल में मौजूद और आस- पास के कई लोग भी हताहत हुए थे।

मोदी ने पटेल, केन्द्र व राज्य के मंत्रियों एवं वरिष्ठ सचिवों के साथ की उच्च स्तरीय बैठक

गांधीनगर, 13 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, केन्द्र व राज्य के मंत्रियों एवं वरिष्ठ सचिवों के साथ शुक्रवार को उच्च स्तरीय बैठक की।

श्री मोदी समग्र हालात का जायजा लेने के लिए शुक्रवार सुबह अहमदाबाद आ पहुँचे और उन्होंने विमान दुर्घटना स्थल की प्रत्यक्ष दौरा किया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से क्षतिग्रस्त मेडिकल हॉस्टल एवं मेस बिल्डिंग का निरीक्षण किया। इस मुलाकात में प्रधानमंत्री के साथ गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राम मोहन नायडू, केन्द्रीय जल-शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल, केन्द्रीय नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल, गुजरात के नागरिक उड्डयन मंत्री बलवंतसिंह राजपूत, गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी, राज्य मंत्री जगदीश विश्वकर्मा, मुख्य सचिव पंकज जोशी, गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव मनोज कुमार

दास, राज्य पुलिस महानिदेशक विकास सहाय सहित प्रशासन के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

दुर्घटना स्थल का जायजा लेकर प्रधानमंत्री अहमदाबाद सिविल अस्पताल पहुँचे और वहाँ उपचाराधीन घायलों से मिले। इस मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री ने घायलों के स्वास्थ्य का हाल पूछकर परिजनों को इस विकट स्थिति का सामना करने की हिंमत बंधाई। प्रधानमंत्री इस दुर्घटना में घायल हुए डॉक्टरों और स्वास्थ्य वर्कर्स से भी मिले। प्रधानमंत्री ने घायलों का उपचार कर रहे चिकित्सकों से घायलों की वर्तमान स्वास्थ्य स्थिति की जानकारी ली।

प्रधानमंत्री मोदी ने इन स्थलों का जायजा लेने के बाद अहमदाबाद में मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल तथा राज्य सरकार के मंत्रियों एवं वरिष्ठ सचिवों के साथ उच्च स्तरीय बैठक की।

कारगिल के शूरवीरों को श्रद्धांजलि के लिए तोलोलिंग चोटी पर सेना का विशेष अभियान

नई दिल्ली, 13 जून (एजेंसियां)। सेना ने 1999 के कारगिल युद्ध में तोलोलिंग की ऐतिहासिक लड़ाई के दौरान सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि देने के लिए तोलोलिंग चोटी पर एक विशेष अभियान चलाया है।

यह अभियान सेना की 'फॉरएवर इन ऑपरेशन्स डिवीजन' ने 11 जून को चलाया। द्रास में कारगिल युद्ध स्मारक से रवाना हुए इस अभियान दल ने उन सैनिकों की अटूट भावना और सर्वोच्च बलिदान को श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने दुश्मन सेना को रणनीतिक महत्व की चोटियों से खदेड़ कर उन पर फिर से कब्ज़ा किया। यह कारगिल की लड़ाई में एक महत्वपूर्ण मोड़ था।

सेना के अनुसार तोलोलिंग की लड़ाई में सक्रिय रूप से भाग लेने वाली विभिन्न इकाइयों के 30 बहादुर सैनिकों की एक टीम ने

तोलोलिंग चोटी पर चढ़कर तिरंगा फहराया और ऑपरेशन विजय के बहादुरों को श्रद्धांजलि दी। भारतीय वायु सेना ने भी इस प्रयास को अपना समर्थन दिया और इस अभियान के लिए अधिकारियों और वायुसैनिकों को मैदान में उतारा। जब देश ऑपरेशन विजय की 26वीं वर्षगांठ मना रहा है, यह अभियान भारतीय सशस्त्र बलों की वीरता, देशभक्ति और निस्वार्थ सेवा की एक मार्मिक याद दिलाता है।

सेना का कहना है कि यह अभियान केवल एक साहसिक कार्य नहीं है, यह स्मरण, चिंतन और श्रद्धा की यात्रा है, जिसका उद्देश्य देश के इतिहास को आकार देने वाले साहस और बलिदान की कहानियों से भावी पीढ़ियों को प्रेरित करना है।

एएक्स -4 मिशन को संबोधित करने के लिए इसरो नासा, एक्सिओम, स्पेसएक्स कर रहे है एक साथ काम

चेन्नई, 13 जून (एजेंसियां)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शुक्रवार को कहा कि वह तकनीकी गड़बड़ी - एलओएक्स ईंधन के रिसाव - को संबोधित करने के लिए एक्सिओम स्पेस, नासा और स्पेसएक्स के साथ काम कर रहा है, जिसके कारण अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के लिए एक्सिओम-4 मिशन को स्थगित कर दिया गया था।

इस मिशन को सम्मानित भारतीय अंतरिक्ष यात्री सुभांशु शुक्ला द्वारा संचालित किया गया था, जिसने अरबों लोगों की उम्मीदों और सपनों को पूरा किया और सात प्रमुख माइक्रोग्रैविटी प्रयोग किए।

इसरो ने कहा कि सुरक्षा और मिशन की अखंडता इसकी सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है।

इसरो के अध्यक्ष वी नारायणन ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा इसरो एक्सिओम स्पेस, नासा, स्पेसएक्स के साथ मिलकर काम कर रहा है क्योंकि वे जिम्मेदारी से आईएसएस ज़्वेज़्दा मॉड्यूल अवलोकन को संबोधित करते हैं जो एक्स-4 में देरी का कारण बनता है। सुरक्षा और मिशन की अखंडता हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है।

अलगाववादी नेता शब्बीर शाह की जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली, 13 जून (एजेंसियां)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने आतंकी फंडिंग मामले में कश्मीरी अलगाववादी नेता शब्बीर अहमद शाह की जमानत याचिका बीते दिनों खारिज कर दी। शब्बीर शाह 2017 से एनआईए (राष्ट्रीय जांच एजेंसी) की हिरासत में हैं। उन्होंने अपनी जमानत के लिए दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

इससे पहले दिल्ली उच्च न्यायालय ने शब्बीर अहमद शाह की जमानत याचिका पर सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। शब्बीर शाह ने विशेष एनआईए अदालत द्वारा उन्हें जमानत देने से इनकार करने के आदेश के खिलाफ उच्च न्यायालय का रुख किया था।

न्यायमूर्ति नवीन चावला और न्यायमूर्ति शलिंदर कौर की पीठ ने शब्बीर अहमद शाह की जमानत याचिका खारिज की है। शब्बीर शाह के वकील कॉलिन गोंजाल्विस ने कोर्ट में कहा था कि शब्बीर शाह पिछले छह सालों से हिरासत में हैं, लेकिन उनके खिलाफ कोई अपराध साबित नहीं हुआ। शब्बीर शाह के खिलाफ एनआईए की चार्जशीट में कोई ठोस सबूत नहीं है। शब्बीर शाह के खिलाफ 24 मामले थे, जिनमें से 18 में उन पर आरोप लगाए गए हैं, तीन मामलों को खारिज कर दिया गया है, और तीन मामलों की जांच लंबित है।

कर्नाटक का वाल्मीकि घोटाला

सांसद और तीन विधायकों के यहां ईडी की तलाशी

बेंगलुरु, 13 जून (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कर्नाटक के कांग्रेस सांसद ई तुकाराम और पार्टी के तीन विधायकों के ठिकानों पर बीते दिनों छापेमारी की। वाल्मीकि घोटाले में कथित धन शोधन की जांच के सिलसिले में यह कार्रवाई की गई है।

धन शोधन निवारण कानून (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत ईडी ने कांग्रेस सांसद ई तुकाराम और तीन विधायकों से जुड़े परिसरों की तलाशी ली है। कर्नाटक में हुई इस कार्रवाई के बारे में ईडी ने बताया कि महर्षि वाल्मीकि एसटी विकास निगम (केएमवीएसटीडीसी) के खातों से करोड़ों रुपए की धनराशि ट्रांसफर की गई। आरोप के मुताबिक फर्जी संस्थाओं के माध्यम से मनी लॉन्ड्रिंग की गई। कर्नाटक पुलिस और सीबीआई की प्राथमिकी के आधार पर ईडी भी प्राथमिकी दर्ज कर पूरे मामले की जांच कर रही है।

ईडी ने आरोप लगाया है कि वाल्मीकि फंड से निकाली गई नकदी का इस्तेमाल चुनाव प्रचार के दौरान किया गया। ईडी के मुताबिक साल 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान बेल्लारी निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव को प्रभावित करने के मकसद से पैसे का धड़ल्ले से इस्तेमाल किया गया। केएमवीएसटीडीसी की स्थापना 19 वर्ष पहले साल 2006 में की गई थी। इसका मकसद केएमवीएसटीडीसी के बैनर तले कर्नाटक में अनुसूचित जनजाति (एसटी) समुदायों के लिए कल्याणकारी योजनाएं चलाना और समुदाय के लोगों के सामाजिक-आर्थिक विकास पर ध्यान केंद्रित करना था।

नक्सलियों की बड़ी साजिश नाकाम

जंगल से बरामद हुआ 10 किलो वजनी आईईडी बम

लखीसराय, 13 जून (एजेंसियां)। नक्सल प्रभावित लखीसराय जिले में सुरक्षा बलों को एक और बड़ी सफलता हाथ लगी है। पीरीबाजार थाना क्षेत्र के बांकुड़ा जंगल में चलाए जा रहे सघन तलाशी अभियान के दौरान पुलिस ने 10 किलो वजनी आईईडी बम बरामद कर नक्सलियों की बड़ी साजिश को नाकाम कर दिया। यह बम हार्ड स्किन पाइप में तैयार किया गया था और जमीन में गहराई से छिपाया गया था, ताकि सतर्कता के बावजूद इसका पता लगाना मुश्किल हो।

पुलिस अधीक्षक अजय कुमार ने बताया कि जिले में चल रहे नक्सल

विरोधी अभियानों के तहत एसटीएफ की एक टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि पीरीबाजार क्षेत्र के जंगलों में नक्सली गतिविधियां तेज हुई हैं। इसी सूचना के आधार पर टीम ने जब इलाके में सघन तलाशी अभियान चलाया, तो एक संदेहास्पद जगह की खुदाई में यह शक्तिशाली आईईडी बरामद हुआ।

बरामद आईईडी बम को बम निरोधक दस्ते ने मौके पर ही निष्क्रिय कर दिया। बम की संरचना और वजन देखकर यह साफ समझा जा सकता है कि यह पुलिस और सुरक्षा बलों को गंभीर नुकसान पहुंचाने की नीयत से लगाया गया था। अगर समय पर इसका पता नहीं चलता, तो यह एक बड़ा हादसा बन सकता था।

पुलिस की जांच में यह भी सामने आया है कि नक्सलियों ने बांकुड़ा जंगल क्षेत्र को 'सेफ जोन' घोषित कर वहां अस्थायी कैंप बना रखे थे। इसी योजना के तहत सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने के लिए आईईडी बम लगाया गया था। यह बम न केवल तकनीकी रूप से उन्नत था, बल्कि इसकी छिपाने की पद्धति भी बेहद चतुराई से की गई थी, जिससे यह सामान्य तलाशी से बचा रहे।

लखीसराय जिले के चानन, कजरा और पीरीबाजार के जंगल व पहाड़ी क्षेत्रों में सुरक्षा बल लगातार तलाशी अभियान चला रहे हैं। एसपी अजय कुमार ने कहा कि नक्सल विरोधी अभियान में किसी भी प्रकार की ढिलाई नहीं बरती जाएगी और इन क्षेत्रों में लगातार ऑपरेशन जारी रहेगा।

पुलिस प्रशासन ने क्षेत्र के लोगों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि या वस्तु की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। साथ ही यह संकेत भी दिए गए हैं कि आने वाले दिनों में इस प्रकार के तलाशी अभियान और भी तेज किए जाएंगे, ताकि नक्सलियों के मंसूबों को पूरी तरह नाकाम किया जा सके।

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

शहरी स्कूलों के स्मार्ट क्लास रूम से शिक्षा क्षेत्र में डिजिटल क्रांति

324.56 करोड़ की लागत से बन रहे हैं 2,700 स्मार्ट क्लास रूम

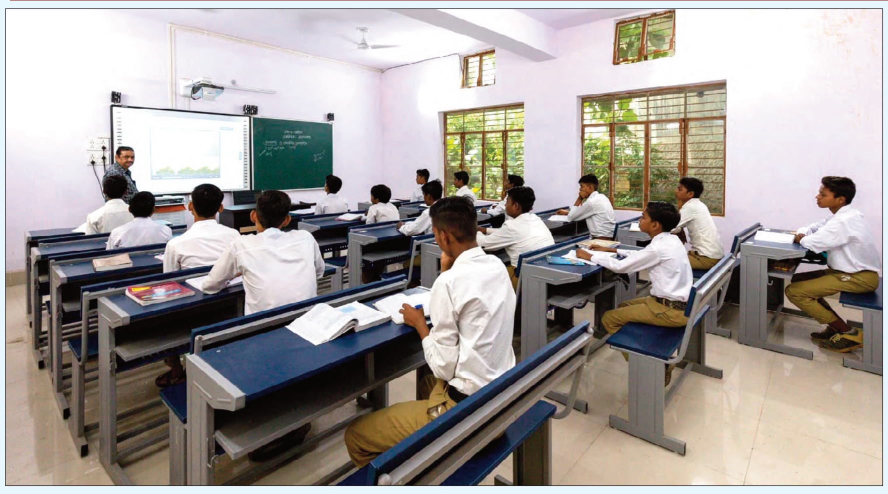

लखनऊ, 13 जून (न्यूज़ लायन)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ विजन के अनुरूप नगर विकास विभाग ने प्रदेश के शहरी क्षेत्रों के स्कूलों विशेष रूप से परिषदीय स्कूलों में शिक्षा को डिजिटल और आधुनिक स्वरूप देने के उद्देश्य से एक बड़ा कदम उठाया है।

नगर विकास विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के तहत लगभग 324.56 करोड़ रुपए की लागत से 2,700 से अधिक स्मार्ट क्लास रूम की स्थापना की गई है। जिनमें से लगभग 1,780 स्मार्ट क्लास रूम पूरी तरह तैयार हो कर संचालित हैं। विभाग के इस सराहनीय पहल का लाभ विशेष रूप से शहर के निम्न आय वर्ग के छात्रों को मिल रहा है।

जो एक ओर डिजिटल व आधुनिक शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं साथ ही वो तकनीकी रूप से भी सक्षम बन रहे हैं। इसका परिणाम है कि प्रदेश के शहरी परिषदीय स्कूलों के नामांकन में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है।

नगर विकास विभाग ने प्रदेश के शहरी क्षेत्र स्कूलों विशेष रूप से परिषदीय स्कूलों में शिक्षा सुविधा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लगभग 2,700 स्मार्ट क्लास रूम की स्थापना की है। विभाग ने अपनी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से लगभग 324.56 करोड़ रुपए की मद से स्मार्ट क्लास रूम स्थापित कर रहा है। इसके तहत सर्वाधिक स्मार्ट क्लास रूम स्मार्ट सिटी योजना के अंतर्गत लगभग 160.83 करोड़ रुपए की लागत से कुल 1,183 स्मार्ट क्लास रूम की परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं। जिनमें से प्रदेश के स्मार्ट सिटीज़ में 1,088 कक्षाएं पूर्ण रूप से क्रियाशील हैं। साथ ही कायाकल्प पहल के तहत लगभग 190 स्मार्ट क्लास रूम 57.66 करोड़ रुपए की लागत से बनाई गई हैं।

यूपी के नगर विकास योजना के आकांक्षी नगर योजना के तहत आकांक्षी नगरों में लगभग 29.43 करोड़ रुपए की लागत से 913 स्मार्ट क्लास रूम की स्वीकृति मिली थी जिसमें से 408 कक्षाएं स्मार्ट क्लासेज बन कर तैयार हो कर संचालित हो रही हैं जबकि 505 निर्माणाधीन हैं। साथ ही 398 नई कक्षाओं को भी स्वीकृति प्रदान की है। वहीं सीएम अभ्युदय कम्पोजिट स्कूल योजना के अंतर्गत 25 विशेष क्लासरूम बनाए जा रहे हैं। वहीं वैश्विक नगरोदय योजना के अंतर्गत 13 और कायाकल्प परियोजनाएं के तहत 4.25 करोड़ रुपए की लागत से स्मार्ट क्लास रूम की निर्माण किया जा रहा है।

नगर विकास विभाग ने प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में निम्न आय वर्ग के छात्रों को आधुनिक एवं डिजीटल शिक्षा की सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से स्मार्ट क्लास रूम स्थापित किए हैं। ये क्लास रूम इंटरैक्टिव डिजिटल बोर्ड, मल्टीमीडिया लर्निंग कंटेंट और हाई-स्पीड इंटरनेट जैसी आधुनिक सुविधाओं से युक्त हैं, जिससे शिक्षण प्रक्रिया अधिक प्रभावशाली और इंटरैक्टिव बनाया जा रहा है।

स्मार्ट क्लास रूम के बारे में बताते हुए नगर विकास विभाग के प्रमुख सचिव अमृत अभिजात ने कहा कि हम शहरी शिक्षा को एक नए आयाम में ले जा रहे हैं। ये स्मार्ट क्लास रूम न केवल छात्रों को तकनीक से जोड़ रहे हैं बल्कि उन्हें भविष्य के लिए तैयार कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस पहल का सकारात्मक परिणाम विशेष रूप से शहर के परिषदीय स्कूलों में छात्रों की उपस्थिति दर और नामांकन में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है।

नगर विकास विभाग की यह पहल न केवल डिजिटल शिक्षा को सुदृढ़ करने की दिशा में बड़ा कदम है, बल्कि यह प्रदेश के शहरी क्षेत्र में शिक्षा के स्तर में गुणवत्तापूर्ण सुधार भी ला रहा है। नगर विकास विभाग के प्रयास से विभिन्न योजनाओं के तहत 2022 से शुरू हुए इस अभियान के तहत स्वीकृत 65 प्रतिशत से अधिक स्मार्ट क्लास रूम का संचालन हो रहा है। जिसके परिणामस्वरूप प्रदेश के परिषदीय स्कूलों में नामांकन दर बढ़कर 59.6 प्रतिशत हो गई है जो राष्ट्रीय औसत से भी लगभग 15 प्रतिशत अधिक है। यही नहीं स्मार्ट क्लास रूम से छात्रों की सीखने की क्षमता और शिक्षा के प्रति रूझान में वृद्धि हुई है। परिषदीय स्कूलों में छात्रों के ड्राप आउट में भी उल्लेखनीय कमी आई है।

यूपी को भी अड्डा बना रखा है पाकिस्तानियों ने

68 साल से नागरिकता लेकर रह रहा था सेराजुल

पाकिस्तानी ने सरकारी योजनाओं का भरपूर लाभ लिया

कुशीनगर, 13 जून (न्यूज़ लायन)।

उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले में पाकिस्तानी नागरिक सिराजुल हक को पकड़ा गया है। वह 68 साल से भारत में लॉन्ग टर्म वीजा (एलटीवी) पर रह रहा था। उसने फर्जी दस्तावेज बनाकर भारत की नागरिकता ली और सरकारी लाभ लिए। मामले में दो अन्य आरोपी चांद अख्तर और शब्बीर आजम को गिरफ्तार किया गया है। सिराजुल हक अपनी मां कुलसुम खातून के साथ भारत में घुसा था।

पुलिस के अनुसार, पटहेरवा थाना क्षेत्र के पिपराकनक के गगलवा चैनपट्टी में सिराजुल हक छिपकर रह रहा था। सिराजुल हक 1957 में अपनी मां कुलसुम खातून के साथ पूर्वी पाकिस्तान से एलटीवी पर भारत आया था। हर साल वीजा का नवीनीकरण होता है। लेकिन इस बीच उसकी मां की मौत हो गई, लेकिन वह फिर भी वीजा अवधि बढ़ाकर रहता रहा। इस बीच सिराजुल हक ने 10 साल पहले सहज जन सेवा केंद्र चलाने वाले चांद अख्तर और शब्बीर आजम की मदद से नकली भारतीय दस्तावेज बनाए। उन दस्तावेजों के आधार पर वह सारी सरकारी योजनाओं का लाभ लेता रहा। दोनों जालसाजों को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पाकिस्तानी को फर्जी दस्तावेज मुहैया कराने वाले शेख सूबेदार नाम के व्यक्ति की भी तलाश की जा रही है।

15.46 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा बरामद, दो गिरफ्तार

लखनऊ, 13 जून (न्यूज़ लायन)।

राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) के अफसरों ने लखनऊ एयरपोर्ट पर 15.46 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा बरामद किया। दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। खुफिया सूचना के आधार पर बैंकॉक से लखनऊ आए दो भारतीय नागरिकों की तलाशी में गांजा पकड़ा गया। सामान की जांच के दौरान एल्युमिनियम फॉयल में लिपटे हुए 155 वैक्यूम-सील पैकेट बरामद किए गए। इन पैकेटों में मौजूद हरे रंग का पदार्थ फील्ड परीक्षण में गांजा (कैनाबिस) पाया गया।

सभी पैकेट से कुल 15.46 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा बरामद किया गया। हाइड्रोपोनिक गांजा एक उच्च-गुणवत्ता वाला गांजा है, जिसे मिट्टी के बिना, पोषक तत्वों से भरपूर पानी में नियंत्रित वातावरण में उगाया जाता है। यह सामान्य गांजे की तुलना में अधिक शक्तिशाली होता है और अवैध बाजारों में इसकी काफी मांग रहती है। जब्त मादक पदार्थ की अवैध बाज़ार में अनुमानित कीमत लगभग 15.46 करोड़ है। दोनों व्यक्तियों को नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटांसेस (एनडीपीएस) अधिनियम-1985 के तहत गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले की आगे की जांच जारी है।

हार्ट अटैक से अधिवक्ता की मौत सदमे में बड़े भाई ने भी तोड़ा दम

लखनऊ, 13 जून (न्यूज़ लायन)।

राजधानी लखनऊ में वकील अभिषेक उर्फ पवन सिंह (25) की चार दिन पहले तहसील कार्यालय में हार्ट अटैक से मौत हो गई। सदमे से उनके बड़े भाई मोनू सिंह ने भी शुक्रवार को दम तोड़ दिया।

बताया गया कि छोटे भाई अभिषेक की मौत का उनको काफी गहरा सदमा लगा। इससे सुबह उनकी तबियत बिगड़ गई। अस्पताल पहुंचने से पहले उनकी मौत हो गई। बंथरा में हनुमान मंदिर के पास रहने वाले लाल बहादुर के दो बेटे मोनू सिंह (46) और अभिषेक सिंह उर्फ पवन (25) थे। अभिषेक सरोजनी नगर तहसील कार्यालय में वकालत करते थे, जबकि मोनू सिंह घर पर ही मेडिकल स्टोर चला रहे थे। मोनू की शुक्रवार सुबह करीब पांच बजे तबीयत खराब हो गई। परिजन उन्हें पास के निजी अस्पताल ले गए, लेकिन वहां पहुंचते ही चिकित्सकों ने मोनू को मृत घोषित कर दिया।

बताया जा रहा है कि अभिषेक की मौत से मोनू सिंह के ऊपर ज्यादा सदमा पड़ा और इसी से डिप्रेशन में आकर उनकी भी मौत हो गई। फिलहाल मोनू की मौत के बाद पूरे घर में मातम छाया हुआ है। मोनू की करीब 20 वर्ष पहले शादी हुई थी। उनके परिवार में अब पत्नी के अलावा पिता लाल बहादुर और मां हीरामणि हैं।

अभिषेक बीते सोमवार को सरोजनी नगर तहसील में पैदल चलते-चलते अचानक चक्कर आने के बाद बेसुध होकर गिर गए थे। उन्हें पीजीआई ले जाया गया था, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया था। बताते हैं कि अभिषेक घर में सभी लोगों के ज्यादा दुलारे थे। इसकी वजह से अभिषेक की मौत के बाद पूरा परिवार सदमे में आ गया। सबसे ज्यादा सदमा मोनू सिंह को लगा। वह अभिषेक की मौत के बाद से काफी परेशान थे।

76 सेतु परियोजनाओं को पूरा करने में लगा सिर्फ एक साल

वर्ष 2024-25 में सर्वाधिक 76 सेतु परियोजनाएं पूर्ण

लखनऊ, 13 जून (न्यूज़ लायन)।

उत्तर प्रदेश में मात्र एक साल में 76 सेतु परियोजनाओं का निर्माण उच्च गुणवत्ता को सुनिश्चित करते हुए पूरा कर लिया गया है। लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम लिमिटेड ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में इस उपलब्धि को हासिल किया है जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। आंकड़ों के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2024-25 में उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम लिमिटेड द्वारा जिन 76 सेतु परियोजनाओं को रिकॉर्ड समय में पूरा किया गया उनमें 43 नदी सेतु, 28 आरओबी और 5 फ्लाईओवर शामिल हैं। खास बात यह है कि यह उपलब्धियां केवल एक वर्ष की अवधि तक सीमित नहीं है। सीएम योगी के अब तक के कार्यकाल में हुए निर्माण कार्य प्रदेश की भविष्य की जरूरतों अनुसार उत्तम कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने में मील का पत्थर साबित हुए हैं।

आंकड़ों के अनुसार, पिछले 8 वर्षों में सीएम योगी के निर्देश व मार्गदर्शन में राज्य सेतु निगम लिमिटेड ने कुल 471 सेतु परियोजनाओं के उच्च गुणवत्तापूर्ण निर्माण में सफलता प्राप्त की है। इसमें 313 नदी सेतु, 143 आरओबी तथा 15 फ्लाईओवर शामिल हैं। लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रस्तुत किए गए आंकड़ों के अनुसार राज्य सेतु निगम लिमिटेड के टर्नओवर में भी सीएम योगी के अब तक के कार्यकाल में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। एक ओर, वित्तीय वर्ष 2017-18 में जहां कुल टर्नओवर 1013.74 करोड़ था, वहीं वित्तीय वर्ष 2018-19 में यह बढ़कर 1360.34 करोड़ पहुंच गया। वित्तीय वर्ष 2019-20, 2020-21 तथा 2021-22 में भी वृद्धि दर्ज करते हुए टर्नओवर क्रमशः 1511.18 करोड़, 1936.92 करोड़ तथा 1959.33 करोड़ रहा। वर्ष 2022-23 में हालांकि टर्नओवर में कुछ कमी आई और वह 1946 करोड़ के स्तर पर रहा। इसके बाद वर्षों में टर्नओवर में रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की गई। वर्ष 2023-24 में टर्नओवर बढ़कर 2376 करोड़ हो गया जबकि 2024-25 में यह 2583 करोड़ रुपए हो गया। यानी, वित्तीय वर्ष 2017-18 से लेकर 2024-25 तक राज्य सेतु निगम लिमिटेड के टर्नओवर में 2.5 गुना वृद्धि हुई है।

राज्य सेतु निगम लिमिटेड द्वारा प्रदेश में जारी विभिन्न सेतु परियोजनाओं के निर्माण और विकास को लेकर एक विस्तृत खाका तैयार किया गया है। सीएम योगी के निर्देशानुसार प्रदेश के 10 मंडलों में जारी निर्माण व विकास कार्यों को लेकर इसमें विस्तृत ब्यौरा पेश किया गया है। इसी कार्ययोजना के आधार पर वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्रदेशभर में जारी विभिन्न परियोजनाओं को पूरा करने में मदद मिलेगी। इनमें वरीयता के आधार पर उन कार्यों को पहले प्राथमिकता दी जाएगी जिनके पूरा होने पर बड़े स्तर पर क्षेत्रीय आबादी को लाभ मिलेगा।

सिपाही सौरभ की हत्या में शामिल साजिद मुठभेड़ में जख्मी

गाजियाबाद, 13 जून (न्यूज़ लायन)। गाजियाबाद के थाना मसूरी क्षेत्र के नाहल गांव में सिपाही सौरभ कुमार की हत्या के मुख्य आरोपी कादिर के भाई साजिद को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। वेव सिटी थाना क्षेत्र में बीती रात हुई मुठभेड़ में साजिद के बाएं पैर में गोली लगी। उसे इलाज के लिए सीएचसी डासना भेजा गया है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि साजिद डासना की ओर से काजीपुरा की तरफ आ रहा है। वेव सिटी थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर अनिल राजपूत और पुलिस टीम ने डासना-काजीपुरा मार्ग पर चेकिंग शुरू की।

इसी दौरान साजिद बाइक पर आता दिखा, लेकिन रुकने के इशारे पर भागने लगा। रास्ता खराब होने के कारण बाइक फिसल गई और वह गिर पड़ा। पकड़े जाने के डर से साजिद ने पुलिस पर फायर किया, जिसके जवाब में पुलिस ने कार्रवाई की और उसके पैर पर गोली लगी। घटनास्थल से एक बाइक, तमंचा और दो कारतूस बरामद किए गए। अब तक इस हत्याकांड में 16 आरोपित गिरफ्तार हो चुके हैं, जबकि 4 इनामी आरोपित अभी फरार हैं।

गलत तरीके से भुगतान लेने वाले 39 अस्पतालों की संबद्धता निलंबित

आयुष्मान योजना के तहत नहीं कर सकेंगे इलाज

लखनऊ, 13 जून (न्यूज़ लायन)।

उत्तर प्रदेश में आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत स्टेट एजेंसी फॉर कंप्रिहेंसिव हेल्थ एंड इंटीग्रेटेड सर्विसेज (साचीज) से गलत तरीके से भुगतान लेने वाले 39 अस्पतालों की संबद्धता निलंबित कर दी गई है। निलंबन अवधि में वे योजना के तहत मरीजों का उपचार नहीं कर पाएंगे। हालांकि पांच को छोड़कर 34 अस्पतालों ने रुपये लौटा दिए हैं।

योजना के तहत पंजीकृत 39 अस्पतालों के खाते में साचीज के अधिकारियों/कर्मचारियों की आईडी का दुरुपयोग कर लगभग 9.94 करोड़ की राशि भेज दी गई थी। पोर्टल के माध्यम से अनियमित तरीके से किए गए भुगतान के मामले में साचीज प्रबंधन ने रिपोर्ट भी दर्ज कराई है। पूरे मामले में विभागीय जांच भी चल रही है।

विभागीय जानकारों का कहना है कि प्रकरण की जांच में कई अधिकारियों एवं कर्मचारियों का फंसना तय है। जांच के दौरान कई स्तरों पर लापरवाही भी मिली है। फिलहाल जिन अस्पतालों को अनियमित भुगतान प्राप्त हुआ है, उन्हें योजना से निलंबित कर दिया गया है। अनियमित भुगतान लेने के संबंध में वसूली नोटिस भेजी गई। इस पर पांच अस्पतालों ने अभी रुपये नहीं लौटाए हैं, जबकि 34 अस्पतालों ने 7.46 करोड़ रुपये लौटा दिए हैं। अन्य अस्पतालों से भी वसूली की कार्रवाई चल रही है।

प्रदेश में जिन अस्पतालों को आयुष्मान भारत योजना से निलंबित किया गया है। उनमें मुस्तफा अस्पताल, इंडिया अस्पताल, विद्या अस्पताल और ट्रॉमा सेंटर, चैरिटेबल एवं मेडिकल संस्थान लखनऊ, उस्मानी नर्सिंग होम, सुपर वेदांत सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल और ट्रॉमा सेंटर, आयुष्मान अस्पताल, एम पारस हेल्थ केयर अस्पताल बिजनौर, यूनिक हॉस्पिटल रिसर्च सेंटर, सर्जिमेड अस्पताल, सेलेक्ट अस्पताल, फोटॉन सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल और ट्रॉमा, फोटॉन अस्पताल, एमआई अस्पताल, मेडविन मल्टीस्पेशियलिटी अस्पताल, गैलेक्सी सर्जिकल और मैटरनिटी सेंटर, एवीएस अस्पताल मुरादाबाद, यूनिक अस्पताल, ऑन्कोकेयर कैंसर अस्पताल, डॉ. केसी मेमोरियल गुप्ता अस्पताल, डिवाइन हेल्थकेयर अमरोहा, किरपालु हॉस्पिटल, आयुष्मान हॉस्पिटल, अम्बे हॉस्पिटल और ट्रॉमा सेंटर हापुड़, महालक्ष्मी हॉस्पिटल एंड ट्रॉमा सेंटर, गुलावठी पल्स सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल बुलंदशहर, चौधरी मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल गाज़ियाबाद, सूर्या हॉस्पिटल, आरएन हॉस्पिटल, न्यू आदर्श हॉस्पिटल, अशोक हॉस्पिटल देवरिया, पूर्वांचल अस्पताल, मीनल नर्सिंग होम गोरखपुर, यूनिक हास्पिटल एंड अट्रासाउंड सेंटर अमरोहा शामिल हैं।

पैनेसिया अस्पताल वाराणसी, हिंदुस्तान चाइल्ड अस्पताल बहराइच, सनराइज हॉस्पिटल, न्यूलाइफ हॉस्पिटल हापुड़ तथा सकीना अस्पताल मुरादाबाद ने अभी अनियमित तरीके से लिए गए भुगतान की राशि लौटाई नहीं है। उन्हें दोबारा नोटिस भेजा गया है। ये भी 39 अस्पतालों की निलंबन सूची में हैं।

साचीज का प्रयास है कि अस्पतालों का भुगतान पारदर्शिता और नियमों के अनुरूप हो। हर पात्र लाभार्थी को योजना का लाभ मिले। जांच चल रही है, जो भी दोषी होगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिन लोगों ने रुपये नहीं लौटाए हैं, उनसे वसूली की प्रक्रिया जारी है।

लड़कियों को गोरखपुर से नेपाल ले जा रहे लव जेहादी गिरफ्तार

सोनौली, 13 जून (न्यूज़ लायन)। भारत-नेपाल सीमा सोनौली में बीते दिनों तीन मुस्लिम युवकों को हिंदू लड़कियों को नेपाल ले जाते पकड़ा गया। यूपी के आजमगढ़ निवासी अयान खान, बासित खान और मोहम्मद अरबाज ने इन लड़कियों को सोशल मीडिया पर फंसाया। फिर बहला फुसलाकर उन लड़कियों को नेपाल ले जा रहे थे। इस मामले को लव जेहाद से जुड़ा बताया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, हिंदू लड़कियों में एक युवती जौनपुर की है, जो मुंबई में नौकरी करती है। युवती को पहले प्रेम-जाल में फंसाया, फिर उसके माध्यम से गोरखपुर की दो नाबालिग लड़कियों को भी अपने जाल में उलझाया। कोतवाल अजीत सिंह ने बताया कि अयान, बासित और अरबाज दो साल से सोशल मीडिया पर तीनों लड़कियों से दोस्ती की। फिर उन्हें बहला-फुसलाकर गोरखपुर बुलाया और यहां से नेपाल लेकर जाने की फिराक में थे। उन्होंने कहा कि फिलहाल नेपाल ले जाने के कारण की जांच की जा रही है।

संपादकीय

ये तपतपाए दिन

राजधानी दिल्ली का मौसमी तापमान 45 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया है। पंजाब, हरियाणा, राजस्थान राज्यों के कई क्षेत्रों का तापमान 47-48 डिग्री को भी पीछे छोड़ चुका है। ऐसा लग रहा है मानो आग बरस रही हो! यदि आप अपने ही घर में वातानुकूलित कमरे से दूसरे कमरे में जाएंगे, तो आपका सामना आग के तूफान से होगा। हवा में इतनी तपन है। बीता 9 जून अभी तक 'सबसे गर्म दिन' आंका गया है, जिस दिन बिजली की मांग 'चरम' तक पहुंच गई और 241 गीगावाट की मांग दर्ज की गई। नतीजतन केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय एयरकंडीशनर के नए मानक तय करने को विवश हुआ है। जब नए मानक बनकर लागू किए जाएंगे, तब एसी 20-28 तापमान के बीच ही चला सकेंगे। फिलहाल न्यूनतम तापमान 16 है। बहरहाल पूरे उत्तर भारत में आग बरस रही है और लू चलने की चेतावनियां दी जा रही हैं। पहाड़ी इलाकों में भी तापमान 40 डिग्री को पार कर चुका है। लू जानलेवा स्थिति है, लिहाजा इसे 'चिकित्सीय आपातकाल' माना गया है। 'लू लगने' के सामान्य लक्षण ये हैं कि मानवीय शरीर का तापमान 104 डिग्री फॉरेनहाइट (40 डिग्री सेल्सियस) तक बढ़ जाता है। वह तेज बुखार की स्थिति है। बीते साल 18 जून तक लू (हीट स्ट्रोक) के 40,000 से अधिक मामले सामने आए थे। लू और तपतपाई गर्मी के कारण 110 लोगों की मौतें भी दर्ज की गई थीं। 2022 में तो 730 मौतें दर्ज की गईं। शायद यही बुनियादी कारण है कि मौसम विभाग लगातार रेड, येलो, ऑरेंज अलर्ट जारी कर रहा है। इस धधकते, तपते मौसम में सबसे बड़ा संकट खुले में काम करने वाले कामगारों के लिए है। भारत में 65-70 फीसदी कामगार इस भीषण गर्मी में भी काम करने को विवश हैं, क्योंकि उनका घर-परिवार दिहाड़ी पर ही चलता है। इस संदर्भ में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग का हस्तक्षेप बेहद महत्वपूर्ण है। आयोग ने राज्यों को दिशा-निर्देश जारी किए हैं कि वे कमजोर लोगों, खासकर आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों, बाहरी कामगारों, बुजुर्गों, बच्चों और बेघर लोगों की सुरक्षा के लिए तत्काल एहतियाती कदम उठाएं, जो पर्याप्त आश्रय और संसाधनों की कमी के कारण जोखिम में हैं। आयोग के अध्यक्ष जस्टिस वी. रामसुब्रह्मण्यन ने राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) द्वारा भीषण गर्मी और लू के कारण होने वाली मौतों की रपट का संज्ञान ले और राज्यों को निर्देश दे। एनसीआरबी की रपट के मुताबिक, 2018 से 2022 के बीच गर्मी और लू के कारण देश में 3798 लोगों की मौतें हुईं। मानवाधिकार आयोग ने राज्यों को जारी पत्र में लिखा है कि गर्मी और लू की लहरों के प्रभाव को कम करने के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के दिशा-निर्देशों का प्रभावी तौर पर पालन करना चाहिए, ताकि संभावित नुकसान को रोका जा सके। बहरहाल बीते कई वर्षों से हमारे संवेदनशील प्रशासन ने मौसम की चरम स्थितियों में नियोक्ताओं के लिए कुछ सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं। मसलन-ऐसे तपतपाए दिनों में दोपहर 12.30 बजे से सायं 4.30 बजे तक खुले में काम कराने पर रोक लगाई गई है। कामगारों के लिए छायादार जगह और ठंडा पेयजल भी होना अनिवार्य है। महानगरों और बड़े शहरों में बिजली की आपूर्ति पहले की अपेक्षा सुधरी है, लिहाजा काम करने की जगह भी पंखे की मौजूदगी होने लगी है, लेकिन गांव-कस्बों में अब भी घंटों बिजली के कट लगाए जा रहे हैं, वहां आम आदमी और कामगार दोनों ही परेशान हैं। बहरहाल हमारी व्यवस्था में अब भी बहुत कुछ बदला और सुधारा जाना है। ये तपतपाए दिन जलवायु-परिवर्तन की भी देन हैं। मौसम का चक्र बदलता जा रहा है। कुछ दिन पहले तक खूब बारिश हो रही थी, लेकिन बीते सात दिनों में ही तापमान में 8-13 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी हुई है। उत्तर-पश्चिम भारत में पश्चिमी हवाएं चल रही हैं, जो पाकिस्तान के रेगिस्तानी इलाकों से आ रही हैं। खाड़ी देशों, खासकर इराक, सऊदी अरब के अधिकांश इलाकों में तापमान बीते एक सप्ताह से 46 डिग्री के आसपास है। पाकिस्तान के इलाकों में भी करीब 47 डिग्री सेल्सियस का तापमान है। बहरहाल राहत तब ही संभव है, जब मॉनसून फिर सक्रिय होकर बरसेगा।

> पंजाब, हरियाणा, राजस्थान राज्यों के कई क्षेत्रों का तापमान 47–48 डिग्री को भी पीछे छोड़ चुका है। ऐसा लग रहा है मानो आग बरस रही हो! यदि आप अपने ही घर में वातानुकूलित कमरे से दूसरे कमरे में जाएंगे, तो आपका सामना आग के तूफान से होगा। हवा में इतनी तपन है। बीता 9 जून अभी तक 'सबसे गर्म दिन' आंका गया है, जिस दिन बिजली की मांग 'चरम' तक पहुंच गई और 241 गीगावाट की मांग दर्ज की गई। नतीजतन केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय एयरकंडीशनर के नए मानक तय करने को विवश हुआ है। जब नए मानक बनकर लागू किए जाएंगे, तब एसी 20–28 तापमान के बीच ही चला सकेंगे। फिलहाल न्यूनतम तापमान 16 है। बहरहाल पूरे उत्तर भारत में आग बरस रही है और लू चलने की चेतावनियां दी जा रही हैं। पहाड़ी इलाकों में भी तापमान 40 डिग्री को पार कर चुका है।

भारत में अत्यधिक गरीबी को कम करने में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है

गरीबी के साथ आर्थिक असमानता दूर करने का लक्ष्य हो

ललित गर्ग

> आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2022–23 में यह दर 5.3 प्रतिशत रह गई है, जो वर्ष 2011–12 में 27.1 फीसदी थी। रिपोर्ट के निष्कर्षों के अनुसार भारत ने लगभग एक दशक से कुछ कम समय में 27 करोड़ लोगों को अत्यधिक गरीबी से बाहर निकाला है, जो पैमाने और गति के मामले में उल्लेखनीय एवं ऐतिहासिक उपलब्धि कही जा सकती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने शासन के ग्यारह स्वर्णिम वर्षों में गरीबी को कम करने के लिए सामूहिक कार्रवाई की ज़रूरत पर ज़ोर दिया है, गरीबों के संघर्षों और उनकी चिंताओं को सुनकर, उन्हें गरीबी से बाहर आने में मदद करके और अत्यधिक गरीबी में रहने वाले लोगों के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करके उन्होंने गरीब उन्मूलन की योजनाओं को जमीन पर उतारा है। मोदी सरकार ने गरीबी में रहने वाले लोगों और व्यापक समाज के बीच समझ और संवाद को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखा है। उनकी दृष्टि में गरीबी को खत्म करना सिर्फ़ गरीबों की मदद करना नहीं है – बल्कि हर महिला और पुरुष को सम्मान के साथ जीने का मौका देना है।

भारत एक ओर जहां लगातार तेज ग्रोथ करते हुए बीते दिनों जापान को पीछे छोड़ दुनिया की चौथी सबसे बड़ी इकोनॉमी बना, तो वहीं उपलब्धियों का सिलसिला जारी है और दुनिया इसका लोहा मान रही है। अब एक और खुश करने वाली रिपोर्ट आई है, जो विश्व बैंक ने जारी की है, जिसमें भारत में अत्यधिक गरीबी में आई उल्लेखनीय कमी की रोशनी है। आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2022-23 में यह दर 5.3 प्रतिशत रह गई है, जो वर्ष 2011-12 में 27.1 फीसदी थी। रिपोर्ट के निष्कर्षों के अनुसार भारत ने लगभग एक दशक से कुछ कम समय में 27 करोड़ लोगों को अत्यधिक गरीबी से बाहर निकाला है, जो पैमाने और गति के मामले में उल्लेखनीय एवं ऐतिहासिक उपलब्धि कही जा सकती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने शासन के ग्यारह स्वर्णिम वर्षों में गरीबी को कम करने के लिए सामूहिक कार्रवाई की ज़रूरत पर ज़ोर दिया है, गरीबों के संघर्षों और उनकी चिंताओं को सुनकर, उन्हें गरीबी से बाहर आने में मदद करके और अत्यधिक गरीबी में रहने वाले लोगों के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करके उन्होंने गरीब उन्मूलन की योजनाओं को जमीन पर उतारा है। मोदी सरकार ने गरीबी में रहने वाले लोगों और व्यापक समाज के बीच समझ और संवाद को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखा है। उनकी दृष्टि में गरीबी को खत्म करना सिर्फ़ गरीबों की मदद करना नहीं है - बल्कि हर महिला और पुरुष को सम्मान के साथ जीने का मौका देना है। विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चलाई जा रही सरकारी पहलों, तेज आर्थिक सुधारों और जरूरी सेवाओं तक सबकी पहुंच का ही यह नतीजा है कि गरीबी दिन-ब-दिन तेजी से घट रही है। विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार रोजगार में वृद्धि हुई है। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। भारत ने बहुआयामी गरीबी को कम करने में भी जबरदस्त प्रगति की है। बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआइ) 2005-06 में 53.8 प्रतिशत से घटकर 2019-21 में 16.4 प्रतिशत और 2022-23 में 15.5 प्रतिशत हो गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों को गरीबी से उबारने के लिए केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए महत्वपूर्ण कदमों और सशक्तीकरण, बुनियादी ढांचे और समावेशन पर फोकस पर प्रकाश डाला। प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, जन-धन योजना और आयुष्मान भारत जैसी पहलों ने आवास, स्वच्छ खाना पकाने के ईंधन, बैंकिंग और स्वास्थ्य सेवा तक उनकी पहुंच को बढ़ाया है। डायरेक्ट बेनेफिट ट्रांसफर (डीबीटी), डिजिटल समावेश और मजबूत ग्रामीण बुनियादी ढांचे ने अंतिम जन तक लाभों की पारदर्शिता और तेज वितरण सुनिश्चित किया है। इससे 25 करोड़ से अधिक लोगों को गरीबी पर पार पाने में मदद मिली है। मोदी सरकार ने आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को संबल और आत्मनिर्भर बनाने के लिए अनेक योजनाएं चलाई हैं और

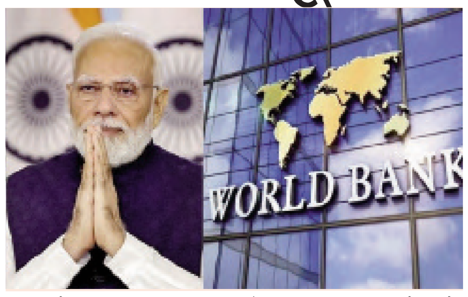

उनका बेहतर क्रियान्वयन किया है। अत्यधिक गरीबी में रहने वाले लोगों की संख्या 34.44 करोड़ से घटकर 7.52 करोड़ रह गई है। पूरे भारत में अत्यधिक गरीबी को कम करने में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है, जिसमें प्रमुख राज्यों ने गरीबी में कमी लाने और समावेशी विकास को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पांच बड़े राज्यों उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार और बंगाल में 2011-12 में देश के 65 फीसदी अत्यंत गरीब लोग थे। इन पांच राज्यों ने ही 2022-23 तक गरीबी कम करने में दो-तिहाई का योगदान दिया है। विश्व बैंक ने पाकिस्तान को आईना दिखाते हुए भारत से गरीबी उन्मूलन की योजनाओं एवं सोच से प्रेरणा लेने की बात कही है। विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान की 45 प्रतिशत आबादी गरीबी में है। भारत की गरीबी दर 5.3 प्रतिशत और पाकिस्तान की 42.4 प्रतिशत है। इसका सबसे बड़ा कारण पाक अपना सारा ध्यान आतंकवाद एवं आतंकवादियों के पोषण पर देता है, गरीबी दूर करना उसकी योजनाओं एवं नीतियों में दूर-दूर तक नहीं है। इसीलिये भारत ने वैश्विक मंचों पर पाक पर यह आरोप भी लगाया है कि वह अंतरराष्ट्रीय सहायता का दुरुपयोग आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए कर रहा है। भारत ने विश्व बैंक और आईएमएफ जैसे संस्थानों से अनुरोध किया है कि वे पाक को दी जाने वाली सहायता की समीक्षा करें, क्योंकि इसका उपयोग आम लोगों के कल्याण के बजाय सैन्य खर्च और आतंकवादी गतिविधियों में हो रहा है। हाल के पाहलगाम हमले के बाद भारत ने इस मुद्दे को और जोरदार तरीके से उठाया, जिसमें उसने पाक के सैन्य बजट में 18 प्रतिशत वृद्धि और सामाजिक कल्याण पर कम खर्च को उजागर किया। गरीबी किसी व्यक्ति के मानवाधिकारों का हनन है। यह न केवल अभाव, भूख और पीड़ा का जीवन जीने की ओर ले जाती है, बल्कि मौलिक अधिकारों और स्वतंत्रताओं के आनंद का भी बड़ा अवरोध है। पाक में यही स्थितियां देखने को मिल रही है। आजादी के अमृत काल में सशक्त भारत एवं विकसित भारत को निर्मित करते हुए गरीबमुक्त भारत के संकल्प को भी आकार दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार ने वर्ष 2047 के आजादी के शताब्दी समारोह के लिये जो योजनाएं एवं लक्ष्य तय किये हैं, उनमें गरीबी उन्मूलन के लिये भी व्यापक योजनाएं बनायी गयी है। विगत ग्यारह वर्ष एवं मोदी के तीसरे कार्यकाल में ऐसी गरीब कल्याण की योजनाओं को लागू किया गया है, जिससे भारत के भाल पर लगे गरीबी के शर्म के कलंक को धोने के सार्थक प्रयत्न हुए है एवं गरीबी की रेखा से नीचे जीने वालों को ऊपर उठाया गया है। निश्चित रूप से इस उपलब्धि में विभिन्न कल्याण कार्यक्रमों मसलन आर्थिक विकास और ग्रामीण रोजगार योजनाओं की बड़ी भूमिका रही है। निस्संदेह, इसने सबसे गरीब तबके के लोगों की आय बढ़ाने में मदद की है। निश्चित रूप से सार्वजनिक वितरण प्रणाली में सुधार, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण, बिजली, शौचालयों और आवास तक इस तबके की पहुंच बढ़ाने जैसी पहल ने ग्रामीण और अर्ध-शहरी भारत में जीवन की गुणवत्ता बेहतर बनाने में योगदान दिया है। लेकिन जहां हम गरीबी उन्मूलन में मिली सफलता पर आत्ममुग्ध हैं तो वहीं समाज में बढ़ती आर्थिक असमानता हमारी चिंता का विषय होना चाहिए। गरीबी-अमीरी के बीच के बढ़ते फासले को कम करना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। पिछले साल जारी की गई विश्व असमानता रिपोर्ट 2022 से पता चलता है कि भारत में शीर्ष एक प्रतिशत लोगों की संपत्ति में बड़ा उछाल आया है। वे लोग देश की चालीस फीसदी संपत्ति नियंत्रित करते हैं। भारत में गरीबी का मुख्य कारण बढ़ती जनसंख्या, कमजोर कृषि, भ्रष्टाचार, रूढ़िवादी सोच, जातिवाद, अमीर-गरीब में ऊंच-नीच, नौकरी की कमी, अशिक्षा, बीमारी आदि हैं। एक आजाद मुल्क में, एक शोषणविहीन समाज में, एक समतावादी दृष्टिकोण में और एक कल्याणकारी समाजवादी व्यवस्था में गरीबी रेखा नहीं होनी चाहिए। अब तक यह रेखा उन कर्णधारों के लिए शर्म की रेखा बनी रही है, जिसको देखकर उन्हें शर्म आनी चाहिए थी। एक बड़ा प्रश्न था कि जो रोटी नहीं दे सके वह सरकार कैसी? जो अभय नहीं बना सके, वह व्यवस्था कैसी? जो इज्जत व स्नेह नहीं दे सके, वह समाज कैसा? गांधी और विनोबा ने सबके उदय एवं गरीबी उन्मूलन के लिए 'सर्वोदय' की बात की। लेकिन राजनीतिज्ञों ने उसे निज्योदय बना दिया था। 'गरीबी हटाओ' में गरीब हट गए। अब तक जो गरीबी के नारे को जितना भुना सकते थे, वे सत्ता प्राप्त कर सकते थे। लेकिन अब मोदी सरकार गरीबी उन्मूलन के लिये सार्थक प्रयत्न कर रही है। मोदी सरकार की तकनीकी प्रेरित सेवाओं में उछाल के चलते, वर्ष 2000 के बाद विकास मॉडल ने गरीब वर्ग को लाभान्वित किया है। निर्विवाद रूप से सामाजिक न्याय के लिये गरीबी कम करने के साथ, कमजोर तबकों के लिये सम्मान, समानता और नीतियों में लचीलापन जरूरी है। वास्तव में गरीबी मुक्त भारत का लक्ष्य तभी पूरा हो सकता है जब सरकार की कल्याणकारी नीतियां न केवल उन्हें गरीबी के दलदल से बाहर निकालें, बल्कि उन्हें स्वावलंबी भी बनाएं। आर्थिक कल्याणकारी नीतियों का मकसद मुफ्त की रेवड़ियां बांटना न होकर उन्हें अपने पैरों पर खड़ा करना होना चाहिए। तभी गरीबी का कुचक्र स्थायी रूप से कम किया जा सकता है।

आप का नजरिया

देश को पर्यटन का सैल्यूट

हिमाचल की सैन्य पृष्ठभूमि से निकला रास्ता ठीक चीन के सामने खड़ा है और जहां राष्ट्रीय गर्व की ताल ठोंकता पर्यटन सैल्यूट करता है। देश का जज्बा लिए पर्यटक वाघा-अटारी तक जिस जोश से पहुंचते रहे हैं, उसी संवेग से हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के प्रयास बार्डर टूरिज्म को शिपकी-ला तक ले आए हैं। यहीं इंदिरा प्वाइंट का स्तंभ याद दिलाता है कि देश की तत्कालीन प्रधानमंत्री स्व. इंदिर गांधी ने देश की एकता और अखंडता का तिलक, किन्नौर की इस पावन मिट्टी से लगाया था। वाईएस परमार के बाद सुक्खू दूसरे ऐसे व्यक्ति हैं जो मुख्यमंत्री के पद से इस सरहदी इलाके में भारत के गौरव को जन गण मन से जोड़ रहे हैं। केंद्र सरकार सीमावर्ती क्षेत्रों की कनेक्टिविटी को लगातार मजबूत कर रही है और अगर अंतरराष्ट्रीय समझौते की कसौटी पर कैलाश मानसरोवर यात्रा का पड़ाव किन्नौर को अहमियत देता है, तो सबसे सरल, नजदीक और रोमांच भरी यात्रा इसी शिपकी-ला की निगरानी में होगी। किन्नौर से राष्ट्र भावना के स्रोत अब पर्यटन की धमनियों में जोश भरेंगे। मुख्यमंत्री ने सीमा पर्यटन की 'विजिटर बुक' में अपनी योजनाओं की शपथ लिखते हुए हवाई पट्टी के अलावा हेलिपोर्ट की श्रृंखला में किन्नौर की सांस्कृतिक उर्वरता को एक नया पैगाम दिया है। जाहिर है हिमाचल की कुर्बानियों का इतिहास और देश की एकता के प्रतीक सीमा पर्यटन को राष्ट्रभक्ति की सेरेमनी में खड़ा कर सकते हैं। इस एहसास को शिपकी-ला में जीने के लिए अब एक स्थायी समारोह की दरकार है ताकि जब सैलानी आएं तो राष्ट्रीय भावना के उद्घोष परवान चढ़ें और यहां की स्वरलहरियां चीन के बंद कानों के पर्दे खोल दें। हिमाचल की सैन्य पृष्ठभूमि से जुड़ा आकर्षण कई युद्धों के इतिहास को प्रदेश से जोड़ देता है। सैन्य भर्ती में जब तक कोटा नहीं था, राष्ट्रीय फलक की सारी भर्ती हिमाचली युवाओं के कंधों पर होती रही है। इतना ही नहीं, आज भी शहादत की पुकार जब देश की सरहद करती है, तो सारे देश की तीस प्रतिशत कुर्बानियों में प्रदेश के युवा तिरंगे में लिपट कर लौटते हैं। देश के 21 परमवीर चक्रों में से चार हिमाचल की छाती पर सजे हैं, तो इस सम्मान की पहली नजर आज भी मेजर सोमनाथ शर्मा से जुड़ी राष्ट्रीय गौरव की कहानी, प्रदेश के जर्रे-जर्रे में परवान हो जाती है। कारगिल युद्ध का शौर्य हिमाचल के इन्हीं जज्बात को प्रमाणित करता है, जब देश की 527 कुर्बानियों में 52 हिमाचल के कंधे पर सवार होकर आज भी 'गर्व से कहती हैं हम हिंदोस्तानी औलाद हैं, देश की शान हैं।' कैप्टन विक्रम बतरा (मरणोपरांत) और राइफल मैन संजय कुमार को सर्वोच्च बहादुरी पुरस्कार मिलता है, तो देश प्रेम की हमारी गाथा श्रेष्ठ हो जाती है। इन्हीं जज्बात को मूर्त करता धर्मशाला का राज्यस्तरीय शहीद स्मारक व युद्ध संग्रहालय हर दिन पर्यटकों की भावना में राष्ट्र प्रेम का मानचित्र उकेरता है। आश्चर्य है कि इस स्मारक के विस्तार के बजाय इसकी अमानत से चार्जिंग स्टेशन के लिए जगह छीनी जा रही है। कहां तो शहीद स्मारक समिति इस स्थान की गरिमा को राष्ट्रीय पैमाने तक पहुंचाती हुई इसके विस्तार की एक महत्त्वाकांक्षी परियोजना पर काम कर रही है और कहां विकास के प्रशासनिक घोड़े इसकी रगों से पवित्र जमीन छीनकर चार्जिंग स्टेशन के लिए सारे मंसूबे रौंदना चाहते हैं। यह गलत व अन्यायपूर्ण ही नहीं, बल्कि प्रदेश के सभी शहीदों के प्रति अपमान है।

देश दुनिया से

लोकतंत्र को रौंद रहा है ट्रंप प्रशासन

लॉस एंजेलिस में इमिग्रेशन छापों को लेकर हिंसक विरोध हुआ है। लोगों को काबू करने के वास्ते 2,100 नेशनल गार्ड को लॉस एंजेलिस में तैनात किया गया है। इसके अलावा 700 मरीन भेजे गए हैं। अब यहां नेशनल गार्ड की संख्या चार हजार हो गई है। इससे स्थानीय अधिकारियों और कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम की चिंता और बढ़ गई है। न्यूसम पहले ही कह चुके हैं कि ट्रंप इस आग को और भड़का रहे हैं, और वह यही चाहते थे। साफ लगता है, आर्थिक मोर्चे पर फेल ट्रम्प देश का ध्यान आव्रजन नीतियों में उलझाए रखना चाहते हैं। लॉस एंजेलिस में हालात बेकाबू हैं। ट्रम्प के बारे में यही कहा जा रहा है, कि उनका व्यवहार तानाशाहों वाला हो चुका है। ट्रम्प के जीवनी लेखक टिम ओ ब्रायन ने कहा, 'बदला वह ऑक्सीजन है, जो उन्हें बचाए रखती है।' और उन्होंने अपने इर्द-गिर्द ऐसे छोटे-मोटे लोगों को रखा है जो उनकी खूब चापलूसी करते हैं। मसखरे जैसे दिखने वाले लोग कैबिनेट बैठकों में उनका शौर्य बखान करते हैं। फेडरल कम्युनिकेशंस कमीशन के चेयरमैन ब्रेंडन कैर ने तो अपने कॉलर पर सुनहरे रंग का ट्रंप का सिर भी लटका रखा है। ठीक वैसे ही जैसे माओवादी करते थे। अराजकता के सम्राट ट्रंप का जब टैरिफ युद्ध से ध्यान हटता है, वो आप्रवासियों को भगाने की मुहिम में लग जाते हैं। अमेरिका को ग़ौर से देखें तो यह देश आबाद ही हुआ बाहर से आये लोगों से। राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी द्वारा लिखी गई एक पुस्तक का शीर्षक ही है, 'ए नेशन ऑफ़ इमिग्रेंट्स'। जब उन्होंने यह किताब लिखी, तब वो सीनेटर थे। इस पुस्तक में औपनिवेशिक अमेरिका से

लेकर अब तक के आप्रवासन का इतिहास, और अमेरिका में आप्रवासन कानून को उदार बनाने के प्रस्ताव शामिल हैं। 1965 से पहले, अमेरिकी आव्रजन कानून उत्तरी और पश्चिमी यूरोप के आप्रवासियों के हित में था, इनकी कोशिश थी, कि एशिया से आप्रवास को प्रतिबंधित किये रखें। 1965 के आव्रजन और राष्ट्रीयता अधिनियम ने एशिया और लैटिन अमेरिका से आप्रवास के दरवाज़े खोल दिए। वर्ष 1990 के आव्रजन अधिनियम ने कानूनी आव्रजन को और भी शिथिल किया, जिससे बाक़ी देशों के अनिवासियों को कानूनी रूप से अमेरिका में प्रवेश करने की अनुमति मिल गई। 34.7 करोड़ की आबादी वाले अमेरिका में विदेश से आये लोगों की संख्या, 2023 में उपलब्ध रिकॉर्ड के अनुसार, चार करोड़ 78 लाख तक पहुंच गई, जो 2022 के मुक़ाबले, 16 लाख अधिक है। यह 2000 के बाद से 20 से अधिक वर्षों में सबसे बड़ी जनसंख्या वृद्धि है। वर्ष 1970 में, अमेरिका में रहने वाले आप्रवासियों की संख्या आज की तुलना में लगभग पांचवां हिस्सा थी। 1965 में कांग्रेस द्वारा अमेरिकी आव्रजन कानूनों में बदलाव किए जाने के बाद इस जनसंख्या की वृद्धि में तेज़ी आई। ठीक से देखा जाये, तो ओरिजिनल अमेरिकी केवल दस फीसद हैं। आज अमेरिका में अनिवासी 1910 के बाद से सबसे ज़्यादा हैं, लेकिन 1890 के 14.8 फीसद रिकॉर्ड से कम मानकर चलिए। पीईडब्ल्यू रिसर्च सेंटर के आंकड़े बताते हैं, 'अमेरिका में मेक्सिको से आये आप्रवासी सबसे अधिक हैं। 2022 में यू.एस. में रहने वाले लगभग एक करोड़ छह लाख आप्रवासी वहीं पैदा हुए थे, जो टोटल यू.एस. आप्रवासियों का 23 प्रतिशत है। तीन साल पहले, अमेरिका में अनिवासियों का सबसे बड़ा समूह इंडो-अमेरिकन्स (6 प्रतिशत), चीनी (5 प्रतिशत), फिलीपीनी (4 प्रतिशत) और अल साल्वाडोर से आने वाले क्रमशः 3 फीसद बताये गए थे। लैटिन अमेरिका (27 प्रतिशत), जिसमें मेक्सिको शामिल नहीं है, लेकिन कैरिबियन (10 प्रतिशत), मध्य अमेरिका (9 प्रतिशत) और दक्षिण अमेरिका (9 प्रतिशत) शामिल हैं। यूरोप, कनाडा और अन्य उत्तरी अमेरिका 12 प्रतिशत, सब सहारा अफ्रीका के (5 प्रतिशत) और मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका (4 प्रतिशत) अनिवासी अमेरिका में बसते हैं।' ट्रंप प्रशासन, जिसने जनवरी 2025 में अवैध प्रवासियों को देश से बाहर निकालने के नाम पर वोट बटोरे, उसने बार -बार कसम खाई है, कि अमेरिका को 'अवैध प्रवासियों से मुक्त' कर दिया जाएगा। ट्रम्प की प्रवासन विरोधी नीतियों का दुष्प्रभाव यूरोप में पड़ने लगा है। फिलहाल लॉस एंजिल्स में नेशनल गार्ड की संख्या चार हजार हो गई है। इससे स्थानीय अधिकारियों और कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम की चिंता और बढ़ गई है। वैसे, यह पहला मौका है जब नेशनल गार्ड को गवर्नर की सहमति के बिना किसी राज्य में भेजा गया है।

कुछ अलग

मन बावरा माने ना

मनोविज्ञान कहता है कि हमारा मन ऐसा बांवरा है कि वह हमारे खुद के साथ ही खेल खेल जाता है और हमें पता भी नहीं चलता। हमारे सामने कोई ऐसा काम हो जो बहुत कठिन हो, या हमें नापसंद हो, तो हमारा मन दस हजार तरह के बहाने बनाकर हमें भटका देता है। कठिन काम, या नापसंद काम हमारे सामने हो, करना जरूरी हो, उसे न करने पर नुकसान हो सकता हो, तो भी जब हम काम शुरू करने लगें तो मन में विचार आएगा कि हमारी दराज में बड़ा कूड़ा इक_ा हो गया है, कुछ ढूंढना हो तो ढूंढने में बहुत समय खराब हो जाता है, दस-पंद्रह मिनट लगेंगे, दराज साफ कर लें, फिर यह काम कर लेंगे, इस तरह एक पंथ दो काज हो जाएंगे, और हमने काम छोड़ कर दराज साफ करना शुरू कर दिया। दराज में सचमुच बहुत सी बेकार की चीजें जमा हो गई थीं, सफाई करने लगे तो खुद हैरान हो गए कि इतना कूड़ा इक_ा कर रखा है। सफाई पूरी करके बहुत खुश हुए कि 'एक अच्छा काम निपटा लिया', लेकिन उस सफाई में सारा दिन गुजार दिया। पता ही नहीं चला कि पूरा दिन कैसे बीत गया। 'अच्छा काम' तो किया, पर 'जरूरी काम' को छोड़ कर। ये है हमारे मन का खेल। मन को यूं ही बावरा नहीं कहते। अगर हम समझदारी से काम न लें तो ये बावरा मन मानता ही नहीं। मन के ये खेल हमारे जीवन के सभी हिस्सों में चलते रहते हैं और कई बार तो रिश्तों के भी आड़े आ जाते हैं। ऐसे ही एक मामले का जिक्र मेरी बात का बेहतर खुलासा करेगा। पति-पत्नी, निशा और राजेश, दोनों सरकारी नौकरी में उच्च पदों पर विराजमान हैं, अपने-अपने कार्यालय के मुखिया। दोनों बहुत पढ़े-लिखे, बहुत मिलनसार, बहुत सभ्य। पैसे की कमी नहीं, हर तरह की सुख-सुविधा से संपन्न घर। परिवार में पति-पत्नी के अलावा एक बेटा और एक बिटिया। भरा-पूरा परिवार, परमात्मा का दिया सब कुछ। जो देखे, वैसा ही परिवार चाहे। पर पति-पत्नी के रिश्ते में कशिश बिल्कुल नहीं। सब कुछ औपचारिक-सा। दोनों को लगता था मानो किसी जानकार से, या किसी पड़ोसी से बात कर रहे हैं, पति-पत्नी वाला खिंचाव, लगाव या आकर्षण नदारद। यहां तक कि वैवाहिक जीवन के सर्वाधिक आवश्यक काम के समय भी सब कुछ इतना औपचारिक कि मिलन के बाद भी मन में संतुष्टि नहीं, आनंद नहीं। अच्छी बात सिर्फ यह रही कि पति-पत्नी में से किसी का कोई अफेयर नहीं। आखिर दोनों ने एक मैरिज काउंसलर के पास जाने का फैसला किया। संयोग ये रहा कि मैरिज काउंसलर मेरे मित्र हैं, मेरे काम के बारे में जानते हैं, सो उन्होंने ही निशा और राजेश को मेरे पास भेजा। दोनों से दो-दो बार अलग-अलग और एक साथ की मीटिंग के बाद मैंने हीलिंग शुरू की।

दृष्टि कोण

युवाओं को नशे का गुलाम बनाने की साजिश

नेशनल ड्रग डिपेंडेंट ट्रीटमेंट की एक रिपोर्ट देखें तो देश की कुल जनसंख्या के 10 से 75 साल तक की आयुवर्ग के लगभग 20 प्रतिशत लोग किसी न किसी प्रकार के नशे के अभ्यस्त हैं। महिलाएं भी इसमें अपवाद नहीं। आजकल कम उम्र के बच्चे भी इसकी चपेट में आने लगे हैं। अनिद्रा, अवसाद, तनाव आदि रोगों के उपचार में प्रयुक्त होने वाली अनेक दवाओं का प्रयोग नशे के रूप में होना गहन चिंता का विषय बन चुका है। 'ड्रग वॉर डिस्टॉर्शन और वर्डोमीटर' की एक रिपोर्ट के मुताबिक़, देश में अवैध दवाओं का धंधा बढ़कर लगभग 30 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है, जबकि नियमानुसार, भारत में ऐसी दवाओं का सेवन अथवा इन्हें चिकित्सक की पर्ची के बग़ैर बेचना दोनों ही कानूनन निषेध हैं। दरअसल, इस मुद्दे ने भारत में 'नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस' अधिनियम 1985 (एनडीपीएस), के बाद प्रमुखता हासिल की। कई भारतीय राज्य उपचारात्मक तथा निवारक उपायों के साथ-साथ नशीली दवाओं के उपयोग एवं दुरुपयोग के दुष्प्रभावों के ख़िलाफ़ जागरूकता फैलाकर इस समस्या का निराकरण करने की कोशिश में लगे हैं। हालांकि, सतही तौर पर देश में इस ख़तरे से निपटने के लिए शायद ही कोई कारग़र नीति संज्ञान में हो! कटु, लेकिन सत्य यही है कि नशीली दवाओं के दुरुपयोग से निपटने हेतु राज्य प्राधिकारियों तथा स्थानीय सरकारों की सीमित भूमिका से भारत में मादक पदार्थों के उपयोग में कमी नहीं आ पाई। नशों के प्रति बढ़ते रुझान में विविध कारक ज़िम्मेदार रहते हैं, जैसे- तनाव, अकेलापन, असफलता आदि। रिश्तों से जुड़ी समस्यायों, निर्धनता, बेरोज़ग़ारी, शैक्षिक

तथा मनोरंजक संसाधनों तक सीमित पहुंच के चलते भी मादक द्रव्यों के सेवन की संभावना बढ़ जाती है क्योंकि कुछ लोग इनसे बचने अथवा निपटने के लिए नशीली दवाओं का सहारा लेने लगते हैं। नशे में संलिप्त किसी पारिवारिक सदस्य की देखा-देखी, सोशल मीडिया, फ़िल्मों अथवा कुसंगति के प्रभाव में भी नशीली दवाओं का सेवन आम देखा गया। युवाओं में साइकोट्रॉपिक ड्रग्स का चलन बढ़ने में प्रमुख कारण है, मूल्य में कम होने के साथ इनका सहज ही उपलब्ध हो जाना। हालांकि ये दवाएं बिना डॉक्टर की पर्ची के बेचने-ख़रीदने की सख़्त मनाही है, बावजूद इसके अवैध ढंग से बिकने वाली इन दवाओं का नशे के तौर पर इस्तेमाल आजकल व्यापक स्तर पर होने लगा है। मेडिकल विशेषज्ञों के अनुसार, इन नशे की दवाओं का अनुचित उपयोग करने से मानसिक अवस्था पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। हेरोइन व अन्य किस्म के नशों का सेवन करने वाले व्यक्ति अक्सर इन ड्रग्स के आदी पाए जाते हैं। दवा का इस्तेमाल बेशक दर्दनाक भावनाओं जैसे- चिंता, अवसाद, एकाकीपन आदि से निपटने के नाम पर किया जाता है लेकिन नशे के रूप में बेलगाम आदत, वास्तव में समस्यायों को बद से बदतर बना छोड़ती है। नशीली दवाएं ग्रहण करने की लत न केवल व्यसनी का शारीरिक-मानसिक-बौद्धिक स्वास्थ्य बिगाड़ती हैं अपितु पारिवारिक सदस्यों की सामाजिक व आर्थिक क्षमताओं के दृष्टिगत भी प्रतिकूलताएं ही लेकर आती हैं। समूचे समाज तथा सरकार पर अवांछित वित्तीय बोझ बढ़ने लगता है, जिससे शासन-कानून-व्यवस्था एवं स्वास्थ्य सेवा प्रणाली, सभी प्रभावित होते हैं। संविधान के अनुच्छेद 47 में सार्वजनिक स्वास्थ्य में सुधार और हानिकारक पदार्थों के निषेध का आह्वान किया गया है। हानिकारक दवाओं का ख़तरा सामाजिक-सांस्कृतिक तथा राजनीतिक-आर्थिक व्यवस्था में गहरी जड़ें जमाए बैठी विकृतियों की अभिव्यक्ति है, अतः इसका समाधान प्रणालीगत, बहुआयामी होना चाहिए। समस्या का निपटान प्रभावशाली ढंग से हो सके, इसके लिए भारत को मज़बूत विनियमन, उन्नत कानून तथा राज्यों के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित करने की आवश्यकता है।

रूस ने बनाया नया प्लेटफॉर्म, वॉट्सएप और टेलीग्राम को देगा टक्कर

मास्को, 13 जून (एजेंसियां)।

एक देश वॉट्सएप और टेलीग्राम के यूज पर रोक लगाने जा रहा है। ये रूस है। रूस जल्द ही एक सरकारी मैसेजिंग ऐप लॉन्च करने वाला है, जिसका मकसद वॉट्सएप और टेलीग्राम और एलन मस्क के एक्सचैट जैसे वैश्विक दिग्गजों से मुकाबला करेगा। इस नए प्लेटफॉर्म का नाम वॉल्ट्स एप रखा है और इसे रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के निर्देशन में तैयार किया जा रहा है। ऐप को देश की निचली संसद ने मंजूरी दे दी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ऐप के बारे में कहा जा रहा है कि ये एक सुरक्षित ऑप्शन होगा और इससे एक साथ कई काम किए जा सकेंगे। डूमा की सूचना नीति समिति के प्रमुख का कहना है कि यह असुरक्षित विदेशी मैसेंजर की जगह लेगा और रूस की डिजिटल सुरक्षा संरचना में आखिरी बड़ी कमी को पूरा करेगा। मसौदा कानून निचली संसद से पास हो गया है, इसे ऊपरी संसद की मंजूरी और राष्ट्रपति पुतिन के हस्ताक्षर का इंतजार है।

रूस के डिजिटल विकास मंत्री के मुताबिक इस मैसेंजर को राज्य-नियंत्रित डिजिटल सेवाओं के साथ इंटिग्रेट करना टॉप प्रायोरिटी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि दूसरे देश इस तरह की संरचना बनाने में रूस से आगे हैं। वॉट्सएप और टेलीग्राम के विपरीत, वॉल्ट्स एप राज्य और नगरपालिका डेटाबेस से गहराई से जुड़ा होगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक यह पर्सनल जानकारी के हस्तांतरण, डिजिटल रूप से अनुबंधों पर हस्ताक्षर, वस्तुओं और सेवाओं के भुगतान और यहां तक कि शैक्षिक सेवाओं तक पहुंच की अनुमति देगा। खास बात ये है कि ये सुविधाएं केवल यूजर्स की सहमति से काम करेंगी, हालांकि गोपनीयता संबंधी चिंताएं हैं।

फिलहाल रूस के बाहर के उपयोगकर्ता वॉल्ट्स एप का इस्तेमाल नहीं कर सकेंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक रूसी सरकार देश में वॉट्सएप और टेलीग्राम को ब्लॉक कर सकती है, जिससे यहां रहने वालों को इस नए प्लेटफॉर्म पर स्विच करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। इससे रूस में ऑनलाइन संचार का तरीका बदल सकता है और अंतरराष्ट्रीय मैसेजिंग सेवाओं तक पहुंच सीमित हो जाएगी। रूस का एक संप्रभु डिजिटल इकोसिस्टम बनाने का प्रयास राज्य के नियंत्रण को बढ़ा सकता है, लेकिन यूजर्स की गोपनीयता और संचार की स्वतंत्रता पर सवाल खड़े करता है।

न्यूज ब्रीफ

अहमदाबाद विमान दुर्घटना पर नेपाल के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री ने जताया शोक

काठमांडू। नेपाल के राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल, प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और विदेश मंत्रालय ने अहमदाबाद विमान दुर्घटना पर दुख जताया है। राष्ट्रपति शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना प्रकट की है। प्रधानमंत्री ओली ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भेजे शोक संदेश में अहमदाबाद विमान दुर्घटना पर दुख प्रकट किया है। ओली ने नरेन्द्र मोदी और भारत के लोगों के प्रति संवेदनाएं प्रकट की है। ओली ने लिखा है कि इस विनाशकारी समय में हमारी संवेदनाएं पीड़ितों के परिवारों के साथ हैं। नेपाल के विदेश मंत्रालय ने भी बयान जारी करते हुए अहमदाबाद विमान दुर्घटना पर गहरा दुख प्रकट किया गया है।

इजराइल और ईरान में रहने वाले भारतीयों के लिए दूतावासों ने जारी की सलाह

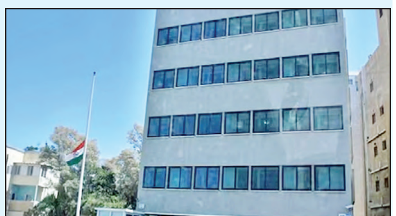

तेल अवीव/तेहरान। इजराइल और ईरान के बीच बढ़ रहे टकराव से दोनों देशों में स्थित भारतीय दूतावास के अधिकारियों ने भारतीय नागिरकों के लिए सलाह जारी की है। भारतीय नागरिकों से सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करने का आग्रह किया गया है। इजराइल में भारतीय दूतावास ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर आज सुबह इजराइल में रहने वाले भारतीय नागरिकों के लिए सलाह जारी की है। इसमें कहा गया है कि क्षेत्र में मौजूदा स्थिति को देखते हुए इजराइल में सभी भारतीय नागरिकों को सतर्क रहने और इजराइली अधिकारियों और होम फ्रंट कमांड के सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करने की सलाह दी जाती है। सभी सावधानी बरतने की गुजारिश भी की गई है। सलाह में कहा गया है कि देश के भीतर अनावश्यक यात्रा करने से बचें और सुरक्षा आश्रयों के करीब रहें। इससे पहले ईरान स्थित भारतीय दूतावास ने भी एक्स हैंडल पर ईरान में रहने वाले भारतीय नागरिकों के लिए सलाह जारी की। इसमें कहा गया, ईरान में मौजूदा स्थिति को देखते हुए ईरान में सभी भारतीय नागरिकों और भारतीय मूल के लोगों से अनुरोध है कि वे सतर्क रहें। अनावश्यक गतिविधियों से बचें। दूतावास के सोशल मीडिया अकाउंट को फॉलो करें और स्थानीय अधिकारियों के सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करें। उल्लेखनीय है कि इजराइल की सेना ने ईरान के परमाणु ठिकानों को नष्ट करने के साथ कई सैन्य अफसरों और वैज्ञानिकों को मार गिराया है। इस पर इस्लामी क्रांति के नेता अयातुल्ला सैय्यद अली खामेनेई ने शुक्रवार सुबह संदेश में तीखी प्रतिक्रिया दी । उन्होंने कहा कि ईरानी प्रतिशोध सहने के लिए इजराइल तैयार हो जाए।

इजराइल : हाइफा में युद्ध विरोधी प्रदर्शन पर कार्रवाई, तीन प्रदर्शनकारी गिरफ्तार

हाइफा। इजराइल के हाइफा शहर में गुरुवार को हुए एक युद्ध विरोधी प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने तीन प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का कहना है कि यह प्रदर्शन गैरकानूनी था और इससे सार्वजनिक शांति भंग होने की आशंका थी। इजराइली पुलिस द्वारा जारी आधिकारिक बयान में कहा गया कि प्रदर्शनकारियों ने बेन गुरियन स्ट्रीट पर इकट्ठा होकर गाजा युद्ध में इजराइल की कार्रवाईयों की निंदा करते हुए नारे लगाए और पोस्टर लहराए, जिससे जनता की शांति भंग हो सकती थी। पुलिस के अनुसार, प्रदर्शनकारियों ने मौके पर मौजूद अधिकारियों के निर्देशों की अवहेलना की। बयान में कहा गया, इजराइली पुलिस लोकतांत्रिक राज्य की बुनियादी विशेषता के रूप में प्रदर्शन के अधिकार को मान्यता देती है, लेकिन यह अधिकार तभी तक मान्य है जब तक वह कानून के दायरे में हो। पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया कि हम किसी भी प्रकार के असामाजिक व्यवहार, सार्वजनिक मार्ग में बाधा, या ऐसी किसी भी गतिविधि की अनुमति नहीं देंगे जो जनता की सुरक्षा और शांति के लिए खतरा बने। प्रदर्शनकारियों की पहचान अभी सार्वजनिक नहीं की गई है और इस बात की पुष्टि नहीं हुई है कि उन्हें कब तक हिरासत में रखा जाएगा।

दक्षिण अफ्रीका में बाढ़ से अब तक 78 मौतें प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करेंगे राष्ट्रपति रामाफोसा

केप टाउन (दक्षिण अफ्रीका), 13 जून (एजेंसियां)।

दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा शुक्रवार को देश के दक्षिण-पूर्वी क्षेत्र के उन इलाकों का दौरा करेंगे, जहां हाल की विनाशकारी बाढ़ में अब तक 78 लोगों की मौत हो चुकी है। राहत और बचाव कार्य चौथे दिन भी जारी है। अधिकारियों का कहना है कि मृतकों की संख्या और अधिक बढ़ सकती है। राष्ट्रपति रामाफोसा पूर्वी केप प्रांत के म्थाथा शहर जाएंगे, जहां मंगलवार की सुबह बाढ़ ने सबसे अधिक नुकसान पहुंचाया। रामाफोसा की यह यात्रा उस समय हो रही है, जब आपदा के शुरुआत में प्रशासन की प्रतिक्रिया को लेकर आलोचना हो रही है। अत्यधिक खराब मौसम को आपदा का कारण माना जा रहा है। तीव्र बारिश, तेज हवाएं और कुछ इलाकों में बर्फबारी भी हुई। मौसम विभाग ने पिछले हफ्ते ही खराम मौसम की चेतावनी दी थी।

प्रांतीय सरकार के प्रमुख ने बताया कि बाढ़ आने के बाद शुरुआती कुछ घंटों में राहत कार्य लगभग रुक गया था क्योंकि वहां विशेष बचाव दल, गोताखोर और खोजी कुत्तों वाली टीम जैसे पर्याप्त संसाधन नहीं थे। पूर्वी केप प्रांत देश के सबसे गरीब इलाकों में से एक है। पूर्वी केप प्रांत के प्रमुख ऑस्कर माबुयाने ने बताया कि इस 72 लाख की आबादी वाले प्रदेश में केवल एक ही बचाव हेलीकॉप्टर है, जो भी 500 किलोमीटर दूर एक अन्य शहर से लाया गया।

बाढ़ सुबह के समय आई, जब अधिकांश लोग सो रहे थे। कई लोग बाढ़ में बह गए और उनके घर व सामान भी बह गए। अधिकारियों ने कहा कि जैसे-जैसे खोज जारी है, और शव मिल सकते हैं क्योंकि बचावकर्मी बाढ़ के पानी और तबाह हुए घरों की जांच कर रहे हैं। मरने वालों में कई बच्चे भी शामिल हैं। म्थाथा की एक निवासी जिनाथी वुसो ने कहा, मुझे मानसिक तौर मदद की जरूरत है, क्योंकि मैंने अपने सामने लोगों को मरते देखा। वे टिन की चादरों और मलबे के साथ पानी के साथ बह गए। उन्होंने बताया कि कुछ लोग किसी चीज को पकड़ने या चढ़ने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन वह टूट गई और वे भी मर गए। इसीलिए अभी भी शव मिल रहे हैं और कुछ लोग अब भी लापता हैं। संघीय सरकार की ओर से भेजी गई टीम का नेतृत्व कर रहे सहकारी शासन और पारंपरिक मामलों के मंत्री वेलेंकोसिनी हलबीसा ने गुरुवार देर रात राष्ट्रीय प्रसारक 'एसएबीसी'से कहा कि प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे लापता व्यक्तियों की सूचना दें, ताकि बचाव दल को पता चल सके कि उनके कितने और लोगों की तलाश करनी है। हलबीसा ने कहा, हम एक संकट में हैं। एक वास्तव में एक आपदा है। जैसे-जैसे पानी कम होगा, और लोग मिलेंगे।

अमेरिका में चोरी किए गए आईफोन, खुद दे रहे चेतावनी..... कृपया फोन एपल स्टोर में वापस करें

लॉस एंजिलिस, 13 जून (एजेंसियां)।

अमेरिका के लॉस एंजिलिस में हाल ही में हुई हिंसक झड़पों और दंगों के दौरान उपद्रवियों ने एपल स्टोर से बड़ी संख्या में आईफोन चोरी किए। लेकिन अब ये आईफोन खुद से चेतावनी दे रहे हैं। दरअसल चोरी किए गए फोन की स्क्रीन पर लिखा आ रहा है कृपया फोन एपल स्टोर में वापस करें। यह डिवाइस लॉक कर की गई हैं, और ट्रैक हो रही है। स्थानीय पुलिस को सूचित किया गया है यह घटना लॉस एंजेलिस के डाउनटाउन इलाके में हुई। जहां अप्रवासियों पर हो रही कार्रवाई के खिलाफ प्रदर्शन शुरू हुआ था। लेकिन कुछ ही घंटों में प्रदर्शन हिंसक हुआ दुकानों में तोड़फोड़ और लूटपाट शुरू हो गई।

एपल ने पहले से ही अपने स्टोर्स में रखे डेमो आईफोन में खास सॉफ्टवेयर इंस्टॉल कर रखा है। ये सॉफ्टवेयर फोन चोरी होते ही लॉक कर देता है, ट्रैक करने लगता है और एक चेतावनी संदेश दिखाता है। रिपोर्ट के मुताबिक, एपल ने यह सुरक्षा फीचर सिर्फ स्टोर में रखे डेमो फोनों के लिए बनाया है। यह फीचर आम ग्राहकों के फोन में नहीं होता है। एपल तकनीक को सालों से इस्तेमाल कर रहा है ताकि स्टोर से चोरी रोकी जा सके।

जैसे ही कोई डेमो फोन स्टोर से बाहर ले जाया जाता है, वह खुद-ब-खुद लॉक हो जाता है और ट्रैकिंग चालू हो जाती है। सोशल मीडिया पर इन फोन्स की चोरी से जुड़े कई वीडियो वायरल हैं। इनमें कुछ लोगों ने एपल स्टोर से फोन चुराए, लेकिन फोन चालू करते ही स्क्रीन पर चेतावनी दिखने लगी और फोन काम करना बंद कर गया।

खाने को नहीं दाने, मिंया चले फाइटर खरीदने

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की आर्थिक बदहाली के बीच देश ने अपने रक्षा खर्च को बढ़ाकर चीन से अत्याधुनिक फिफ्थ जनरेशन स्टील्थ फाइटर जे-35ए की खरीद की दिशा में कदम बढ़ा दिए हैं। दरअसल पाकिस्तान ने अपने रक्षा बजट में 20 प्रतिशत की वृद्धि की है, इसके तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 2,550 अरब रुपये (लगभग 9 अरब डॉलर) आवंटित किए हैं। इस वृद्धि का प्रमुख कारण चीन से 40 अत्याधुनिक जे-35ए स्टील्थ फाइटर जेट्स की खरीद का प्रस्ताव है। सूत्रों के हवाले से लिखा, पाकिस्तान चीन से 40 जे-35ए स्टील्थ लड़ाकू विमान खरीदने पर बातचीत कर रहा है और अगस्त से इनकी डिलीवरी शुरू हो सकती है।

अभिनेत्री करिश्मा के पूर्व पति संजय कपूर का निधन

लंदन। भारतीय अभिनेत्री करिश्मा कपूर के पूर्व पति और मशहूर व्यवसायी संजय कपूर का गुरुवार को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। 53 वर्षीय संजय कपूर पोलो खेलते समय अचानक बेहोश हो गए थे। अभिनेता सुहेल सेठ ने संजय कपूर के निधन की सूचना एक्स हैंडल पर साझा की। सुहेल ने एक्स पर लिखा, ' संजय कपूर के निधन पर बहुत दुख हुआ। आज सुबह इंग्लैंड में उनका निधन हो गया। यह एक बहुत बड़ी क्षति है और उनके परिवार और उनके सहकर्मियों के प्रति गहरी संवेदनाएं। ओम शांति। वर्ष 2003 में 29 सितंबर को दोनों ने मुंबई में अभिनेत्री के पैतृक घर कृष्णा राज बंगले में धूमधाम से शादी की थी। संजय और करिश्मा के दो बच्चे हैं -बेटी समायरा और बेटा कियान। 2014 में इस जोड़े ने आपसी सहमति से तलाक के लिए अर्जी दाखिल की। 2016 में इस जोड़े का तलाक हो गया। इसके बाद संजय ने प्रिया सचदेव से शादी की। संजय कपूर और प्रिया सचदेव का सात साल का बेटा अजारियस है।

बदल गई युद्ध की परिभाषा, अब जमीन पर नहीं आसमान में होती है लड़ाई

मास्को, 13 जून (एजेंसियां)।

अब युद्ध की परिभाषा बदल चुकी है। आज की लड़ाई आसमान में, ड्रोन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक के दम पर लड़ी जा रही है। ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय वायुसेना ने साफ कर दिया है कि भविष्य में जीत उसकी होगी, जिनके पास हवा में वार करने की बेहतर तकनीक होगी। ऐसा ही एक उदाहरण यूक्रेन और रूस के बीच चल रहे संघर्ष में देखने को मिला, जहां दोनों देश अब हाईटेक ड्रोन और एआई आधारित हथियारों से एक-दूसरे पर हमला कर रहे हैं। यूक्रेन के ऑपरेशन स्पाइडर वेब ने रूस को भारी नुकसान पहुंचाया, जिसके बाद रूस ने भी अपने तकनीकी शस्त्रागार को और मजबूत करना शुरू कर दिया। इसी कड़ी में उसने हाल ही में एक नया एआई ड्रोन वी2यू तैनात किया है। इस ड्रोन की खासियत यह है कि इसे टारगेट बताने की ज़रूरत नहीं, यह अपने लक्ष्य की पहचान खुद करता है और उस पर हमला करता है। यूक्रेन की खुफिया एजेंसी के मुताबिक वी2यू में एक चीनी लीटॉप ए203 मिनी पीसी लगा है जो एनवीआईडीआईए की जेटसन ऑरिन

चिप पर आधारित है। इस ड्रोन में लगे ज्यादातर पार्ट्स चीन से मंगाए गए हैं। ड्रोन में लाइव कैमरा तकनीक लगी है, जो जमीन की तस्वीरों को पहले से स्टोर की गई इमेज से मिलाकर टारगेट की पहचान करता है। जब तस्वीरें मेल खा जाती हैं, तो वह अपने आप हमला कर देता है। यूक्रेन का कहना है कि रूस अब हर महीने करीब 5,000 लंबी दूरी के ड्रोन बना रहा है, जबकि अगस्त 2024 में यह संख्या महज 500 थी।

यूक्रेन का दावा है कि रूस के पास अभी भी बड़े स्तर पर ड्रोन निर्माण की स्वदेशी क्षमता नहीं है। उसके ड्रोन के 80 फीसदी से ज्यादा पुर्जे चीन से आयात किए जाते हैं। यूक्रेन के मुताबिक रूस का पूरा ड्रोन कार्यक्रम चीन की सप्लाई पर निर्भर है और चीन अमेरिका के प्रतिबंधों के बावजूद रूस को मिलिट्री ग्रेड टेक्नोलॉजी दे रहा है।

ज़्यादा या कम पानी पीना, सेहत के लिए हानिकारक

लंदन, 13 जून (एजेंसियां)।

क्या आप जानते हैं कि उम्र के अनुसार हर व्यक्ति को पानी की ज़रूरत अलग-अलग होती है ज़रूरत से ज़्यादा या कम पानी पीना, दोनों ही सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, जब व्यक्ति जरूरत से कम पानी पीता है, तो उसके शरीर में डिहाइड्रेशन की स्थिति उत्पन्न हो सकती है, जिससे सिरदर्द, थकान, भ्रम, कब्ज, एकाग्रता की कमी और मूत्र मार्ग संक्रमण जैसी समस्याएं जन्म ले सकती हैं। इसलिए पानी की सही मात्रा जानना और उसका पालन करना बेहद जरूरी है। विशेषज्ञ डॉ. जोनाथन वेबस्टर के अनुसार, बच्चों, किशोरों, वयस्कों और बुजुर्गों की हाइड्रेशन की ज़रूरतें अलग होती हैं। 4 से 8 साल के बच्चों को प्रतिदिन लगभग 1.2 लीटर पानी पीना चाहिए। इस उम्र में बच्चों का शरीर विकास की प्रक्रिया में होता है और उन्हें अधिक हाइड्रेशन की आवश्यकता होती है।

किशोर अवस्था में लड़कों को लगभग 1.6 से 1.9 लीटर और लड़कियों को 1.5 लीटर पानी पीने की सलाह दी जाती है, क्योंकि इस समय हार्मोनल बदलाव और शारीरिक गतिविधियां अधिक होती हैं। वयस्कों की बात करें तो 60 वर्ष से कम उम्र के पुरुषों को प्रतिदिन लगभग दो लीटर और महिलाओं को 1.6 लीटर पानी पीना चाहिए। वहीं, 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों के लिए 1.5 से 2 लीटर पानी रोजाना जरूरी होता है, क्योंकि उम्र के साथ प्यास लगने की क्षमता कम हो जाती है और डिहाइड्रेशन का खतरा बढ़ जाता है।

10 लाख लोगों की मौत का कारण बनता है 'गोल्डन स्टैफ'

मेलबर्न। स्टैफिलोकोकस ऑरियस बैक्टीरिया, जिसे 'गोल्डन स्टैफ' भी कहा जाता है, हर साल यह बैक्टीरिया करीब 10 लाख लोगों की मौत का कारण बनता है। इस वैश्विक संकट से निपटने के लिए मेलबर्न के पीटर डोहर्टी इंस्टीट्यूट फॉर इंफेक्शन एंड इम्युनिटी के वैज्ञानिकों ने एक बेहद अहम तकनीक विकसित की है, जिसका नाम है 'रियल टाइम जीनोम सीक्वेंसिंग'। यह तकनीक मरीज के शरीर में मौजूद बैक्टीरिया के डीएनए को जीवित अवस्था में ट्रैक करने में सक्षम है, जिससे डॉक्टर यह जान सकते हैं कि कौन-सी दवाएं कारगर होंगी और कौन-सी बेअसर। अब तक जो पारंपरिक टेस्ट होते थे, वे यह तो बताते थे कि शरीर में कौन-सा बैक्टीरिया है, लेकिन वे यह नहीं बता पाते थे कि वह कितना खतरनाक है या किस दवा से वह बच सकता है। नई तकनीक इन कमियों को दूर करती है। इससे डॉक्टर संक्रमण के म्यूटेशन को तुरंत पकड़ सकते हैं और इलाज को उसी के अनुसार बदल सकते हैं। हाल ही में इस तकनीक को मेलबर्न के सात अस्पतालों में करीब 100 मरीजों पर आजमाया गया। जिन मरीजों को स्टैफिलोकोकस ऑरियस का संक्रमण था, उनमें से एक-तिहाई में बैक्टीरिया ने इलाज के दौरान ही म्यूटेशन कर लिया, जिससे दवाएं बेअसर हो गईं। एक मरीज में तो संक्रमण दो महीने तक दबा रहा, लेकिन दवा बंद करते ही बैक्टीरिया 80 गुना ज्यादा ताकतवर होकर लौटा। हालांकि, रियल टाइम जीनोम सीक्वेंसिंग की मदद से समय रहते इलाज बदला गया और मरीज को बचा लिया गया। इस नई सफलता के बाद विक्टोरियन अस्पताल जल्द ही दुनिया की पहली क्लिनिकल जीनोमिक सेवा शुरू करने जा रहे हैं, जहां इस तकनीक का इस्तेमाल गंभीर और दवा-प्रतिरोधी संक्रमणों के इलाज में किया जाएगा।

पेट्रोल-डीजल यूपी के गौतम बुद्ध नगर और बिहार में हुआ सस्ता

नई दिल्ली, 13 जून (एजेंसियां) ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों ने आग पकड़ ली है। मध्यपूर्व के इलाकों में बढ़ रहे तनाव की वजह से ओपेक ने क्रूड की कीमतों में तगड़ा उछाल किया। ब्रेंट क्रूड 2 दिनों में ही करीब 10 डॉलर महंगा होकर 75 डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुंच गया है। इस बीच सरकारी तेल कंपनियों की ओर से शुक्रवार सुबह जारी पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों में भी उछाल दिख रहा। शुक्रवार को कई शहरों में तेल महंगा हुआ तो कुछ जगह कीमतों में कटौती की गई है। हालांकि, दिल्ली-मुंबई जैसे देश के चारों महानगरों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। सरकारी तेल

ब्रेंट क्रूड 2 दिनों में ही 10 डॉलर महंगा हुआ

कंपनियों के अनुसार यूपी के गौतम बुद्ध नगर जिले में पेट्रोल 22 पैसे सस्ता होकर 94.52 रुपये लीटर बिक रहा है। डीजल भी 34 पैसे गिरा और 87.55 रुपये लीटर पहुंच गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 12 पैसे चढ़कर 94.82 रुपये और डीजल 15 पैसे महंगा होकर 87.97 रुपये लीटर हो गया है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 20 पैसे गिरावट के साथ 105.21 रुपये लीटर हो गया तो डीजल 18 पैसे गिरकर 91.48 रुपये लीटर बिक रहा है।

गोयल ने स्वीडन के उद्यमियों के साथ व्यापार, निवेश पर की बातचीत

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने स्टॉकहोम की अपनी दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा के पहले दिन स्वीडन सरकार के वरिष्ठ सदस्यों और उद्योग जगत की हस्तियों के साथ बैठकों में द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों का विस्तार करने, व्यापार और निवेश प्रवाह को बढ़ाने और उभरते क्षेत्रों में सहयोग के नये रास्ते निकालने के बारे में चर्चा की। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की एक विज्ञप्ति में कहा कि गोयल ने स्वीडन के अंतरराष्ट्रीय विकास सहयोग और विदेश व्यापार मंत्री बेंजामिन डौसा और विदेश व्यापार के राज्य सचिव महामहिम हाकन जेवरेल से मुलाकात की।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान की 'रेको दिक' परियोजना के लिए 70 करोड़ डॉलर के ऋण मंजूर

इस्लामाबाद। अंतरराष्ट्रीय वित्त निगम (आईएफसी) और विश्व बैंक ने पाकिस्तान की प्रमुख खनन एवं संसाधन विकास योजना के लिए 70 करोड़ अमेरिकी डॉलर के रियायती ऋण को मंजूरी दी है। 'रेको दिक' परियोजना को बलूचिस्तान प्रांत में अंजाम दिया जाएगा जिसे देश के खनिज समृद्ध क्षेत्र के रूप में जाना जाता है। एक खबर के अनुसार ऋणदाताओं द्वारा यह मंजूरी पाकिस्तान के लिए एक महत्वपूर्ण जीत मानी जा रही है। इस मंजूरी के परिणामस्वरूप निजी क्षेत्र से पाकिस्तान को अपनी सबसे महत्वपूर्ण पहल में से एक 'रेको दिक' परियोजना में 2.5 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश मिलने की उम्मीद है। इस परियोजना के देश के संसाधन विकास क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की उम्मीद है। बैरिक गोल्ड, पाकिस्तान तथा बलूचिस्तान सरकार के पास संयुक्त रूप से इस परियोजना का स्वामित्व है। इस खदान से 2028 में उत्पादन शुरू होने की उम्मीद है ।

टाटा को पछाड़कर हुंडई फिर तीसरे स्थान पर

नई दिल्ली। स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स को बहुत ही मामूली अंतर से पीछे छोड़ते हुए हुंडई मोटर इंडिया ने एक बार फिर तीसरा स्थान प्राप्त किया है। हुंडई की घरेलू बिक्री टाटा से केवल 2,304 यूनिट अधिक रही, लेकिन इस मामूली फासले ने बाजार की रैंकिंग बदल दी। वहीं, महिंद्रा ने 52,431 यूनिट्स की घरेलू बिक्री के साथ 21.3 प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर्ज करते हुए दूसरी सबसे बड़ी पैसेंजर वाहन निर्माता कंपनी का तमगा हासिल किया। महिंद्रा की यह उपलब्धि इसके मजबूत एसयूवी पोर्टफोलियो का नतीजा है, जिसमें एक्सयूवी 700 और स्कारपियो-एन जैसी गाड़ियां शामिल हैं। वहीं, मारुति सुजुकी ने 1,35,962 यूनिट्स के साथ शीर्ष स्थान कायम रखा, हालांकि इसमें 5.6प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। छोटे कारों की डिमांड में आई कमी ने उसकी कुल बिक्री को प्रभावित किया। टाटा मोटर्स की मई में घरेलू बिक्री 41,557 यूनिट्स रही, जो पिछले साल के मुकाबले 11प्रतिशत कम है। हालांकि इलेक्ट्रिक व्हीकल सेगमेंट में कंपनी ने 2प्रतिशत की बढ़त के साथ 5,685 यूनिट्स की बिक्री की। वहीं, टोयोटा ने 29,280 यूनिट्स के साथ 22.2प्रतिशत की ग्रोथ हासिल की, जिसमें 10,168 यूनिट्स मारुति से रीबैज किए गए मॉडल्स थे। किआ ने 22,375 यूनिट्स की बिक्री कर 14.4प्रतिशत की बढ़त दर्ज की। स्कोडा ने 133.7 प्रतिशत की रिकॉर्ड वृद्धि के साथ 6,740 यूनिट्स बेचे। दूसरी ओर, निसान, रेनो, सिट्रोएन और जीप जैसे ब्रांड्स की बिक्री में भारी गिरावट देखने को मिली।

टीवीएस नया इलेक्ट्रिक स्कूटर उतारने की तैयारी में

नई दिल्ली। टीवीएस मोटर जल्द ही एक नया इलेक्ट्रिक स्कूटर बाजार में उतारने की तैयारी कर रही है। यह नया स्कूटर कंपनी के लोकप्रिय मॉडल जुपिटर का इलेक्ट्रिक वर्जन हो सकता है, जिसे जुपिटर ईवी नाम दिया जा सकता है। वर्तमान में टीवीएस के पास आईक्यूब जैसे सफल इलेक्ट्रिक स्कूटर उपलब्ध हैं, जिनके कई ट्रिम्स को ग्राहकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। यही वजह है कि कंपनी अब अपनी ईवी रेंज को और मजबूत करने पर जोर दे रही है। कंपनी पहले से ही प्रीमियम सेगमेंट के लिए टीवीएस एक्स नामक इलेक्ट्रिक स्कूटर पेश कर चुकी है, जिसकी कीमत करीब 2.50 लाख रुपये है। हालांकि इसकी ऊंची कीमत और सीमित उपलब्धता के चलते इसकी बिक्री अपेक्षा के अनुरूप नहीं हो पाई है। ऐसे में टीवीएस एक ऐसे स्कूटर की तलाश में है जो आम ग्राहकों की जरूरतों को पूरा कर सके और बजट फ्रेंडली हो। जुपिटर ब्रांड का इलेक्ट्रिक वर्जन इस मामले में कंपनी के लिए एक अहम कदम हो सकता है, क्योंकि यह एक भरोसेमंद नाम है और ग्राहकों के बीच पहले से ही लोकप्रिय है। अगर यह स्कूटर लॉन्च होता है, तो इसकी टक्कर बजाज चेतक और ओला एस1एक्स जैसे इलेक्ट्रिक स्कूटरों से होगी।

केंद्र ने ईवी, हरित ऊर्जा क्षेत्रों के युवाओं को कौशल प्रदान करने के लिए शेल इंडिया के साथ हाथ मिलाया

नई दिल्ली, 13 जून (एजेंसियां) ।

केंद्र सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) और हरित ऊर्जा क्षेत्रों के युवाओं के कौशल विकास के लिए शेल इंडिया के साथ हाथ मिलाया है। इस साझेदारी के तहत देश के चुनिंदा आईटीआई और एनएसटीआई में छात्रों को हरित कौशल और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए इलेक्ट्रिक वाहन कौशल प्रयोगशालाएं स्थापित की जाएंगी।

कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि एमएसडीई के तहत प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजीटी) ने एक प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करने के लिए शेल इंडिया के साथ हाथ मिलाया है, जो युवाओं को इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) और हरित ऊर्जा क्षेत्रों के लिए कौशल प्रदान करेगा। यह कार्यक्रम शेल के कार्यान्वयन साझेदार एडुनेट फाउंडेशन द्वारा 5 राज्यों में क्रियान्वित किया जाएगा। इसके जरिए हजारों छात्रों को इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और नवीकरणीय ऊर्जा में उद्योग-तैयार कौशल प्रदान किए जाएंगे।

इस अवसर पर केंद्रीय एमएसडीई और शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी ने कहा कि शेल इंडिया के साथ हमारा सहयोग कौशल को स्थिरता के साथ जोड़ने की सरकार की गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हरित ऊर्जा, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और व्यापक जलवायु परिवर्तन केवल पर्यावरणीय अनिवार्यताएं नहीं हैं। वे भारत के लिए नवाचार, प्रतिभा और उद्यम के माध्यम से नेतृत्व करने के लिए एक पीढ़ीगत अवसर का प्रतिनिधित्व करते हैं।

मंत्रालय के अनुसार ग्रीन स्किल्स और ईवी प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों और शिक्षकों को हरित ऊर्जा और ई-मोबिलिटी में भविष्य के लिए तैयार क्षमताओं से लैस करना है। यह पहल ऐसे समय में की गई है जब सरकार अपनी नेट-जीरो महत्वाकांक्षाओं के अनुरूप हरित ऊर्जा और ईवी अपनाने को सक्रिय रूप से आगे बढ़ा रही है।

कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के प्रशिक्षण महानिदेशालय की महानिदेशक त्रिशालजीत सेठी ने कहा कि शेल इंडिया के साथ यह साझेदारी हमारे आईटीआई और एनएसटीआई में अत्याधुनिक प्रशिक्षण बुनियादी ढांचे और उद्योग-प्रासंगिक पाठ्यक्रम लाने की दिशा में एक केंद्रित पहल है। वहीं, भारत के हरित अर्थव्यवस्था दृष्टिकोण के अनुरूप यह पहल तेजी से विकसित हो रहे ऊर्जा क्षेत्र में प्रमाणन, नियोजन सहायता और हरित रोजगारों के लिए मार्ग प्रशस्त करेगी।

उल्लेनीय है कि इन राष्ट्रीय प्रयासों को पूरक बनाते हुए दिल्ली, महाराष्ट्र और तमिलनाडु जैसे राज्यों ने इलेक्ट्रिक मोबिलिटी में बदलाव को तेज़ करने, स्थानीय ईकोसिस्टम को बढ़ावा देने और हरित रोजगारों का सृजन करने के लिए अपनी स्वयं की ईवी नीतियां पेश की हैं। ये विकास हरित ऊर्जा और ईवी क्षेत्रों में कुशल कार्यबल की बढ़ती मांग को रेखांकित करते हैं।

हिमाचल सरकार करेगी आलू के लिए एमएसपी का ऐलान

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि किसानों की आर्थिकी मजबूत करने के लिए आलू का समर्थन मूल्य जल्द ही घोषित करेगी। दरअसल मुख्यमंत्री सुक्खू हाल ही में हिमाचल प्रदेश पुनरोद्धार वर्षा आधारित कृषि नेटवर्क द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय बहु-हितधारक परामर्श सम्मेलन की अध्यक्षता कर रहे थे। अपने उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हरित ऊर्जा और प्राकृतिक खेती को जोरदार तरीके से बढ़ावा दे रही है। प्राकृतिक खेती से उत्पादित फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य तय किया गया है और आने वाले वर्ष में इसमें और वृद्धि की जाएगी। प्राकृतिक खेती के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए आने वाले वर्ष में कई नई योजनाएं लागू की जाएंगी।

एयर इंडिया हादसे से बढ़ी बीमा कंपनियों की मुश्किलें

अहमदाबाद, 13 जून (एजेंसियां) ।

अहमदाबाद में हुए एयर इंडिया ड्रीमलाइनर विमान हादसे में हुए बड़े नुकसान के बाद, भारत के एविएशन सेक्टर को अब तक का सबसे बड़ा बीमा क्लेम देखने का मौका मिल सकता है। जानकारों के मुताबिक, हादसे में विमान की क्षति का मूल्य करीब 80 मिलियन डॉलर आंका जा रहा है, जिसे बीमा क्षेत्र में 'हल लॉस' कहा जा रहा है। इसके परिणामस्वरूप, बीमा कंपनियों को करीब 120 मिलियन डॉलर या उससे ज्यादा की भरपाई करनी पड़ सकती है।

देना पड़ सकता है 1000 करोड़ से ज्यादा के क्लेम

हादसे से जुड़े यात्रियों को मुआवजे में 30 से 50 मिलियन डॉलर तक का खर्च और जुड़ सकता है। यहां तक कि विमान में कई हाई-नेटवर्थ इंडिविजुअल्स सवार थे, जिनके दावे 100 मिलियन डॉलर तक हो सकते हैं।

इस हादसे से संबंधित बीमा पॉलिसी में टाटा एआईजी मुख्य बीमाकर्ता है, जबकि न्यू इंडिया एश्योरेंस, आईसीआईसीआई लोम्बार्ड, और जीआईसी रे जैसी कंपनियों ने भी हिस्सेदारी ली है। भारत में इससे पहले दो बड़े विमान हादसों में 2010 में मंगलूरु और 2020 में कोझीकोड कुल 60-70 मिलियन डॉलर का बीमा क्लेम हुआ था।

इस बार की क्षति इन दोनों से कहीं अधिक मानी जा रही है। भारतीय बीमाकर्ताओं ने जोखिम का केवल 10 फीसदी से भी कम हिस्सा अपने पास रखा है, अधिकांश जोखिम अंतरराष्ट्रीय रीइंश्योरेंस कंपनियों के पास है।

1 अगस्त से यूपीआई से जुड़े नियम बदलेंगे

1 अगस्त से यूपीआई से जुड़े नियम बदलने वाले हैं। ये बदलाव आमजन को प्रभावित करेंगे। खबरों के अनुसार, 1 अगस्त से आप केवल 50 बार ही अपने बैंक बैलेंस को यूपीआई एप से चेक कर सकेंगे। एक बड़ा बदलाव ये भी होने वाला है कि मोबाइल नंबर से जो बैंक अकाउंट लिंक है उसकी डिटेल 25 बार से अधिक नहीं देखी जा सकेगी। वहीं ऑटो पेमेंट को लेकर एक और बदलाव किया जाएगा। वहीं एसआईपी या नेटफ्लिक्स के सब्सक्रिप्शन पेमेंट को केवल नॉन पीक ऑवर्स में आप कर पाएंगे। इसे आपके पास सुबह 10 बजे से पहले करने का मौका होगा। वहीं दोपहर में 1 से 5 के बीच और रात के 9:30 बजे के बाद आपके पास इसका सब्सक्रिप्शन पेमेंट करने का मौका होगा।

एयर इंडिया विमान दुर्घटना के राहत कार्यों में हर संभव मदद करेगी रिलायंस : अंबानी

नई दिल्ली, 13 जून (एजेंसियां) ।

देश के दिग्गज उद्योगपति एवं रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने शुक्रवार को एयर इंडिया विमान दुर्घटना के पीड़ितों के लिए राहत कार्यों में पूर्ण सहयोग की पेशकश की। आरआईएल के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी बयान में कहा कि वह और उनकी पत्नी नीता अहमदाबाद में विमान हादसे में हुई जानमाल की हानि से अत्यंत दुखी एवं व्यथित हैं।

हम इस दुखद घटना से प्रभावित सभी लोगों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं। मुकेश अंबानी ने आगे लिखा है, ' 'दुख की इस घड़ी में, रिलायंस चल रहे राहत प्रयासों को अपना पूर्ण और अटूट समर्थन देता है तथा हर संभव तरीके से सहायता करने के लिए तैयार है। हम प्रार्थना करते हैं कि प्रभावित सभी लोगों को इस अकल्पनीय क्षति से उबरने की शक्ति और सांत्वना मिले। ओम शांति।

उल्लेखनीय है कि गुजरात के अहमदाबाद से लंदन जाने वाला एयर इंडिया का बोइंग 787-8 विमान गुरुवार को अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद एक मेडिकल कॉलेज परिसर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे विमान में सवार 242 लोगों में से 241 की मौत हो गई थी। एक यात्री जिंदा बचा है। एयर इंडिया के अनुसार इस विमान में 169 भारतीय, 53 ब्रिटिश नागरिक, सात पुर्तगाली नागरिक और एक कनाडाई नागरिक सवार थे, उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद विमान में आग लग गई।

मई 2025 में कुल 19.39 लाख टू-व्हीलर वाहन बिके

नई दिल्ली,13 जून (एजेंसियां) ।

भारत की दोपहिया वाहन इंडस्ट्री ने घरेलू और निर्यात बाजार में मिलाकर मई 2025 में कुल 19.39 लाख टू-व्हीलर वाहन बिके। दोपहिया वाहनों की यह बिक्री पिछले साल की तुलना में 5.5 प्रतिशत अधिक है। वहीं, अप्रैल 2025 की तुलना में 11.86प्रतिशत की मासिक बढ़ोतरी भी दर्ज की गई है। घरेलू बाजार में कुल 15.90 लाख यूनिट्स की बिक्री हुई, जिसमें सालाना 2.94प्रतिशत और मासिक 14.02प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

इस महीने हीरो ने 4.88 लाख यूनिट्स की बिक्री के साथ टॉप पोजिशन हासिल की, हालांकि इसकी ग्रोथ मामूली 1.99प्रतिशत रही। इसके उलट टीवीएस और सुजुकी ने बाजार में दमदार उपस्थिति दर्ज कराई। टीवीएस ने जहां 14.07प्रतिशत की सालाना बढ़त हासिल की, वहीं सुजुकी ने 17.11प्रतिशत की उछाल के साथ बाजार में अपनी पकड़ मजबूत की। रॉयल एनफील्ड ने भी 19.34प्रतिशत की सालाना वृद्धि के साथ शानदार प्रदर्शन किया। इसके मुकाबले होंडा की बिक्री में 7.4प्रतिशत की गिरावट देखी गई। निर्यात के मोर्चे पर भारत ने 3.49 लाख यूनिट्स भेजे, जो कि सालाना 18.98प्रतिशत की ग्रोथ है। इस सेगमेंट में बजाज ऑटो और टीवीएस ने लगभग बराबर प्रदर्शन किया, जबकि रॉयल एनफील्ड ने 81.96प्रतिशत की जबरदस्त छलांग लगाकर सबको चौंका दिया। कुल मिलाकर टीवीएस मोटर ने 15.73प्रतिशत की वृद्धि के साथ सबसे अच्छा प्रदर्शन किया, जबकि रॉयल एनफील्ड ने 25.94प्रतिशत की ग्रोथ के साथ खुद को एक वैश्विक ब्रांड के रूप में स्थापित किया।

बैंक ग्राहकों को केवायसी अपडेट के लिए भेजेगी नोटिस

मुंबई । आरबीआई ने बैंकों और वित्तीय संस्थानों को निर्देश जारी किए हैं कि वे ग्राहकों को समय-समय पर केवायसी अपडेट करने के लिए नोटिस भेजें। यह कदम ग्राहकों को बेहतर सुविधा देने और केवायसी प्रक्रिया को आसान और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है। बैंक और वित्तीय संस्थाएं अब केवायसी की समयअवधि से पहले कम से कम तीन अग्रिम सूचनाएं भेजेंगी। इनमें से एक सूचना अनिवार्य रूप से पत्र के माध्यम से होगी। यदि ग्राहक समय पर केवायसी अपडेट नहीं करते हैं, तो बैंक तीन अनुस्मरण नोटिस भी भेजेंगे— जिनमें से एक पत्र द्वारा होगा। इस नियम का प्रभाव उन खातों पर अधिक पड़ेगा जो: जनधन योजना स्कीम जैसे कार्यक्रमों के तहत खोले गए हैं और केवायी अपडेट लंबित है। बैंक इन सभी नोटिस और अनुस्मरण पत्रों का रिकॉर्ड रखेंगे, ताकि जरूरत पड़ने पर ऑडिटिंग में इनका इस्तेमाल हो सके।

थॉमस फ्रैंक बने टोटेनहम के नए हेड कोच, तीन साल के कॉन्ट्रैक्ट पर हुई नियुक्ति

लंदन, 13 जून (एजेंसियां)।

टोटेनहम हॉटस्पर फुटबॉल क्लब ने डेनमार्क के कोच थॉमस फ्रैंक को अपना नया हेड कोच नियुक्त किया है। गुरुवार को क्लब ने घोषणा की कि फ्रैंक ने तीन साल का अनुबंध साइन किया है, जो 2028 तक चलेगा।

51 वर्षीय थॉमस फ्रैंक ने करीब एक दशक तक ब्रेंटफोर्ड क्लब के साथ काम किया और अब वे टोटेनहम में एंजे पोस्टेकोग्लू की जगह लेंगे। पोस्टेकोग्लू को पिछले सप्ताह बर्खास्त कर दिया गया था, हालांकि उन्होंने मैनचेस्टर यूनाइटेड को हराकर यूरोपा लीग फाइनल जीतकर टोटेनहम को 17 साल में पहली ट्रॉफी दिलाई थी।

टोटेनहम ने अपने आधिकारिक बयान में कहा, थॉमस फ्रैंक फुटबॉल की दुनिया के सबसे प्रगतिशील और नवाचारपूर्ण कोचों में से एक हैं। उनके पास खिलाड़ियों और टीम को विकसित करने का शानदार रिकॉर्ड है और हम उन्हें नए सीज़न की तैयारी के लिए टीम की कमान सौंपने को लेकर उत्साहित हैं।

फ्रैंक ने दिसंबर 2016 में ब्रेंटफोर्ड से जुड़ाव शुरू किया था और 2018 से वे टीम के मैनेजर बने। उन्होंने खुद को एक टैक्टिकली समझदार और लचीले कोच के रूप में स्थापित किया, जो सामान्य या पिछली टीमों में असफल रहे खिलाड़ियों को भी निखारने में माहिर रहे हैं।

टोटेनहम में उन्हें अब एक उच्च गुणवत्ता वाली टीम मिलेगी, हालांकि पिछला प्रीमियर लीग सीज़न ब्रेंटफोर्ड ने टोटेनहम से ऊपर खत्म किया था। साथ ही, वे पहली बार यूईएफए चैंपियंस लीग में कोचिंग करते नज़र आएंगे।

इस लिहाज़ से टोटेनहम का यह फैसला थोड़ा जोखिमभरा भी माना जा रहा है, क्योंकि फ्रैंक ने अपने मैनेजेरियल करियर में अब तक कोई ट्रॉफी नहीं जीती है।

हालांकि, 2019 के बाद से एंटोनियो कॉन्टे और जोसे मोरिन्हो जैसे विश्वस्तरीय मैनेजर भी टोटेनहम में सफलता नहीं दिला सके हैं, ऐसे में क्लब ने इस बार ऐसे कोच को मौका दिया है जिसके पास प्रीमियर लीग का अच्छा खासा अनुभव है।

ब्रेंटफोर्ड ने 2021 से प्रीमियर लीग में अपनी जगह बनाई है और लगातार अपने प्रदर्शन से उम्मीदों से बेहतर नतीजे दिए हैं।

टोटेनहम ने यह भी पुष्टि की है कि फ्रैंक अपने साथ ब्रेंटफोर्ड से कुछ कोचिंग स्टाफ भी लाएंगे, जिसमें असिस्टेंट कोच जस्टिन कोक्रेन और मैनचेस्टर यूनाइटेड से आने वाले सेट-पीस स्पेशलिस्ट आंद्रेयास जॉर्जसन शामिल हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

स्टटगार्ट ओपन 2025: अलेक्जेंडर ज्वेरेव क्वार्टरफाइनल में पहुंचे, जस्टिन एंगेल ने रचा इतिहास

स्टटगार्ट। जर्मनी के शीर्ष वरीय अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने गुरुवार को फ्रांस के कोरेंटिन मौटे को 6-2, 7-6(7) से हराकर स्टटगार्ट ओपन 2025 के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली। यह टूर्नामेंट विंबलडन की तैयारी के लिहाज़ से बेहद अहम माना जा रहा है। फ्रेंच ओपन में क्वार्टरफाइनल तक का सफर तय करने वाले ज्वेरेव ग्रास कोर्ट पर अब तक संघर्ष करते आए हैं और उन्होंने अभी तक इस सतह पर कोई खिताब नहीं जीता है। ज्वेरेव बोले – जीत ही सबसे अहम 28 वर्षीय ज्वेरेव ने पहला सेट आसानी से जीत लिया, लेकिन दूसरे सेट में मौटे ने कड़ी टक्कर दी। हालांकि, टाईब्रेकर में ज्वेरेव ने अनुभव का फायदा उठाकर मैच अपने नाम किया। उन्होंने कहा, मैं 6-2, 6-2 से जीतना पसंद करता, लेकिन मैच में ऐसा नहीं चुन सकते। जीत सबसे अहम होती है और मैं खुश हूं कि कल फिर खेलने का मौका मिलेगा। ऑगर-अलियासिम की वापसी, एंगेल का धमाका कनाडा के चौथे वरीय फेलिक्स ऑगर-अलियासिम ने जियोवानी म्पेची पेरिकार्ड को 6-4, 6-4 से हराकर क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई। यह जीत उनके लिए 2022 के बाद पहली ग्रास कोर्ट जीत है। अब उनका मुकाबला जर्मनी के 17 वर्षीय वाइल्डकार्ड खिलाड़ी जस्टिन एंगेल से होगा। 17 वर्षीय एंगेल ने रचा इतिहास एंगेल ने अमेरिकी सातवीं वरीयता प्राप्त एलेक्स मिकेलसन को 6-4, 6-4 से हराकर सबको चौंका दिया। उन्होंने दोनों सेटों में 2-1 की बढ़त बनाई और पूरे मैच में एक भी ब्रेक प्वाइंट का सामना नहीं किया। वह स्टटगार्ट ओपन के इतिहास में सबसे युवा क्वार्टरफाइनलिस्ट बन गए हैं और 1985 में बोरिस बेकर के विंबलडन क्वार्टरफाइनल में पहुंचने के बाद किसी भी एटीपी ग्रास कोर्ट इवेंट के सबसे युवा क्वार्टरफाइनलिस्ट भी बन गए हैं।

केविन डि ब्रून ने मैनचेस्टर सिटी छोड़ने के बाद नापोली के साथ किया करार

मिलान। बेल्जियम के स्टार मिडफील्डर केविन डि ब्रून ने इंग्लिश क्लब मैनचेस्टर सिटी से विदाई लेने के बाद अब इटली के क्लब नापोली से करार कर लिया है। नापोली के अध्यक्ष और फिल्म निर्माता ऑरेलियो डी लॉरेंटिस ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर डि ब्रून के साथ हाथ मिलाते हुए एक तस्वीर साझा की और लिखा, स्वागत है, केविन! सूत्रों के मुताबिक, 33 वर्षीय डि ब्रून ने नापोली के साथ दो साल का अनुबंध साइन किया है, जिसमें एक साल का अतिरिक्त विकल्प भी शामिल है। वह यहां अपने अंतरराष्ट्रीय साथी रोमेलू लुकाकू और पूर्व मैनचेस्टर यूनाइटेड मिडफील्डर स्कॉट मैकटॉमिने के साथ खेलते नजर आएंगे। सिटी में सफल रहा दशक डि ब्रून ने मैनचेस्टर सिटी के साथ छह प्रीमियर लीग खिताब और 2023 में यूईएफए चैंपियंस लीग सहित कई ट्रॉफियां जीतीं। पेप ग्वार्डियोला के नेतृत्व में उनका प्रदर्शन शानदार रहा, लेकिन पिछले दो सत्रों में वह दो हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण कई मुकाबलों से बाहर रहे। स्कुडेटो बचाने के मिशन पर नापोली नापोली ने उन्हें यूरोप के शीर्ष मिडफील्डरों में से एक के रूप में अपनी टीम में शामिल किया है। टीम अगले सत्र में न केवल सेरी ए खिताब की रक्षा करेगी, बल्कि विस्तारित चैंपियंस लीग में भी भाग लेगी। इंटर को पछाड़ बना था चैंपियन एंटोनियो कॉन्टे के कोच रहते हुए नापोली ने इंटर मिलान को अंतिम दिन पछाड़कर सेरी ए खिताब अपने नाम किया था। यह पिछले तीन वर्षों में क्लब का दूसरा लीग खिताब है।

मिराज बांग्लादेश एकदिवसीय क्रिकेट टीम के नये कप्तान बनाये गये

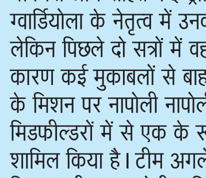

ढाका। ऑलराउंडर मेहदी हसन मिराज बांग्लादेश एकदिवसीय क्रिकेट टीम के नये कप्तान बनाये गये हैं। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने मिराज को कप्तान बनाये जाने की घोषणा की है। मिराज अगले एक साल तक के लिए कप्तान बनाये गये हैं। उन्हें नजमुल हुसैन शांतो की जगह कप्तान बनाया गया है। वह अगले महीने श्रीलंका में होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज से कप्तानी संभालेंगे। कप्तान बनोय जाने पर मिराज ने खुशी जतायी है। मिराज ने कहा, 'राष्ट्रीय टीम की कप्तानी करना एक सपने के सच होने जैसा है। बोर्ड ने मुझ पर जो भरोसा जताया है, उससे मैं बेहद सम्मानित महसूस कर रहा हूं। यह मेरे और मेरे परिवार के लिए गर्व का क्षण है। मुझे इस टीम पर पूरा भरोसा है। हमारे पास निडर क्रिकेट खेलने का कौशल और मानसिकता है। मैं चाहता हूं कि हम आत्मविश्वास से भरे रहें, प्रतिबद्ध रहें और देश के लिए दिल से खेलते रहें। इस ऑलराउंडर ने इससे पहले शंटो की अनुपस्थिति में चार एकदिवसीय मैचों में बांग्लादेश की कप्तानी की थी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

सेनाध्यक्ष और...

यूनुस और उसकी चौकड़ी, जिसमें तथाकथित छात्र समन्वयक के साथ-साथ जमात-ए-इस्लामी, हिफाजत-ए-इस्लाम, हिज्बुत-तहरीर और अंसार अल-इस्लाम (अलकायदा का स्थानीय सहयोगी) जैसे कट्टरपंथी इस्लामी गुट शामिल हैं, इसके अलावा अमेरिकी डीप स्टेट और पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) जैसे प्रभावशाली बाहरी खिलाड़ी भी बांग्लादेश में चुनाव कराने के सख्त खिलाफ हैं। वे इस बात से डरे हुए हैं कि चुनाव होने पर बांग्लादेश की सत्ता पर लंबे समय तक पकड़ बनाए बनाए रखने की उनकी महत्वाकांक्षा पर पानी फिर जाएगा।

युनुस के साथी बांग्लादेश के संविधान को निष्प्रभावी करने की भयावह योजना को आगे बढ़ा रहे हैं, जिसके तहत वे जुलाई चार्टर नामक एक घोषणा जारी कर रहे हैं। अगर यह कदम सच साबित होता है, तो मौजूदा शासन को तथाकथित क्रांतिकारी सरकार में बदल दिया जाएगा, जिससे मोहम्मद युनुस को एकाधिकार मिल जाएगा और वो अपनी करतूतों से बच जाएंगे। इससे उन्हें राष्ट्रपति शहाबुद्दीन अहमद चुप्पू और सेना प्रमुख जनरल वकार उज जमान को बर्खास्त करने का मौका मिल जाएगा और बांग्लादेश को एक क्रूर तानाशाही में बदलने का रास्ता साफ हो जाएगा। एक इस्लामिक गणराज्य या बंगाल खिलाफत तैयार करने में यूनुस को अमेरिकी डीप स्टेट, पाकिस्तानी आईएसआई और तुर्की जैसे इस्लामिस्ट सहयोगियों का पूरा समर्थन प्राप्त है।

जनरल वकार उज़ ज़मान के साथ बैठक के तीन हफ़्ते से भी कम समय के बाद, यूनुस ने राष्ट्र के नाम एक टेलीविज़न संबोधन दिया जिसमें उन्होंने स्पष्ट रूप से दिसंबर 2025 के बजाय अप्रैल 2026 में चुनाव कराने का इरादा जताया। जबकि सेना प्रमुख ने दिसंबर 2025 में चुनाव कराने का सुझाव दिया था। उन्होंने लोगों से चटगांव पोर्ट को डीपी वर्ल्ड को पट्टे पर देने के विपक्ष के किसी भी प्रयास का विरोध करने का आह्वान किया। जबकि पूरी दुनिया जानती है कि डीपी वर्ल्ड कंपनी यूएस डीप स्टेट द्वारा नियंत्रित है।

जनरल वकार उज जमान के सुझावों की खुली अव-हेलना यूनुस की बढ़ती हुई तानाशाही प्रवृत्ति को दर्शाती है और इस विश्वास की ओर इशारा करती है कि वह अब उन ताकतों के प्रति जवाबदेह नहीं है जिन्होंने उसे सत्ता पर बिठाया था। यह याद रखना जरूरी है कि यूनुस को अगस्त 2024 में जनरल वकार द्वारा फ्रांस से वापस लाया गया था और मुख्य सलाहकार के पद पर नियुक्त किया गया था। यूनुस के सख्त रुख के पीछे दो कारण नजर आते हैं। या तो यूनुस को डर है कि सत्ता छोड़ने पर उन्हें पिछले दस महीनों में की गई वित्तीय अनियमितताओं और अपराधों की जांच का सामना करना पड़ सकता है, या फिर उन्हें लगता है कि वे जनरल वकार उज ज़मान, पूरी सशस्त्र सेना और यहां तक कि बांग्लादेश के लोगों से भी अधिक शक्तिशाली हो चुके हैं।

8 अगस्त 2024 को पदभार ग्रहण करने के बाद से यूनुस ने कई ऐसे कार्य किए हैं जिन्हें सैन्य प्रतिष्ठान के खिलाफ शत्रुतापूर्ण कार्य माना जाता है। यूनुस ने सेना खुफिया महानिदेशालय (डीजीएफआई) के तहत आतंकवाद निरोधी ब्यूरो के पिछले महानिदेशकों और निदेशकों पर मानवता के खिलाफ अपराध करने का आरोप लगाया और आतंकवाद और उग्रवाद से लड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के उनके अपराधों के लिए अज्ञात संख्या में सैन्य अधिकारियों को नजरबंद कर दिया। हैरानी की बात है कि इनमें से किसी भी कार्रवाई में जनरल वकार उज ज़मान की ओर से कोई स्पष्ट आपत्ति नहीं जताई, जिससे सशस्त्र बलों के भीतर चिंता पैदा हो गई। कई अधिकारियों और सैनिकों को अब लगता है कि उन्हें यूनुस और उनके विदेशी समर्थकों द्वारा बंधक बनाया जा रहा है। अविश्वास के इस माहौल ने पाकिस्तान की आईएसआई को बांग्लादेश की सेना के रैंकों के भीतर अपना प्रभाव मजबूत करने में सक्षम बनाया है।

यूनुस ने एक अमेरिकी नागरिक खलीलुर रहमान को देश का राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) नियुक्त करके देश के अंदरूनी तंत्र को भड़काने का काम किया। खलीलुर रहमान के बारे में व्यापक रूप से माना जाता है कि उसे अमेरिकी डीप स्टेट का समर्थन प्राप्त है और वह पाकिस्तानी सेना और आईएसआई के साथ घनिष्ठ संबंध रखता है। जबकि जनरल वकार उज ज़मान और बीएनपी दोनों ने खलीलुर रहमान को तुरंत हटाने की मांग की थी, लेकिन यूनुस ने उस मांग पर कोई ध्यान नहीं दिया।

वर्तमान में, बांग्लादेश में दुर्भावना के तमाम वातावरण तैयार करने वाले मोहम्मद यूनुस किंग चार्ल्स तृतीय से सद्भावना पुरस्कार प्राप्त करने के लिए यूनाइटेड किंगडम का दौरा कर रहे हैं। किंग चार्ल्स खुद कई विवादों में उलझे हुए सम्राट हैं। यूनुस ने ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टारमर से मिलने की इच्छा जताई, लेकिन ब्रिटिश पीएम ने यूनुस से मिलने से मना कर दिया। यूनुस का सबसे महत्वपूर्ण कार्यक्रम 13 जून को लंदन में बीएनपी के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान के साथ मिलना था। यूनुस तारिक को विलंबित चुनाव का निर्णय स्वीकार करने, चटगांव बंदरगाह को डीपी वर्ल्ड को पट्टे पर देने, आगामी जुलाई चार्टर का समर्थन करने और भारत विरोधी भू-राजनीतिक गुटों के साथ संबंधों को गहरा करने के लिए राजी करने के लिए पूरा जोर लगाने की तैयारी करके लंदन गए थे।

यह भी उल्लेखनीय है कि यूनुस ने पिछले दस महीनों में अपनी 11 विदेश यात्राओं पर अरबों टका (बांग्लादेशी मुद्रा) खर्च किए है। ये यात्राएं देश के लिए कोई ठोस लाभ दिए बिना उनकी व्यक्तिगत छवि को बढ़ावा देने के लिए की गई हैं। तारिक रहमान के साथ यूनुस की बैठक महत्वपूर्ण है। यदि वह तारिक का सहयोग प्राप्त करने में विफल रहते हैं तो यूनुस सत्ता के व्यवहारिक विकल्प से बाहर हो सकते हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि ब्रिटिश सम्राट से पुरस्कार पाने और बीएनपी नेता तारिक रहमान का समर्थन पाने की कोशिश करने के पीछे यूनुस का प्रयास खुद को ताकतवर दिखाना है, ताकि बांग्लादेश की सत्ता पर उसकी पकड़ बनी रह सके। अगस्त 2024 की कार्रवाई के बाद अवामी लीग लगभग भंग हो गई है और इसकी नेता शेख हसीना भारत में निर्वासित हैं, बीएनपी एकमात्र व्यवहार्य राजनीतिक ताकत है जो यूनुस को चुनौती देने की स्थिति में है। अगर तारिक रहमान यूनुस के प्रस्तावों को अस्वीकार कर देते हैं, तो इसके परिणाम बहुत बड़े हो सकते हैं। यूनुस न केवल अमेरिकी डीप स्टेट का समर्थन खो सकते हैं, बल्कि उन्हें बांग्लादेश के सैन्य प्रतिष्ठान के भीतर से बढ़ते प्रतिरोध का भी सामना करना पड़ सकता है। तारिक के समर्थन के साथ यूके से वापस न लौटने पर यूनुस और सशस्त्र बलों के बीच तनाव फिर से बढ़ने की संभावना है। विशेषज्ञ मानते हैं कि बीएनपी और उसके अध्यक्ष तारिक रहमान का जनरल वकार उज ज़मान को पूरा समर्थन प्राप्त है, जिससे यूनुस राजनीतिक रूप से खतरनाक स्थिति में फंस सकते हैं। वरिष्ठ पत्रकार और टेलीविज़न एंकर जिल्लुर रहमान द्वारा हाल ही में किए गए एक खुलासे के अनुसार, यूनुस के कई करीबी सहयोगी और सलाहकार पहले से ही देश से भागने और विदेश में शरण लेने के विकल्प तलाश रहे हैं। जिल्लुर रहमान, जिन्हें यूनुस का लंबे समय से समर्थक माना जाता है, द्वारा इस तरह का धमाका करने से व्यापक अटकलें लगाई जा रही हैं कि यूनुस शासन का अंत निकट हो सकता है।

अगर यूनुस सत्ता में बने रहने में असमर्थ हैं, तो उनका पतन अचानक हो सकता है। इसके परिणामस्वरूप राष्ट्रपति शहाबुद्दीन अहमद चुप्पू द्वारा नियुक्त एक तटस्थ मुख्य कार्यकारी के नेतृत्व में एक नई कार्यवाहक सरकार का गठन हो सकता है। इस कार्यवाहक प्रशासन को एक निश्चित समय सीमा के भीतर राष्ट्रीय चुनाव आयोजित करने का काम सौंपा जाएगा। इस प्रक्रिया में, जनरल वकार उज ज़मान के नेतृत्व में बांग्लादेश सशस्त्र बलों से लोकतांत्रिक शासन और राष्ट्रीय स्थिरता को बहाल करने के लिए अपना पूरा सहयोग देने की उम्मीद है।

मोहम्मद यूनुस और तारिक रहमान के बीच 13 जून की मुलाकात सिर्फ एक राजनीतिक मुलाकात नहीं है – यह एक निर्णायक क्षण है जो यह निर्धारित करेगा कि बांग्लादेश लोकतांत्रिक बहाली की ओर आगे बढ़ेगा या सत्तावादी अंधकार में डूब जाएगा। अगर यूनुस देरी से चुनाव कराने, विदेशी दासता और संवैधानिक तोड़फोड़ की अपनी भव्य योजना में बीएनपी को शामिल करने में विफल रहता है, तो उसका शासन तेज़ी से ढह जाएगा। अब देश का भाग्य इस बात पर निर्भर करता है कि क्या इसके लोग, राजनीतिक ताकतें और सशस्त्र बल विदेशी संरक्षकों और स्थानीय षड्यंत्रकारियों द्वारा संचालित एक धीरे-धीरे बढ़ती तानाशाही का विरोध करने के लिए एक साथ उठ सकते हैं। बांग्लादेश एक ख़तरनाक चौराहे पर खड़ा है। अब बांग्लादेश के पास दो ही विकल्प हैं या तो वह अपनी संप्रभुता पुनः प्राप्त करने की जद्दोजहद करे या एक स्व-घोषित सुल्तान और उसके संरक्षक अंतरराष्ट्रीय आकाओं के आगे आत्मसमर्पण कर दे।

ईरान के ...

और इजराइल उसे ऐसा करने से रोकेगा।

इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल कैट्ज ने ईरान पर हमले के बाद पूरे देश में आपातकाल की घोषणा की है। इजराइल कैट्ज ने चेतावनी दी है कि ईरान की ओर से मिसाइल और ड्रोन हमले होने की आशंका है। पूरे इजराइल में सायरन बज रहे हैं और प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने अपने सुरक्षा मंत्रिमंडल की आपात बैठक बुलाई है। इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने कहा है कि उसने ईरान के परमाणु कार्यक्रम और उसकी आक्रामकता के जवाब में यह हमला किया है। इस हमले के बाद इराक ने अपना एयरस्पेस बंद कर दिया है, जिससे विमानों की आवाजाही रुक गई है। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब ईरान के पास परमाणु बम बनाने के लिए पर्याप्त यूरेनियम जमा होने की खबरें आ रही थीं, जिसे इजराइल अपने अस्तित्व के लिए खतरा मानता है। इजराइल ने इस कार्रवाई को एहतियात के तौर पर किया गया हवाई हमला बताया है। उधर, ईरान ने इजराइली हमले में रिवोल्यूशनरी गार्ड के मिसाइल कार्यक्रम के प्रमुख जनरल आमिर अली हाजीजादेह के मारे जाने की पुष्टि की है। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने दो शीर्ष सैन्य कमांडरों के मारे जाने के बाद उनकी जगह नए अधिकारियों की नियुक्ति की है। ईरान के सरकारी टेलीविजन ने बताया कि जनरल अब्दुल रहीम मौसावी को सशस्त्र बलों का नया प्रमुख बनाया गया है। वह जनरल मोहम्मद बाघेरी की जगह लेंगे। मूसेवी इससे पहले ईरानी सेना के प्रमुख थे।

खामेनेई ने मोहम्मद पाकपौर को अर्धसैनिक रिवोल्यूशनरी गार्ड का नया प्रमुख नियुक्त किया है। वह जनरल हुसैन सलामी की जगह लेंगे। ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड को 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद बनाई गई थी। इजराइली हमले में मारे गए परमाणु वैज्ञानिकों में अब्दुलहामिद मिनोचेहर, अहमदरेजा जोल्फागरी, अमीर हुसैन फेकी, मोटालेब्लिजादेह, मोहम्मद मेहदी तेहरानची और फेरेदून अब्बासी शामिल हैं। इजराइली हमले और ईरानी प्रतिकार के माहौल में भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा, हम ईरान और इजराइल के बीच हुए घटनाक्रमों से बहुत चिंतित हैं। हम परमाणु स्थलों पर हमलों से संबंधित रिपोर्टों सहित उभरती स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। भारत दोनों पक्षों से किसी भी तरह के आक्रामक कदम से बचने का आग्रह करता है। स्थिति को कम करने और अंतर्निहित मुद्दों को हल करने के लिए बातचीत और कूटनीति के मौजूदा चैनलों का उपयोग किया जाना चाहिए। भारत के दोनों देशों के साथ घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण संबंध हैं और वह हर संभव सहायता देने के लिए तैयार है। दोनों देशों में हमारे मिशन भारतीय समुदाय के संपर्क में हैं। क्षेत्र में सभी भारतीय नागरिकों को सावधानी बरतने, सुरक्षित रहने और स्थानीय सुरक्षा सलाह का पालन करने की सलाह दी जाती है।अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजराइली हमले के बीच ईरान से कहा है कि पहले ही बहुत मौतें और विनाश हो चुका है, लेकिन इस नरसंहार को समाप्त करने के लिए अभी भी समय है। ट्रंप ने ईरानी पक्ष को फिर से परमाणु समझौता करने को कहा है। ट्रंप ने चेतावनी भी दी कि इजराइल के हमले और भी बुरे होंगे। अब भी समय है, इस रक्तपात को रोका जा सकता है। हमले की अगली योजना पहले से ही बनाई जा चुकी है और वे पहले से कहीं ज्यादा क्रूर होंगे। ट्रंप ने कहा, अमेरिका दुनिया में अब तक का सबसे बेहतरीन और सबसे घातक सैन्य उपकरण बनाता है, और इजराइल के पास इसका बहुत ज्यादा भंडार है, और आने वाले समय में और भी बहुत कुछ होगा, और वे इसका इस्तेमाल करना जानते हैं। समझौते को लेकर कुछ ईरानी कट्टरपंथियों ने बहादुरी से बात की, लेकिन उन्हें नहीं पता था कि क्या होने वाला है। वे सभी अब मर चुके हैं, और यह और भी बदतर होगा।

सामाजिक सुरक्षा...

अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन का 48.8 प्रतिशत का आकलन भारत के सामाजिक सुरक्षा परिदृश्य के लिहाज से अभी अधूरा है। रिपोर्ट के अनुसार, यह डेटा अभी पूलिंग अभ्यास का पहला चरण है। इसमें 8 राज्यों के केंद्रीय और महिला-केंद्रित योजनाओं के लाभार्थियों के आंकड़े शामिल किए गए हैं। दूसरे चरण के पूरा होने के बाद भारत की कुल सामाजिक सुरक्षा कवरेज 100 करोड़ से अधिक तक पहुंच सकती है। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने सामाजिक सुरक्षा कवरेज का व्यापक मूल्यांकन करने के लिए 19 मार्च 2025 को भारत के सामाजिक सुरक्षा डेटा पूलिंग अभ्यास के पहले चरण की शुरुआत की है। इस पहल का उद्देश्य भारत की कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों के डेटा को इकट्ठा करना है। पहले चरण में उत्तर प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, ओड़ीशा, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक और गुजरात सहित दस राज्यों को केंद्रीय स्तर पर डेटा एकत्र करने के लिए चुना गया है। सामाजिक सुरक्षा कवरेज के आंकड़ों को 2025 में अपडेट करने वाला भारत दुनिया का पहला देश भी है। केंद्रीय मंत्री का कहना है कि इससे डिजिटाइजेशन और लोगों के लिए कल्याणकारी योजनाओं की प्रणाली में पारदर्शिता मजबूत हुई है।

दुर्घटनाग्रस्त विमान...

यह इलाका हवाई अड्डे के पास स्थित है, जहां गुरुवार दोपहर बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ था। जहां पर काफी मशक्कत के बाद टीम ब्लैक बॉक्स को खोजने में सफल रही। पुलिस उपायुक्त (जोन 4) कानन देसाई ने कहा कि अब तक विमान का कोई डिजिटल वीडियो रिकॉर्डर (डीवीआर) नहीं मिला है।

दूसरी तरफ, डायरेक्टर जनरल सिविल एविएशन (डीजीसीए) ने एयर इंडिया के बोइंग 787 ड्रीमलाइनर बेड़े के सभी विमानों की सुरक्षा जांच कराने का निर्देश दिया है। विमानन निदेशालय ने इसके लिए आदेश जारी किए हैं। इस आदेश के तहत एयर इंडिया के बोइंग 787 ड्रीमलाइनर बेडे. की फिर से सख्त सुरक्षा जांच होगी। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयर इंडिया के बेड़े में 26 बोइंग 787-8 और 7 बोइंग 787-9 विमान हैं। विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एयर इंडिया को निर्देश दिया है कि वह तत्काल प्रभाव से अपने जेनएक्स इंजन से लैस बोइंग 787-8 और 787-9 विमानों पर अतिरिक्त रखरखाव (मेंटनेंस) कार्य करे। ये कार्य डीजी-सीए के संबंधित क्षेत्रीय कार्यालयों के समन्वय से किए जाएंगे।

डीजीसीए ने यह भी आदेश दिया है कि विमान के कैबिन की हवा से जुड़ी मशीनों, इंजन को नियंत्रित करने वाली इलेक्ट्रॉनिक प्रणालियों, ईंधन से चलने वाले इंजन के हिस्से और तेल से जुड़ी प्रणाली की अच्छी तरह जांच की जाए। इसके अलावा, हाइड्रोलिक प्रणाली (जो विमान को हिलाने-चलाने में मदद करता है) की हालत देखने और टेक ऑफ के जरूरी आंकड़ों की भी समीक्षा करने को कहा गया है। डीजीसीए ने कहा कि बी787-8/9 विमानों में पिछले 15 दिनों के दौरान बार-बार आई खराबी की समीक्षा के आधार पर रखरखाव कार्यों को तत्काल बंद कर दिया जाना चाहिए। जीईएनएक्स इंजन, जीई एयरोस्पेस द्वारा बनाए जाते हैं। गुरुवार को जीई एयरोस्पेस ने कहा कि वह एयर इंडिया और अहमदाबाद विमान दुर्घटना की जांच में सहयोग देने के लिए तैयार है। जीई एयरोस्पेस के प्रवक्ता ने कहा, हमने अपनी आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम को सक्रिय कर दिया है।

खालिस्तान समर्थक...

अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई की है, जिसके तहत पुलिस ने 479 किलो कोकीन जब्त की है। इसकी कीमत करीब 47.9 मिलियन डॉलर है। इसके साथ ही पुलिस ने कनाडा में रहने वाले भारतीय मूल के सात लोगों सहित कुल नौ को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए लोगों में सजगित योगेंद्रराजा (31), मनप्रीत सिंह (44), फिलिप टेप (39), अरविंदर पोवार (29), करमजीत सिंह (36), गुरतेज सिंह (36), सरताज सिंह (27), शिव ओंकार सिंह (31) और हाओ टॉमी हुइन्ह (27) शामिल हैं।

पुलिस के अनुसार, यह गिरोह अमेरिका और कनाडा के बीच वाणिज्यिक ट्रकों से ड्रग्स भेजता था। समूह के मेक्सिको ड्रग कार्टेल और अमेरिका में ड्रग वितरकों से संबंध थे। ड्रग्स बेचकर जो पैसा मिलता था, उसका इस्तेमाल भारत विरोधी गतविधियों जैसे विरोध प्रदर्शन, जनमत संग्रह, हथियारों की खरीद आदि में किया जाता था। खुफिया एजेंसियों को शक है कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई इस ड्रग नेटवर्क का समर्थन कर रही है, जो कनाडा में खालिस्तानी समूहों का इस्तेमाल मेक्सिकन कोकीन और अफगान हेरोइन की तस्करी के लिए कर रही है।

कनाडा के कनानास्किस में जी-7 शिखर सम्मेलन होने वाला है। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के निमंत्रण पर पीएम मोदी इस सम्मेलन में भाग लेने वाले हैं। कार्नी ने पिछले सप्ताह पीएम मोदी को फोन कर सम्मेलन में भाग लेने का निमंत्रण दिया था। खालिस्तान समर्थक ड्रग नेटवर्क पर यह कार्रवाई पीएम मोदी की कनाडा यात्रा से ठीक पहले की गई है। जी-7 शिखर सम्मेलन का निमंत्रण मिलने के बाद पीएम नरेंद्र मोदी ने मार्क कार्नी को उनकी हालिया चुनावी जीत की बधाई दी थी। साथ ही शिखर सम्मेलन में निमंत्रण के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि भारत और कनाडा मजबूत संबंधों वाले जीवंत लोकतंत्र हैं। दोनों देश नई ऊर्जा और साझा लक्ष्यों के साथ मिलकर काम करेंगे। उन्होंने कहा कि वह शिखर सम्मेलन में कार्नी से मुलाकात करने के लिए उत्सुक हैं। जी-7 शिखर सम्मेलन कनाडा के अल्बर्टा स्थित कनानास्किस में 15 से 17 जून तक आयोजित होगा। इससे पहले, पीएम कार्नी ने ओटावा में बोलते हुए कहा कि शिखर सम्मेलन उभरते और विकासशील देशों के साथ मजबूत साझेदारी बनाने पर ध्यान केंद्रित करेगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का अहम हिस्सा है, इसलिए भारत को इस सम्मेलन में शामिल होना चाहिए।

देश और प्रदेश...

उन्होंने 2006 से 2009 तक फिर से राज्य पार्टी प्रमुख के रूप में कार्य किया। इसके अलावा, उन्होंने केंद्रीय स्तर पर पार्टी के राष्ट्रीय सचिव से लेकर राष्ट्रीय कार्यकारी सदस्य और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष तक की विभिन्न भूमिकाएं भी निभाईं। श्री दत्तात्रेय ने अटल बिहारी वाजपेयी और नरेंद्र मोदी दोनों के नेतृत्व वाली सरकारों में केंद्रीय राज्य मंत्री के रूप में काम किया। मोदी मंत्रालय के प्रथम सत्र में वे नवंबर 2014 से सितंबर 2017 तक श्रम और रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) थे। इस अवधि के दौरान उन्होंने संगठित और असंगठित दोनों क्षेत्रों के श्रमिकों के कल्याण और उत्थान के लिए देश के विभिन्न श्रमिक संघों के साथ मिलकर काम किया। 2014 में उन्होंने पिछड़े वर्गों के कल्याण संबंधी संसदीय समिति के अध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया। बंडारू दत्तात्रेय की सामाजिक-राजनीतिक सद्भाव यात्रा जारी है। शुभ-लाभ परिवार श्री दत्तात्रेय के स्वस्थ, सफल एवं दीर्घायु होने की शुभकामना करता है...

महामृत्युंजय मंत्र जाप से होती है सुख-समृद्धि धन-दौलत और आरोग्य की प्राप्ति

देवादिदेव महादेव की आराधना से सभी कष्टों से छुटकारा मिल जाता है। उनको मुक्तिदाता और वरदान के देव माना जाता है। भोलेनाथ के वेदमंत्रों का जाप करने से तकलिफों का नाश होता है और समृद्धि मिलती है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि ऐसा ही एक शास्त्रोक्त मंत्र महामृत्युंजय मंत्र का है, जिसके जपने मात्र से मानव को सुख-समृद्धि, धन-दौलत और आरोग्य की प्राप्ति होती है।

ऋषि मर्कण्डु के पुत्र थे मार्कण्डेय ऋषि

अब एक सवाल हमारे जेहन में आता है कि आखिर यह अमोघ शक्तियों वाला यह मंत्र आया कहां से? इसकी उत्पत्ति किसने की और इसके पीछे की वजह क्या थी। पौराणिक धर्मग्रंथों के अनुसार मार्कण्डेय ऋषि को अमरत्न का वरदान प्राप्त है। मार्कण्डेय ऋषि का नाम आठ अमर लोगों में शामिल है। मार्कण्डेय ऋषि के पिता का नाम ऋषि मर्कण्डु था। शास्त्रोक्त कथा के अनुसार मर्कण्डु ऋषि को जब लंबे समय तक कोई संतान नहीं हुई तो उन्होंने अपना पत्नी के साथ भगवान शिव की आराधना की। भगवान शिव जब ऋषि दंपत्ति की तपस्या से प्रसन्न होकर जब प्रगट हुए तो उन्होंने ऋषि मर्कण्डु से पूछा कि हे ऋषि तुम गुणहीन दीर्घायु पुत्र चाहते हैं या 16 वर्षीय गुणवानअल्पायु पुत्र। तब मर्कण्डु ऋषि ने दूसरा विकल्प चुना और महादेव से गुणवान अल्पायु पुत्र को मांगा।

यमराज स्वयं आए थे मार्कण्डेय ऋषि के प्राण लेने

मार्कण्डेय जैसे ही बड़ा हुआ उसको अपने अल्पायु होने के संबंध में पता चला। उम्र के बढ़ने के साथ मार्कण्डेय की शिव भक्ति भी बढ़ने लगी। उनको अपनी मौत के संबंध में पता था लेकिन वो इसको लेकर विचलित नहीं थे। 16 साल का होने पर मार्कण्डेय को अपनी मृत्यु का रहस्य अपनी माता के द्वारा पता चला। जिस दिन उनकी मौत का दिन निश्चित था उस दिन भी वह चिंतामुक्त होकर शिव आराधना में लीन थे। शिवपूजा करते समय उनको सप्तऋषियों की सहायता से ब्रह्मदेव से उनको महामृत्युंजय मंत्र ' ऊँ त्र्यंबकम् यजामहे सुगन्धिम् पुष्टिवर्द्धनम्,

ऊर्वारुकमिव बन्धनात, मृत्योर्मुक्षियमामृतात्।।' की दीक्षा मिली। इस मंत्र ने मार्कण्डेय के लिए अमोघ कवच का काम किया और जब यमदूत उनको लेने के लिए आए तो शिव आराधना में लीन मार्कण्डेय को ले जाने में असफल रहे। इसके बाद यमराज स्वयं धरती पर मार्कण्डेय के प्राण लेने के लिए आए।

शिव ने पराजित किया यमराज को

यमराज ने मौत का फंदा ऋषि मार्कण्डेय की गर्दन में डालने की कोशिश की, लेकिन वह फंदा शिवलिंग पर चला गया। वहां पर शिव स्वयं उपस्थित थे। वह यमराज की इस हरकत से नाराज हो गए और अपने रौद्र रूप में यमराज के सम्मुख आ गए। महादेव और यमराज के बीच भीषण युद्ध हुआ, जिसमें यमराज को पराजय का सामना करना पड़ा। भोलेनाथ ने यमराज को इस शर्त पर क्षमा किया कि उनका भक्त ऋषि मार्कण्डेय अमर रहेगा। इसके बाद शिव का एक नाम कालांतक हो गया। कालांतक का अर्थ है काल यानी मौत का अंत करने वाला।

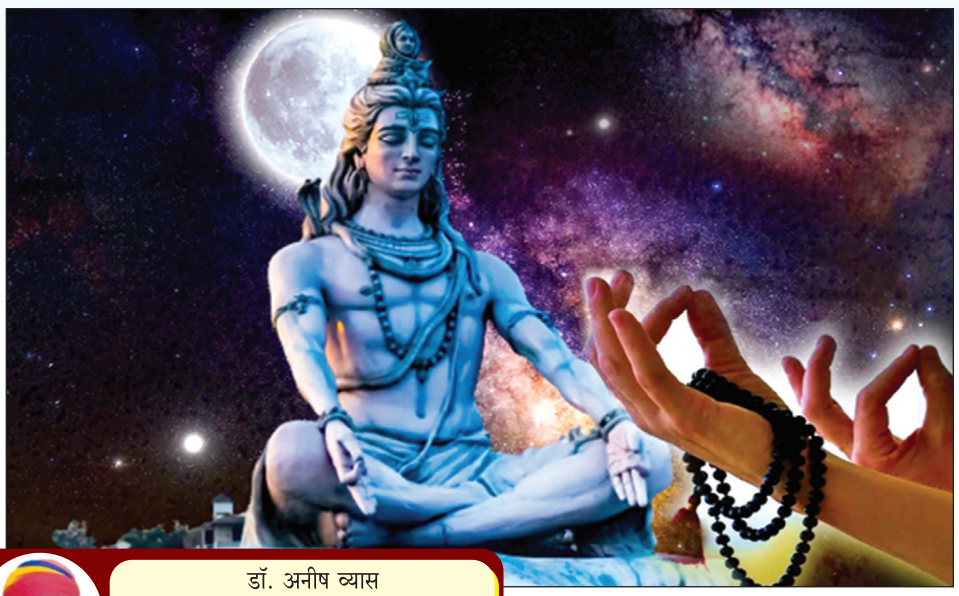

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

कब करें महामृत्युंजय मंत्र

यदि कुंडली में ग्रह दोष है या ग्रहों से संबंधित कोई ऐसी पीड़ा है जिसका निवारण मुश्किल लग रहा है जैसे ग्रह गोचर, ग्रहों के नीच, शत्रु राशि या किसी पाप ग्रह से पीड़ित होने पर इस मंत्र का जाप फायदेमंद है। गंभीर रोग हो और मृत्युतुल्य कष्ट होने की दशा में महामृत्युंजय मंत्र संजीवनी बूटी जैसा काम करता है। जमीन संबंधी विवाद में इस मंत्र का जाप करने से फायदा मिलता है। किसी महामारी के फैलने की दशा में यह मंत्र कवच की भांति कार्य करता है। राजकाज संबंधी मामले के बिगड़ने और धन-हानि होने की दशा में महामृत्युंजय मंत्र का जाप करने से दिक्कत दूर होती है। मेलापक में नाड़ीदोष और षडाष्टक की तकलीफ से भी इस मंत्र से लाभ होता है। धर्म-कर्म में मन न लगने पर महामृत्युंजय मंत्र का जाप करना चाहिए। किसी भी तरह के कलह-क्लेश में महामृत्युंजय मंत्र रामबाण औषधि के समान है।

महामृत्युंजय मंत्र जाप में रखें ये सावधानियां

महामृत्युंजय मंत्र जाप करते समय विशेष सावधानियां जरूरी है। इन नियमों का पालन कर आप महामृत्युंजय मंत्र जाप का पूरा लाभ उठा सकते हैं और किसी भी तरह के अनिष्ट की आशंका भी समाप्त हो जाती है।

महामृत्युंजय मंत्र का जाप पूरी स्वच्छता और समर्पित भाव से करना चाहिए। मंत्र जाप से पहले संकल्प लेना चाहिए। मंत्र जाप में मंत्र के उच्चारण की शुद्धता आवश्यक है। मंत्र जप से पहले मंत्रों की एक निश्चित संख्या का निर्धारण कर लेना चाहिए। जितने मंत्रों का संकल्प लिया है उतनी संख्या पूर्ण होना चाहिए। मंत्र जान मानसिक यानी मन ही मन में या बहुत धीमे स्वर में करना श्रेष्ठ रहेगा। जप के समय दीपक जलता रहना चाहिए।

महामृत्युंजय मंत्र का जाप रुद्राक्ष की माला से करना अति उत्तम रहेगा। जपमाला को गौमुखी में रखकर जाप करना चाहिए जिससे किसी की नजर उसके ऊपर न पड़े। जप के समय शिवलिंग, शिव प्रतिमा, शिवजी की तस्वीर या महामृत्युंजय यंत्र सम्मुख होना चाहिए। जप करते समय कुश के आसन पर बैठना चाहिए। जपकाल में दूध मिले जल से शिवाभिषेक करते रहना चाहिए। जपकाल में पूर्व दिशा की और मुख होना चाहिए। जप का स्थान और समय निश्चित होना चाहिए। जप जितने दिनों तक चलता है उन दिनों में ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए। सात्विक आहार को ग्रहण करना चाहिए। किसी की भी बुराई से बचना चाहिए।

शनिवार को सुबह शिवलिंग पर चढ़ा दें ये पांच चीजें

शनि के प्रकोप से रहेंगे कोसों दूर

शनि ग्रह को न्याय का देवता कहा जाता है और इनकी कृपा से व्यक्ति जीवन में उन्नति की ओर बढ़ता है। लेकिन जब शनि का प्रकोप होता है, तो जीवन में बाधाएं, आर्थिक संकट, रोग और मानसिक तनाव बढ़ने लगते हैं। ऐसे में शनिवार के दिन भगवान शिव की पूजा विशेष रूप से फलदायी मानी जाती है क्योंकि शिवजी ही शनि को नियंत्रित करने वाले देव हैं। यदि आप शिवलिंग पर ये पांच चीजें अर्पित करते हैं, तो शनि का प्रकोप शांत होता है और जीवन में स्थिरता आती है।

शनिवार को शिवलिंग पर चढ़ाएं काले तिल

काले तिल को शनि ग्रह का प्रतिनिधि माना गया है। इसे शिवलिंग पर चढ़ाने से पापों का क्षय होता है और पूर्वजों के दोष (पितृ दोष) भी शांत होते हैं। शनि द्वारा दिए गए आर्थिक संकट, कोर्ट-कचहरी के झंझट और असफलता के कारण जो जीवन रुका हुआ लगता है, वह धीरे-धीरे गति पकड़ने लगता है। साथ ही यह साधक को मानसिक मजबूती भी देता है।

शनिवार को शिवलिंग पर चढ़ाएं सरसों का तेल

सरसों का तेल शिवलिंग पर अर्पित करने से न केवल शनि ग्रह प्रसन्न होते हैं, बल्कि यह शरीर की रोगप्रतिरोधक क्षमता भी मजबूत करता है। इससे व्यक्ति के जीवन में चली आ रही बेरोज़गारी, कार्यस्थल पर षड्यंत्र, प्रमोशन में रुकावट जैसी समस्याएँ दूर होती हैं। विशेष रूप से शनि की साढ़ेसाती या ढैय्या से परेशान लोगों को हर शनिवार इसे शिवलिंग पर चढ़ाना चाहिए।

शनिवार को शिवलिंग पर चढ़ाएं कच्चा दूध

गाय के कच्चे दूध को शिव के अभिषेक के लिए अत्यंत पवित्र माना जाता है। यह शरीर, मन और आत्मा की शुद्धि करता है। यह उपाय उन लोगों के लिए विशेष रूप से लाभकारी है जिन्हें करियर में अस्थिरता, आत्मविश्वास की कमी या निर्णय लेने में समस्या हो रही हो। यह अभिषेक धन, आयु और यशवृद्धि का कारण बनता है। शनिवार की सुबह स्नान करने के बाद यह उपाय करना चाहिए। इसको करने के बाद ही आप अन्न और जल ग्रहण करें।

शनिवार को शिवलिंग पर चढ़ाएं नीला फूल

नीला फूल शनि ग्रह का रंगधर्म प्रतिनिधि है और शिव को अत्यंत प्रिय होता है। इसे चढ़ाने से शनि की विशेष कृपा प्राप्त होती है। यदि आपके कार्यक्षेत्र में लगातार प्रयास के बावजूद प्रमोशन नहीं हो रहा या व्यवसाय स्थिर नहीं हो पा रहा हो, तो नीला फूल शिवलिंग पर चढ़ाना अत्यंत प्रभावशाली उपाय है। यह फूल अपराजिता और सदाबहार दोनों का हो सकता है। दोनों ही फूल भगवान शिव को बेहद प्रिय हैं।

शनिवार को शिवलिंग पर चढ़ाएं शुद्ध शहद

शहद मन को शांत और वाणी को मधुर बनाता है। शिवलिंग पर शहद अर्पित करने से वाणी के दोष दूर होते हैं, जिससे इंटरव्यू, मीटिंग, डील आदि में सफलता मिलती है। यह उपाय उन लोगों के लिए श्रेष्ठ है जिनकी वाणी के कारण बार-बार संबंध बिगड़ते हैं या व्यवसाय में ग्राहक नहीं टिकते। इस उपाय को करने से आपको शनिदेव का आशीर्वाद मिलता है और उसके प्रभाव से आप हर कार्य में सफलता हासिल करते हैं। आपकी तरक्की होती है।

हनुमान चालीसा पाठ का सबसे उत्तम समय तब हनुमानजी की मिलती है परम कृपा

सुबह के चार बजे का समयजब पूरी सृष्टि गहरे मौन में लीन होती हैचारों ओर गूंजती है केवल शुद्ध ऊर्जा की अनकही तरंगें। यह वही समय है जब आत्मा अपने उच्चतम स्तर पर होती है। जब ब्रह्मांड के रहस्य हमारी चेतना से सबसे अधिक जुड़े होते हैं। और यही वो घड़ी है जब हनुमान चालीसा का पाठ सबसे शक्तिशाली माना गया है। अब सवाल उठता है, क्या सच में सुबह 4 बजे पाठ करने से कुछ विशेष होता है? क्या यह केवल एक धार्मिक परंपरा है या इसके पीछे कोई वैदिक वैज्ञानिक रहस्य छुपा है? तो चलिएआज हम इस रहस्य के हर पहलू को विस्तार से समझते हैं, ब्रह्म मुहूर्त, हनुमान चालीसा और उसके पीछे छिपे अद्भुत रहस्यों की यात्रा पर निकलते हैं।

ब्रह्म मुहूर्त में हनुमान चालीसा पाठ का लाभ – यानी सुबह का वो समय, जो सूर्योदय से करीब डेढ़ घंटे पहले शुरू होता है। यानी सुबह के 4 से 5 बजे का समय। शास्त्रों में इसे सर्वश्रेष्ठ काल माना गया है। इस समय वातावरण में सतोगुण की प्रधानता होती है। मन शांत होता है प्रकृति स्थिर होती है...और आत्मा, जाग्रत अवस्था में आती है। इस समय का महत्व केवल योग और ध्यान के लिए ही नहीं, बल्कि मंत्र-पाठ, जप और स्तुति के लिए भी सर्वोत्तम माना गया है।

इस समय हमारा मन में विचारों की भीड़ नहीं होती और वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा अधिक होती है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी यह समय अल्फा वेव्स का होता है यानी मस्तिष्क एक शांत और ग्रहणशील अवस्था में होता है, जहां मंत्रों की ध्वनि सीधे चेतना में प्रवेश करती है।

हनुमान चालीसा केवल एक स्तोत्र नहीं है, यह 40 चौपाइयों का एक दिव्य संकलन है, जिसे गोस्वामी तुलसीदास जी ने लिखा था। इसमें हर चौपाई एक विशेष अर्थ, ऊर्जा और उद्देश्य से भरी हुई है। इसे नवग्रहों की बाधा से रक्षा, भूत-प्रेत दोष, मानसिक अशांति, शारीरिक कमजोरी, और आध्यात्मिक अवरोध को दूर करने में अत्यंत प्रभावशाली माना गया है। हनुमान चालीसा केवल शब्दों का मेल नहीं, यह भगवान राम के सबसे परम भक्त की शक्ति का संग्राह है। जब इसे श्रद्धा, विश्वास और नियमपूर्वक पढ़ा जाए, विशेषकर ब्रह्ममुहूर्त में तो यह हमारे चारों ओर एक अदृश्य कवच बना देता है।

हनुमान चालीसा की पंक्ति भूत पिशाच निकट नहीं आवे, महावीर जब नाम सुनावे... नकारात्मक शक्तियों से रक्षा करती है। नासे रोग हरे सब पीरा, जपत निरंतर हनुमत बीरा... यह पंक्ति मानसिक और शारीरिक रोगों से मक्ति दिलाती है। संकट से हनुमान छुड़ावे, मन क्रम वचन ध्यान जो लावे... यह जीवन के हर संकट से बाहर निकालने का मार्ग देती है। और यही नहीं, हनुमान चालीसा में तुलसीदास जी ने भक्ति, ज्ञान और विज्ञान, तीनों को एक सूत्र में पिरो दिया है। अब सवाल ये है कि सुबह 4 बजे ही क्यों? कहते हैं ऐसा करने से मनोबल और आत्मबल बढ़ता है। डर, शंका और मानसिक तनाव दूर होते हैं। शरीर की रोग प्रतिरोधक शक्ति मजबूत होती है। घर का वातावरण सकारात्मक हो जाता है। ध्यान और एकाग्रता में वृद्धि होती है। और सबसे महत्वपूर्ण – आत्मा को एक गहरा संतुलन और शांति मिलती है। हनुमान चालीसा पढ़ना केवल साधना नहीं – यह आत्मिक शुद्धि की प्रक्रिया है।

हनुमानजी को जाग्रत देव कहा गया है। वह केवल मूर्ति नहीं हैं, वह चेतन शक्ति हैं। जो भक्त की पुकार पर तुरंत उपस्थित होते हैं। आधुनिक विज्ञान भी कहता है कि सुबह चार बजे मस्तिष्क में मेलनोटोनिन हार्मोन सक्रिय होता है। यह हार्मोन मानसिक एकाग्रता, स्थिरता और आध्यात्मिक अनुभवों को बढ़ाता है हनुमान चालीसा के मंत्र- जैसे कंपन इन हार्मोनल अवस्थाओं के साथ जुड़कर, आपको एक अलौकिक अनुभव देते हैं। और जब यह पाठ ब्रह्म मुहूर्त में किया जाए, तो यह कंपन सीधे आपके चित्त से टकराता है। मस्तिष्क की तरंगें अल्फा स्टेट में चली जाती हैं यानी शांत, एकाग्र और ग्रहणशील अवस्था में। इस समय किया गया पाठ सीधे आपके अवचेतन मन में उतरता है और वहां से आपकी चेतना के हर स्तर को शुद्ध करता है।

तुलसीदासजी करते थे इस समय हनुमान चालीसा का पाठ

तुलसीदास जी स्वयं ब्रह्म मुहूर्त में उठकर हनुमान चालीसा का पाठ करते थे। कहते हैं, यही उनकी वह साधना थी जिससे उन्हें हनुमानजी के प्रत्यक्ष दर्शन हुए। हनुमानजी का संबंध स्वयं ब्रह्म मुहूर्त से है। शास्त्रों के अनुसार, यह वही काल है जब देवता जागते हैं, और हनुमान जी अपने दिव्य स्वरूप में संसार की रक्षा और भक्तों की परीक्षा हेतु विचरण करते हैं। ऐसे में अगर कोई भक्त उस समय श्रद्धा से उनका पाठ करे, तो वह पाठ सीधे हनुमानजी तक पहुंचता है।

कई लोगों ने अनुभव किया है कि जब उन्होंने केवल 21 दिन ब्रह्म मुहूर्त में श्रद्धा और भावना से हनुमान चालीसा का पाठ किया, तो उन्हें अलौकिक अनुभव हुए। उन्हें रोगों से मुक्ति मिली, रुके हुए कार्य सिद्ध हुए, और जीवन में नई दिशा मिली। लेकिन याद रखें – यह कोई जादू नहीं है। यह विज्ञान भी है, साधना भी है। श्रद्धा से जुड़ी हुई ऊर्जा की प्रक्रिया है। जैसा भाव, वैसा प्रभाव। तो अगर आप सच में अपने जीवन को स्थिर, शक्तिशाली और सकारात्मक बनाना चाहते हैं अगर आप मानसिक शांति, आत्मिक उन्नति और आध्यात्मिक सुरक्षा चाहते हैं तो अपनी साधना की शुरुआत कीजिए।

सुबह शांति से बैठ जाइए और पढ़िए हनुमान चालीसा। हर चौपाई, हर अक्षर, हर ध्वनि, आपके भीतर नया प्रकाश लाएगी। एक ऐसी ऊर्जा जो आपके जीवन को ही बदल देगी। हनुमानजी के बारे में यह भी कहा जाता है कि हनुमानजी सुबह के समय सबसे पहले जगते हैं, वैसे यह भी कहा जाता है कि बजरंगबली कभी सोते ही नहीं है वह ब्रह्म मुहूर्त में सबसे पहले भगवान रामजी के जगने से पहले अयोध्या में उनकी सेवा में तत्पर हो जाते हैं। इसलिए भगवान विष्णु और रामजी की सेवा पूजा से पहले प्रातः काल बजरंगबली की पूजा करनी चाहिए और हनुमान चालीसा का पाठ करना चाहिए।

शाम में हनुमान चालीसा पाठ का समय

साथ ही रात में 8 बजे जब हनुमानजी प्रभु राम की सेवा से लौटकर अपने आसन पर विराजमान होते हैं तब हनुमान चालीसा का पाठ घी का दीप जलाकर करना अत्यंत लाभदायक होता है। इसलिए अगर आप ब्रह्म मुहूर्त में हनुमान चालीसा का पाठ नहीं कर पाएं तो हर दिन रात में 8 बजे हनुमान चालीसा का पाठ करें। 40 दिनों तक हनुमानजी की ऐसी सेवा करने वाले भक्त की हर कामना हनुमानजी पूर्ण कर देते हैं।

शनिवार को पीपल के पेड़ के पास करें ये काम, शनिदेव दूर करेंगे सारे दुख, अच्छा वक्त होगा शुरू

हिंदू धर्म में शनिवार का दिन विशेष रूप से न्याय के देवता शनिदेव को समर्पित माना गया है। ऐसे में भक्त इस दिन विधि-विधान से शनिदेव की पूजा-अर्चना करते हैं। मान्यता है कि शनिवार को शनिदेव और बजरंगबली के साथ-साथ पीपल के पेड़ की पूजा करना भी बहुत फलदायी होता है। ऐसा करने से व्यक्ति को जीवन की कई समस्याओं से निजात मिल सकती है और शनिदेव की विशेष कृपा प्राप्त हो सकती है। इसके अलावा, शास्त्रों में पीपल के पेड़ के कुछ उपाय भी बताए गए हैं, जिन्हें शनिवार के दिन करने से आपको जीवन की बाधाओं से मुक्ति मिल सकती है और मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। आज हम आपको इनमें से कुछ ऐसे उपाय बताएंगे जिन्हें पीपल के पास करना लाभकारी होता है और आपके जीवन में तरक्की रास्ते खुल सकते हैं व समस्त दुखों से निजात मिलती है।

शनिवार के दिन शनि मंदिर जाकर शनिदेव की पूजा करने के साथ-साथ इस दिन पीपल के पेड़ के पास एक छोटा उपाय करना भी लाभकारी हो सकता है। स्नानादि करके साफ वस्त्र पहनें और पीपल के पास अपने दोनों हाथों को स्पर्श करते हुए 108 बार 'ओम नम: शिवाय' मंत्र का जाप करें। श्रद्धापूर्वक इस मंत्र का जाप करने से जातक को शनि ग्रह के साथ-साथ अन्य ग्रहों के अशुभ प्रभावों से भी राहत मिल सकती है। माना जाता है कि शनिवार को पीपल के पास इस उपाय को करने से व्यक्ति को भगवान शिव और शनिदेव की विशेष कृपा भी प्राप्त हो सकती है। साथ ही, जीवन से नकारात्मकता दूर होने लगती है।

धन लाभ के लिए करें यह उपाय

इसके लिए शनिवार के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नानादि कर लें और फिर एक लोटा जल में थोड़ा दूध और गुड़ मिलाएं। आप इस जल में कुछ काले तिल के दाने भी डाल सकते हैं। इसके बाद, पीपल के वृक्ष की जड़ में इस जल को अर्पित करें और फिर, कम से कम 7 बार परिक्रमा करें। इस दौरान 'ओम शनैश्चराय नमः' मंत्र का जाप भी जरूर करें। इस उपाय को करना बहुत फलदायी माना जाता है। अगर आप विधि-पूर्वक शनिवार को यह काम करते हैं, तो इससे जीवन खुशियों से भर सकता है और शनि दोष से भी राहत मिल सकती है। पीपल के वृक्ष के पास इस उपाय को करने के बाद जीवन में सफलता और धन लाभ की कामना भी अवश्य करें। इससे आर्थिक तंगी से निजात मिलती है और धन लाभ के योग बनने लगते हैं।

जीवन से कष्ट दूर करने का उपाय

ज्योतिषशास्त्र के अनुसार, शनिवार को शाम के समय शनिदेव की पूजा के साथ-साथ पीपल के वृक्ष की पूजा भी जरूर करनी चाहिए। इसके लिए सूर्यास्त के समय साफ वस्त्र धारण करने के बाद पीपल के पेड़ की जड़ के पास जल जरूर अर्पित करें। अब एक सरसों के तेल का दीपक भी वहां प्रज्वलित कर दें। इस उपाय को करने से व्यक्ति को जीवन के कष्टों से मुक्ति मिल सकती है। अगर आपके जरूरी कार्यों में बार-बार बाधाएं आती हैं, तो शनिवार के दिन यह आसान उपाय जरूर आजमाएं। इससे बिगड़े हुए काम भी बनने लगते हैं और जीवन में तरक्की के नए मार्ग खुलते हैं।

जीवन में सफलता पाने का उपाय

शनिवार के दिन शनिदेव के साथ-साथ हनुमानजी की पूजा करना भी बहुत शुभ और फलदायी माना जाता है। ऐसे में शनिवार को सूर्यास्त के समय पीपल के पेड़ के पास एक दीपक जलाकर उसके सामने आसन बिछाकर बैठ जाएं। अब मन और दिमाग शांत करके श्रद्धापूर्वक हनुमान चालीसा का पाठ करें। इस उपाय को हर शनिवार के दिन करने से व्यक्ति की मनोकामनाएं पूर्ण हो सकती हैं और बजरंगबली की कृपा से जीवन में सफलता हासिल हो सकती है। माना जाता है कि शनिवार को पीपल के वृक्ष के पास हनुमान चालीसा पढ़ने से जीवन के भय से मुक्ति मिल सकती है और घर में हमेशा सुख-समृद्धि बनी रहती है।

कर्ज से मुक्ति और करियर में उन्नति का उपाय

शास्त्रों में शनिवार के दिन कुछ चीजों का दान करना भी विशेष रूप से फलदायी माना गया है। इसके लिए आप शनिदेव की पूजा करने के साथ-साथ पीपल के वृक्ष के नीचे किसी जरूरतमंद या गरीबों को काले तिल, काले रंग के वस्त्र आदि दान कर सकते है। ऐसा करने से व्यक्ति को भारी से भारी कर्ज से मुक्ति मिल सकती है और शनिदेव प्रसन्न होते हैं। माना जाता है शनिवार को पीपल के वृक्ष के पास इन चीजों का दान करने से व्यक्ति को करियर और कारोबार में उन्नति हासिल हो सकती है। साथ ही, घर का माहौल सदैव खुशनुमा बना रहता है।

फिल्म सिर्फ तुम के 26 साल पूरे, अनीस बज्मी बोले

कुछ कहानियां कभी पुरानी नहीं होती

फिल्म निर्माता-निर्देशक अनीस बज्मी की साल साल 1999 में रिलीज हुई फिल्म 'सिर्फ तुम' को सिनेमाघरों में रिलीज हुए 26 साल हो चुके हैं। सोशल मीडिया पर पोस्ट कर बज्मी ने बताया कि कुछ कहानियां कभी पुरानी नहीं होती हैं।

अभिनेता संजय कपूर और प्रिया गिल स्टारर फिल्म के पोस्टर को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए अनीस ने कैप्शन में लिखा, 'सिर्फ 'सिर्फ तुम' को 26 साल हो गए हैं। कुछ कहानियां कभी पुरानी नहीं होतीं। ये दिलों में और गहरी होती जाती हैं। इस फिल्म का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद खास है, यह एक आशीर्वाद की तरह है। दर्शकों के प्यार के लिए आभारी हूं।

1999 में रिलीज हुई 'सिर्फ तुम' में संजय कपूर और प्रिया गिल के साथ जैकी श्रॉफ, मोहनीश बहल और सुष्मिता सेन भी अहम भूमिकाओं में हैं। नदीम-श्रवण के मधुर संगीत से सजी यह फिल्म 1996 की तमिल फिल्म 'कदल कोट्टई' की रीमेक थी।

फिल्म की कहानी यह दीपक और आरती नाम के एक ऐसे जोड़े की प्रेम कहानी है, जो एक-दूसरे से कभी नहीं मिले, लेकिन खत के जरिए प्रेम में पड़ जाते हैं। दोनों को एक-दूसरे का

पता नहीं होता, फिर भी उनकी भावनाएं आपस में जोड़ी होती हैं। तमाम मुश्किलों के बाद दोनों अंत में एक-दूसरे से मिल जाते हैं।

अनीस बज्मी ने 1995 में 'हलचल' के साथ निर्देशन की दुनिया में कदम रखा था। लेकिन, 1998 में 'प्यार तो होना ही था' से उन्हें पहली बार बड़ी सफलता मिली। इसके बाद उन्होंने 'नो एंट्री', 'वेलकम', 'सिंह इज किंग', 'रेडी', 'वेलकम बैक', 'भूल भुलैया 2' और 'भूल भुलैया 3' जैसी सफल फिल्में दीं।

वहीं, फिल्म में दीपक का किरदार निभाने वाले अभिनेता संजय कपूर ने साल 1995 में 'प्रेम' के साथ बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इसके बाद वह 'राजा', 'औजार', 'मोहब्बत' और 'सिर्फ तुम' जैसी फिल्मों में उन्होंने मुख्य भूमिका निभाई।

द ट्रेटर्स एक ऐसा मंच, जहां किसी तरह के दिखावे की जरूरत नहीं : अपूर्वा मखीजा

मशहूर कंटेंट क्रिएटर अपूर्वा मखीजा रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स' में नजर आ रही हैं। इस शो में हिस्सा लेने की वजह बताते हुए अपूर्वा ने बताया कि यह उनके लिए एक ऐसा मंच है, जहां उन्हें किसी भी तरह का दिखावा करने की जरूरत नहीं है। वह अपनी असली पहचान के साथ इस मंच पर खेल सकती हैं।

करण जौहर इस शो को होस्ट कर रहे हैं, जिसके आगे के खेल को लेकर वह उत्साहित हैं। समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में अपूर्वा ने कहा, मैंने 'द ट्रेटर्स' के लिए हां इसलिए कहा क्योंकि यह एक ऐसा मंच है, जहां मुझे किसी भी तरह के दिखावे की जरूरत नहीं है।

उन्होंने बताया कि वह हमेशा अपने सोशल मीडिया कंटेंट में ईमानदार रही हैं, और यह शो एक तरह से उसी का विस्तार है।

अपूर्वा ने शो को जिंदगी की तरह कई रोमांचक मोड़ और भावनाओं से भरा बताया। वे इस नए मंच पर अपने प्रशंसकों, जिन्हें वे प्यार से क्यूट लिटिल रेड फ्लैग्स कहती हैं, के सामने नई छवि पेश करने को लेकर उत्साहित लेकिन थोड़ा नर्वस भी हैं। वह उम्मीद करती हैं कि दर्शक उन्हें इस अलग तरह के माहौल में भी वही अपूर्वा के रूप में देखेंगे।

'द ट्रेटर्स' में अंशुला कपूर, महीप कपूर, करण कुंद्रा, राज कुंद्रा, जैस्मिन भसीन, आशीष विद्यार्थी, लक्ष्मी मांचू, रफ्तार, साहिल सलाठिया जैसे कई सितारे मुख्य भूमिकाओं में हैं। इस शो में कुछ खिलाड़ी इनोसेंट होते हैं, जिन्हें ट्रेटर्स यानी गुप्त रूप से चुने गए धोखेबाजों को पहचानकर बाहर करना होता है।

यह शो प्राइम वीडियो पर 12 जून को रिलीज हो चुका है, जिसका निर्माण बीबीसी स्टूडियोज इंडिया प्रोडक्शंस और ऑल 3 मीडिया इंटरनेशनल ने संयुक्त रूप से मिलकर किया है। यह शो आईडीटीवी के बाफ्टा और एमी पुरस्कार विजेता फॉर्मेट का भारतीय रूपांतरण है।

अपूर्वा पहले 'नादानियां', 'बात पक्की' और 'हू इज योर गायनैक' जैसे प्रोजेक्ट्स में भी काम कर चुकी हैं।

कृतिका कामरा को अनुषा की फिल्म में काम करना क्यों लगा खास?

मशहूर एक्ट्रेस कृतिका कामरा ने दिल्ली में अनुषा रिजवी की आने वाली फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है। फिल्म में जूही बब्बर, श्रेया धनवंतरी और कई अनुभवी महिला कलाकार शामिल हैं। इसको लेकर एक्ट्रेस ने कहा कि ऐसा सेट उनके लिए बेहद खास होता है, जहां सिर्फ महिलाएं कैमरे के सामने ही नहीं, बल्कि पीछे भी काम कर रही होती हैं।

कृतिका ने कहा, ''यह बहुत खास बात है जब आप ऐसे सेट पर होते हैं, जहां महिलाएं सिर्फ कैमरे के सामने ही नहीं होतीं, बल्कि हर जगह, जैसे निर्देशन, प्रोडक्शन, कॉस्ट्यूम डिजाइन में भी शामिल होती हैं। अनुषा रिजवी के साथ काम करना वाकई एक उपहार जैसा था।''

एक्ट्रेस ने कहा कि उन्होंने पिछले कुछ सालों में कैमरे के सामने और पीछे कई अद्भुत महिला कलाकारों के साथ काम किया है।

उन्होंने आगे कहा, ''इस फिल्म के साथ, अनुषा एक बहुत ही मजबूत सोच लेकर आई हैं और एक ऐसा माहौल बनाया है, जहां सब मिलकर काम कर सकते हैं। जब इतनी ताकतवर महिलाएं एक साथ आती हैं, तो एक खास ऊर्जा पैदा होने लगती है जो सभी को प्रेरित करती है, संभालती है और बहुत कुछ सिखाती है। हम सिर्फ कहानी नहीं बता रहे, बल्कि अपनी असली जिंदगी के अनुभव भी एक-दूसरे के साथ बांट रहे हैं, एक-दूसरे की मदद कर रहे हैं और एक-दूसरे को आगे बढ़ा रहे हैं।''

उन्होंने कहा, ''यह कुछ ऐसा है जो मैंने हमेशा महिलाओं के साथ काम करते हुए महसूस किया है। मुझे बहुत खुशी होती है कि मैं ऐसे खास काम का हिस्सा बन पाई हूं।''

बता दें कि अनुषा रिजवी की फिल्म का

टाइटल अभी तय नहीं किया गया है। इसकी शूटिंग दिल्ली के कई खास जगहों पर की गई है और अब यह फिल्म पोस्ट-प्रोडक्शन में है। कृतिका के पास एक और प्रोजेक्ट है, जिसका नाम है 'मटका किंग', इसमें उनके साथ विजय वर्मा मुख्य भूमिका में हैं।वेब सीरीज 'मटका किंग' को नागराज मंजुले ने निर्देशित किया है, जिन्होंने 'सैराट' और 'फ्रैंड्री' जैसी फिल्में बनाई हैं।

वसुधा में राजस्थानी दुल्हन बनी मनदीप कौर

आईने में खुद को देख खुशी से झूम उठी एक्ट्रेस

अभिनेत्री मनदीप कौर टीवी शो वसुधा में एक राजस्थानी दुल्हन का किरदार निभा रही हैं और दर्शकों का मनोरंजन कर रही हैं। अपने किरदार को लेकर उन्होंने कहा कि वह इस लुक को लेकर सच में बहुत उत्साहित थीं, क्योंकि यह पहली बार है, जब वह ऐसा लुक अपना रही हैं। हाल के एपिसोड में, मेघा का किरदार निभा रहीं मनदीप कौर ने एक राजसी राजस्थानी दुल्हन का रूप अपनाया।

मनदीप कौर ने कहा, यह पहली बार था जब मैंने राजस्थानी दुल्हन का लुक अपनाया। मैं सच में बहुत उत्साहित थी। मैंने क्रिएटिव टीम के साथ बैठकर समझा कि वे मेघा के लुक को कैसे दिखाना चाहते हैं और मैंने भी कुछ सुझाव दिए।

एक्ट्रेस ने गहरे लाल रंग का लहंगा पहना, जिस पर सुंदर और बारीक सुनहरी कढ़ाई की गई थी। उन्होंने पारंपरिक राजस्थानी स्टाइल का दुपट्टा भी कैरी किया था। अपने लुक को पूरा करने के लिए उन्होंने पारंपरिक कुंदन गहने पहने, जिनमें नथ, चोकर, कई हार, बोरला मांग टीका, चूड़ियां और कमरबंध शामिल थे।

मनदीप ने कहा, मुझे लगा कि कमरबंध और पारंपरिक तरीके से दुपट्टा पहनना लुक को और भी असली बनाएगा। जब मैंने अपने आप को आईने में देखा, तो ऐसा लगा जैसे कोई सपना सच हो गया हो। भले ही कपड़े भारी और कई परतों वाले थे, लेकिन किरदार में जाने से सब कुछ बहुत खूबसूरती से जुड़ गया। यह मेरे सामान्य लुक से एक ताजा बदलाव था, और मुझे बहुत पसंद आया कि यह लुक कितना पारंपरिक और शाही लग रहा था। 'वसुधा' की मुख्य भूमिका में प्रिया ठाकुर हैं। वह हिमाचल प्रदेश की रहने वाली हैं। उन्होंने 'सांझा सूफना', 'मोहरे' और 'प्रचंड अशोका' जैसे प्रोजेक्ट्स में काम किया है।

वहीं, नुशीन अली सरदार और अभिषेक शर्मा भी अहम किरदार निभा रहे हैं। नुशीन के बारे में बात करें तो उन्हें 'कुसुम' सीरियल से लोकप्रियता हासिल हुई। अभिषेक 'निमकी मुखिया', 'इमली' और 'निमकी विधायक' जैसे शो में अपने काम के लिए जाने जाते हैं। 'वसुधा' शो जी टीवी चैनल पर प्रसारित होता है।

दिशा पाटनी के जन्मदिन पर मौनी रॉय का स्पेशल पोस्ट, कहा

जिंदगी में खुशियां लाने के लिए शुक्रिया

अभिनेत्री दिशा पाटनी शुक्रवार को अपना 33वां जन्मदिन मना रही हैं। इस मौके पर उनकी सबसे अच्छी दोस्त मौनी रॉय ने उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। मौनी ने दिशा को 'बेस्टमेट' का टैग देते हुए एक्ट्रेस को हर दिन उनका हालचाल जानने के लिए धन्यवाद दिया। मौनी ने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें और वीडियो शेयर किए, जिनमें दोनों छुट्टियां मनाते हुए और साथ में खास पल बिताते हुए नजर आ रही हैं।

मौनी ने कहा, मेरी रहस्यमयी, जिंदादिली और सबसे खूबसूरत छोटी बहन को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। मेरी सबसे अच्छी दोस्त और राजकुमारी, मैं तुम्हारी सभी खूबियों से प्यार करती हूं, जो तुम्हें खास बनाती हैं।उन्होंने पोस्ट में आगे लिखा, चाहे मौसम जैसा भी हो, मेरी जिंदगी में खुशियां और हंसी लेकर आने के लिए धन्यवाद। चाहे तुम दुनिया के किसी भी देश में हो, हर दिन मेरा हाल-चाल पूछने के लिए भी शुक्रिया। बहुत आसानी से और सबसे अच्छी दोस्त बनने के लिए भी शुक्रिया।मौनी ने कहा कि दिशा के साथ लाइफ मजेदार और पागलपन से भरी होती है।

एक्ट्रेस ने अपने पोस्ट में आगे कहा, मैं दुआ करती हूं कि भगवान तुम्हें वह सब कुछ दे जो तुम्हारा ज्यादा सोचने वाला दिमाग और बहुत प्यार करने वाला दिल चाहता है। मैं तुमसे इतना प्यार करती हूं जितना तुम सोच भी नहीं सकती। बता दें कि दिशा इंडस्ट्री की सफल अभिनेत्रियों में से एक हैं। वहीं उनकी गिनती उन हस्तियों में भी की जाती है, जो फिट रहती हैं और अपने फिगर को मेंटेन रखती हैं।

दिशा का जन्म 13 जून 1992 को उत्तर प्रदेश के बरेली में हुआ। उन्होंने पढ़ाई भी बरेली से ही पूरी की। उनकी मां जहां मेडिकल सेक्टर में हैं, वहीं पिता पुलिस में हैं।दिशा ने अभिनय की शुरुआत साल 2015 में तेलुगू फिल्म 'लोफर' से की थी, जिसमें अभिनेता वरुण तेज मुख्य भूमिका में थे। इसके बाद उन्होंने साल 2016 में स्पोर्ट्स बायोपिक 'एमएस धोनी: द अनटोल्ड स्टोरी' के साथ बॉलीवुड में डेब्यू किया।इसके बाद वह 'कुंग फू योगा', 'वेलकम टू द न्यूयॉर्क', 'बागी 2', 'भारत', 'मलंग', 'एक विलेन रिटर्न्स', 'योद्धा', 'राधे' समेत अन्य फिल्मों में नजर आईं। बॉलीवुड, साउथ के साथ ही वह हॉलीवुड में भी काम कर चुकी हैं।

फिटनेस फ्रीक दिशा पाटनी, फैंस को अक्सर सिखाती हैं नए-नए ट्रिक्स

पहली हिंदी फिल्म 'एमएस धोनी: द अनटोल्ड स्टोरी' में सीधी-सादी लड़की यानी 'प्रियंका झा' का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री दिशा पाटनी डेब्यू के साथ ही दर्शकों के दिलों में जगह बनाने में कामयाब रहीं। हालांकि, 'हिट कम और फ्लॉप ज्यादा' की जकड़ में आई अभिनेत्री के लिए अभिनय का सफर भले ही मुश्किल भरा रहा हो, वह एक सफल फिटनेस फ्रीक हैं।13 जून को अभिनेत्री का 32वां जन्मदिन है। दिशा फिटनेस फ्रीक हैं और सोशल मीडिया पर अक्सर फिटनेस और हेल्थ से जुड़े वीडियोज को शेयर करती रहती हैं। वह प्रतिदिन जिम में वर्कआउट करने के साथ ही खास डाइट प्लान को भी अपनाती हैं और अक्सर प्रशंसकों को इसकी सलाह देती हैं।

दिशा बेहतरीन किक बॉक्सिंग भी करती हैं। वह कार्डियो एक्सरसाइज जैसे डांसिंग, जिम्नास्टिक में भी ट्रेंड हैं। अभिनेत्री ने एक पोस्ट के जरिए बताया कि वह सिर्फ जिम ही नहीं जातीं बल्कि, मेंटल फिटनेस पर भी काम करती हैं और इसके लिए उन्होंने मेडिटेशन को अपनी रूटीन का हिस्सा बनाया है।

एक अन्य पोस्ट में अभिनेत्री ने बताया कि वह जंक फूड और प्रोसेस्ड चीजों से कोसों दूर रहती हैं। उनका मानना है कि ऐसी चीजों को खाने से बेहतर है कि हम हरी सब्जियों, फलों और अन्य हेल्दी चीजों को डाइट में शामिल करें।हेल्दी डाइट के साथ ही दिशा जिम में हार्डकोर वर्कआउट भी करती हैं। वह डांस, जिम्नास्टिक, किक बॉक्सिंग के साथ ही वेट लिफ्ट का अभ्यास भी करती हैं। इसके अलावा उन्हें स्विमिंग करना बेहद पसंद है, जिसके लिए वह समय निकालती हैं।

दिशा खुद को शारीरिक और मानसिक रूप से फिट रखने के लिए योग और ध्यान का भी सहारा लेती हैं। दिशा का जन्म 13 जून 1992 को उत्तर प्रदेश के बरेली में हुआ। उन्होंने पढ़ाई भी बरेली से ही पूरी की। उनकी मां जहां मेडिकल सेक्टर में हैं, वहीं पिता पुलिस में हैं।दिशा की गिनती उन हस्तियों में की जाती है, जो फिट रहती हैं और अपने फिगर को भी मेंटेन रखती हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपको कामकाम के मोर्चे पर धक्का लग सकता है, क्योंकि आपकी सेहत आपके साथ नहीं है और इसके चलते आपको कोई ज़रूरी काम अधर में ही छोड़ना पड़ सकता है। ऐसे हालात में धैर्य और होशियारी से काम लें। जो लोग लघु उद्योग करते हैं उन्हें आज के दिन अपने किसी करीबी की कोई सलाह मिल सकती है जिससे उन्हें आर्थिक लाभ होने की संभावना है। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। आपको अपनी ओर से सबसे अच्छा बर्ताव करने की ज़रूरत है, जब आपको लगता है कि आपके पास घर वालों या अपने दोस्तों के लिए टाइम नहीं है तो आपका मन खराब हो जाता है ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपका बच्चों जैसा भोला स्वभाव फिर सतह पर आ जाएगा और आप शरारती मनोदशा में होंगे। जेवर और एंटीक में निवेश फ़ायदेमंद रहेगा और समृद्धि लेकर आएगा। बच्चे को अपनी उम्मीदों के मुताबिक़ प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित करें। हालाँकि किसी चमत्कार की उम्मीद न करें। आपका प्रोत्साहन निश्चित तौर पर बच्चे का आत्मविश्वास बढ़ाएगा।धन को इतनी अहमियत न दें कि आपके रिश्ते ही खराब हो जाएँ। यह बात याद रखें कि धन मिल सकता है लेकिन रिश्ते नहीं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

अगर आप यात्रा पर जाने वाले हैं तो अपने कीमती सामान का ध्यान रखें उसके चोरी होने की संभावना है। खासकर अपने पर्स को आज बहुत संभालकर रखें। घर पर कोशिश करें कि कोई आपकी वजह से आहत न हो और परिवार की ज़रूरतों के मुताबिक़ ख़ुद को ढालें। आज आपके पास लोगों से मिलने–जुलने का और अपने शौक़ पूरे करने का पर्याप्त खाली वक़्त है । जीवनसाथी के साथ आपका रिश्ता मज़बूत होगा। जब आपके पास ज़्यादा खाली समय हो, तो नकारात्मक विचार आपको ज़्यादा परेशान करते हैं। अतः सकारात्मक पुस्तकें पढ़ें ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

मौज–मस्ती और मनपसंद काम करने का दिन है। आज आपकी कोई बुरी आदत आपके प्रेमी को बुरी लग सकती है और वो आपसे नाराज हो सकते हैं। आज आप कोई नई पुस्तक खरीदकर किसी कमरे में खुद को बंद करके पूरा दिन गुजार सकते हैं। जीवनसाथी के साथ हँसते–खिलखिलाते, हर पल के मज़े लेते हुए आप महसूस करेंगे कि आप किशोरावस्था में लौट गए हैं। आध्यात्म की ओर आज आपका झुकाव देखा जा सकता है और आप किसी आध्यात्मिक गुरु से मिलने जा सकते हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

अपने नकारात्मक रवैये के चलते आप प्रगति नहीं कर पा रहे हैं। जो लोग अब तक पैसे को बेवजह खर्च कर रहे थे आज उन्हें समझ आ सकता है कि पैसे की जीवन में क्या अहमियत है क्योंकि आज अचानक आपको पैसे की जरुरत पड़ेगी और आपके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। आपका अड़ियल स्वभाव आपके माता–पिता का चैन छीन सकता है। बिना किसी को बताए आज आप अकेले वक्त बिताने घर से बाहर जा सकते हैं। लेकिन आप अकेले तो होंगे लेकिन शांत नहीं आपके दिल में आज के दिन कई चिंताएं हैं होंगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अगर मुमकिन हो तो लम्बे सफ़र पर जाने से बचें, क्योंकि लम्बी यात्राओं के लिए अभी आप कमज़ोर हैं और उनसे आपकी कमज़ोरी और बढ़ेगी। किसी भी तरह का निवेश करने से पहले उस व्यक्ति के बारे में भली–भांति जाँच–पड़ताल कर लें। दोस्तों के साथ शाम को घूमने बाहर जाएँ, इससे आपको बहुत फ़ायदा होगा। आज आप अपने प्रेमी के साथ कहीं घूमने का प्लान बनाएंगे लेकिन किसी जरुरी काम के आने की वजह से यह प्लान कामयाब नहीं हो पाएगा जिसकी वजह से आप दोनों के बीच कहासुनी हो सकती है। आज अचानक तबीयत खराब हो सकती है जिससे आप सारे दिन भर परेशान रह सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज इस राशि के कुछ बेरोजगार लोगों को नौकरी मिल सकती है जिससे उनकी आर्थिक स्थिति सुधरेगी। आपमें से कुछ गहने या घरेलू सामान ख़रीद सकते हैं। बेवजह का शक रिश्तों को खराब करने का काम करता है। आपको भी अपने प्रेमी पर शक नहीं करना चाहिए। यदि किसी बात को लेकर आपके मन में उनके प्रति संशय है तो उनके साथ बैठकर हल निकालने की कोशिश करें। शाम का वक्त अच्छा रहे इसके लिए आपको दिनभर मन लगाकर काम करने की जरुरत है। लंबे समय से कामकाज का दबाव आपके वैवाहिक जीवन के लिए कठिनाई खड़ा कर रहा है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आपका स्पष्ट और निडर नज़रिया आपके दोस्त के अहम्को ठेस पहुँचा सकता है। आज आप आसानी से पैसे इकट्ठा कर सकते हैं– लोगों को दिए पुराने कर्ज़ वापिस मिल सकते हैं– या फिर किसी नयी परियोजना पर लगाने के लिए धन अर्जित कर सकते हैं। आप–को ख़ुश रखने के लिए आपके बच्चे जो कुछ बन पड़ेगा, वह करेंगे। अगर आप यात्रा कर रहें है तो सभी ज़रूरी दस्तावेज़ साथ रखना न भूलें। अपने जीवनसाथी के चलते आप महसूस करेंगे कि स्वर्ग धरती पर ही है। माता के साथ आज आप अच्छा समय बिता सकते हैं, आज वो आपसे आपकी बचपन की बातें शेयर कर सकती हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अपने स्वास्थ्य को लेकर ज़्यादा चिंता न करें, क्योंकि इससे आपकी बीमारी और बिगड़ सकती है। आज के दिन आपको अपने उन दोस्तों से बचकर रहने की जरुरत है जो आपसे उधार मांगते हैं और फिर उसे लौटाते नहीं हैं। आप–को बच्चों या ख़ुद से कम अनुभवी लोगों के साथ धैर्य से काम लेने की ज़रूरत है। जो लोग अपने प्रेमी से दूर रहते हैं उन्हें आज अपने प्रेमी की याद सता सकती है। आज लोग आपकी वह प्रशंसा करेंगे, जिसे आप हमेशा से सुनना चाहते थे। किसी दोस्त की सहायता करके आज आप अच्छा महसूस कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

लंबे समय से चली आ रही अपनी बीमारी का इलाज अपनी मुस्कान से करें, क्योंकि यह सभी परेशानियों की सबसे कारगर दवा है। बीते दिनों में जितना धन आपने आज को बेहतर बनाने के लिए इनवेस्ट किया था उसका फायदा आज आप–को फायदा मिल सकता है। एक पारिवारिक आयोजन में आप सभी के ध्यान का केन्द्र होंगे। कोई आपको दिल से सराहेगा। शादीशुदा ज़िन्दगी के नज़रिए से चीज़ें काफ़ी अच्छी रहेंगी। जीवन की उलझनों का हल आपको खुद ढूंढने की जरुरत है क्योंकि लोग आपको बस सलाह दे सकते हैं और कुछ नहीं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आउटडोर खेल आपको आकर्षित करेंगे– ध्यान और योग आपको फ़ायदा पहुँचाएंगे। आज किसी करीबी से आपका झगड़ा हो सकता है और बात कोर्ट कचहरी तक जा सकती है। जिसकी वजह से आपका अच्छा खास धन खर्च हो सकता है। नाती–पोतों से आज काफ़ी ख़ुशी मिल सकती है। व्यक्तिगत मार्गदर्शन आपके रिश्ते में सुधार लाएगा। परोपकार और सामाजिक कार्य आज आपको आ–कर्षित करेंगे। अगर आप ऐसे अच्छे कामों में थोड़ा समय लगाएँ, तो काफ़ी सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपनी बीमारी के बारे में चर्चा करने से बचें। ख़राब तबियत से ध्यान हटाने के लिए कोई और दिलचस्प काम करें। क्योंकि इस बारे में आप जितनी ज़्यादा बातें करेंगे, उतनी ही ज़्यादा तकलीफ़ आपको होगी। आपके पिता की कोई सलाह आज कार्यक्षेत्र में आपको धन लाभ करा सकती है. ऐसे काम करें जिनसे आपको ख़ुशी मिले, लेकिन दूसरों के मामलों में दख़लअंदाज़ी से बचें। अपने घर परिवार के साथ समय बिताने की जरुरत है। आपका जीवनसाथी आपको इतना बेहतरीन पहले कभी महसूस नहीं हुआ। आपको उनसे कोई बढ़िया सरप्राइज़ मिल सकता है।

आज का पंचांग

दिनांक : 14 जून 2025 , शनिवार
विक्रम संवत : 2082
मास : आषाढ़ , कृष्ण पक्ष
तिथि : तृतीया सायं 03:49 तक
नक्षत्र : उत्तराषाढा रात्रि 12:22 तक
योग : ब्रह रात्रि 01:12 तक
करण : बव सायं 06:06 तक
चन्द्रराशि : मकर
सूर्योदय : 05:41, सूर्यास्त 06:51 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:53 , सूर्यास्त 06:46 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:44 , सूर्यास्त 06:40 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:34 ,सूर्यास्त 06:40 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : चतुर्थी व्रत चन्द्रोदय रात्रि 09:35 से ,
भद्रा सायं 03:47 तक

※ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ※
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर हरियाणा बनाएगा वर्ल्ड रिकॉर्ड : सैनी

चंडीगढ़, 13 जून (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि इस बार 21 जून को मनाया जाने वाला 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस प्रदेश के लिए ऐतिहासिक होगा। योग दिवस पर राज्य के सभी 22 जिलों और 121 खंडों में एक साथ योग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन आयोजनों में 11 लाख से अधिक लोगों के शामिल होने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

उन्होंने बताया कि इस वर्ष राज्य स्तरीय मुख्य कार्यक्रम कुरुक्षेत्र के पावन ब्रह्मसरोवर पर आयोजित होगा, जहां एक लाख से अधिक लोग एक साथ योगाभ्यास करेंगे। योगगुरु बाबा रामदेव भी इस अवसर पर स्वयं उपस्थित रहेंगे और योगाभ्यास कराएंगे। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि इस आयोजन के माध्यम से हरियाणा नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित करेगा।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पंचकूला के भारत–तिब्बत सीमा पुलिस बल (आईटीबीपी) के भानू स्थित प्राथमिक प्रशिक्षण केंद्र में आयुष विभाग, हरियाणा योग आयोग और आईटीबीपी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण शिविर को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर आईटीबीपी के जवानों तथा अन्य अधिकारियों ने भी भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत में हाल ही में अहमदाबाद में हुए विमान हादसे में मृतकों की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सीमा पर तैनात हमारे जवान कठिन परिस्थितियों में देश की सेवा करते हैं। योग उनके लिए मानसिक व शारीरिक मजबूती का साधन है। उन्होंने कहा कि हरियाणा योग आयोग इस दिशा में बेहतरीन कार्य कर रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि योग केवल स्वास्थ्य नहीं बल्कि अनुशासन, एकता और मनोबल भी सिखाता है। मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि 27 मई से प्रदेशभर में योग कार्यक्रमों का आयोजन शुरू हो चुका है। अब तक लगभग 15 लाख 60 हजार से अधिक लोग योग कार्यक्रमों में भाग ले चुके हैं। 61 हजार से ज्यादा औषधीय पौधे लगाए गए हैं और 21 जून तक 10 लाख औषधीय पौधे वितरित करने का लक्ष्य है। योग जागरूकता यात्रा राज्य के 5,000 गांवों तक पहुँच रही है। इसके अतिरिक्त पतंजलि योगपीठ, भारतीय योग संस्थान, ब्रह्मकुमारी, आर्ट ऑफ लिविंग जैसी संस्थाएं प्रदेश में 2,500 स्थानों पर योग शिविर आयोजित कर रही हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि योग दिवस के लिए विशेष पोर्टल तैयार किया गया है, जिस पर अब तक 7 लाख 65 हजार 500 से अधिक लोग पंजीकरण कर चुके हैं। हरियाणा सरकार ने 714 व्यायामशालाएं बनवाई हैं, जिनमें 877 आयुष योग सहायकों की नियुक्ति की गई है। सभी व्यायामशालाओं में 21 जून को योग दिवस के विशेष कार्यक्रम होंगे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से पूरी दुनिया में योग का प्रचार–प्रसार हुआ है। योग अब वैश्विक संस्कृति का हिस्सा बन चुका है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर उपस्थितजनों को 'योग युक्त–नशा मुक्त हरियाणा' का संकल्प भी दिलाया। साथ ही 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत प्रशिक्षण केंद्र परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण सरंक्षण का संदेश दिया।

रेवाड़ी में गौ रक्षक शहीद सोनू सरपंच के नाम पर बनेगा चौक

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी कल करेंगे उद्घाटन

रेवाड़ी 13 जून (एजेंसियां)। जिले में गौ रक्षक शहीद देवेंद्र यादव उर्फ सोनू सरपंच की शहादत को अमर करने के लिए दिल्ली रोड पर चौक का निर्माण किया जाएगा। इस चौक का शिलान्यास हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी 15 जून 2025 को प्रस्तावित धन्यवाद रैली के दौरान करेंगे। यह जानकारी गौ रक्षक शहीद देवेंद्र यादव फिदेड़ी सम्मान समिति रेवाड़ी के संयोजक रविंद्र आशावादी ने प्रेस वार्ता के दौरान दी।

आशावादी ने बताया कि शहीद सोनू सरपंच के नाम पर बनने वाला यह चौक अपने आप में विश्व का पहला ऐसा चौक होगा, जो गौ रक्षा के लिए प्राण न्यौछावर करने वाले किसी रक्षक के नाम समर्पित होगा। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार से शहीद की पत्नी को पक्की नौकरी देने की मांग की गई है, जिस पर जल्द निर्णय लिया जा सकता है।

उन्होंने इस निर्णय के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह तथा विधायक लक्ष्मण सिंह यादव के प्रति आभार व्यक्त किया, जिनके सहयोग से यह पहल साकार हो रही है। विश्व हिंदू परिषद के जिला मंत्री व समिति सदस्य राजकुमार यादव ने कहा कि सभी को याद है कि 15 जून 2024 को मेवात क्षेत्र के दिल्ली–मुंबई एक्सप्रेसवे पर गौ तस्करों के साथ मुठभेड़ में शहीद सोनू सरपंच को गोलियां लगी थीं। 51 दिन तक मेदांता अस्पताल में इलाज के बाद भी वह जीवन की जंग हार गए थे। उनके अंतिम संस्कार में दिल्ली–एनसीआर से हजारों गौ भक्त पहुंचे थे।

इसके बाद 10 अगस्त 2024 को रेवाड़ी अनाज मंडी में महापंचायत हुई, जिसमें हजारों लोगों ने सरकार से उनकी शहादत को सम्मान देने की मांग रखी थी। 11 अगस्त को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी खुद उनके घर पहुंचे और श्रद्धांजलि अर्पित की थी।

ऊर्जा मंत्री अनिल विज का एक्शन

15 दिन से खराब ट्रांसफार्मर न बदलने पर जेई सस्पेंड

चंडीगढ़ 13 जून (एजेंसियां)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने बिजली आपूर्ति में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। उन्होंने अंबाला छावनी के चंदपुरा गांव में 15 दिनों से खराब पड़े बिजली के ट्रांसफार्मर को न बदलने के आरोप में अम्बाला इंडस्ट्री एरिया सब डिवीजन के कनिष्ठ अभियंता (जेई) संजय कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई चंदपुरा गांव के ग्रामीणों द्वारा ऊर्जा मंत्री अनिल विज को दी गई शिकायत के बाद की गई। ग्रामीणों ने शिकायत में बताया था कि उनके गांव में बिजली का ट्रांसफार्मर कई दिनों से खराब पड़ा है, जिसकी शिकायत उन्होंने लगभग 15 दिन पहले जेई संजय कुमार से की थी। इसके बावजूद, ट्रांसफार्मर को न तो ठीक किया गया और न ही बदला गया, जिससे ग्रामीण बिजली संकट का सामना कर रहे थे। विज ने इस शिकायत को गंभीरता से लिया और त्वरित कार्रवाई करते हुए जेई को निलंबित करने के निर्देश दिए। गौरतलब है कि ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने पहले ही बिजली निगम के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दे रखे हैं कि शहरी क्षेत्रों में खराब ट्रांसफार्मर को एक घंटे के भीतर ठीक या बदलकर बिजली आपूर्ति बहाल की जाए, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह कार्य दो घंटे के भीतर पूरा किया जाना चाहिए।

मंत्री के हस्तक्षेप के बाद, न केवल संबंधित जेई को निलंबित किया गया है, बल्कि बिजली निगम द्वारा चंदपुरा गांव में खराब ट्रांसफार्मर को भी बदल दिया गया है, जिससे ग्रामीणों को राहत मिली है। यह कार्रवाई बिजली विभाग में जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण

जेजेपी संसदीय बोर्ड का ऐलान

डॉ.अजय सिंह चौटाला होंगे चेयरमैन

चंडीगढ़ 13 जून (एजेंसियां)। जननायक जनता पार्टी ने संगठन नवनिर्माण के तहत संसदीय बोर्ड का गठन किया है। साथ ही जेजेपी ने पांच राज्यों के प्रदेशाध्यक्ष और हरियाणा

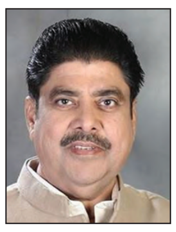

प्रदेश कार्यकारिणी के पांच वरिष्ठ पदाधिकारियों की नियुक्तियों की सूची जारी की। जेजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अजय सिंह चौटाला के नेतृत्व में जेजेपी के संसदीय बोर्ड में पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला, पूर्व विधायक गंगाराम, शीला भ्याण, राज सिंह दहिया, राजेश सूटा, कृष्ण प्रजापत गंगवा एवं सभी प्रदेश अध्यक्ष सदस्य होंगे। जेजेपी ने राजस्थान में पृथ्वीराज मील, दिल्ली में दिनेश डागर, उत्तर प्रदेश में चौधरी महेंद्र सिंह, गुजरात में बच्चन सिंह गुर्जर और पंजाब में संदीप न्यौल को प्रदेश अध्यक्ष की कमान सौंपी हैं। इनके अलावा हरियाणा जेजेपी प्रदेश कार्यकारिणी में ऋषिराज राणा और रणदीप कौल को वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया गया हैं। प्रदेश संगठन सचिव के पद पर राजेश भारद्वाज को नियुक्त किया हैं। वहीं अंजनी लडा को प्रदेश कोषाध्यक्ष और वीरेंद्र चौधरी को जेजेपी के प्रदेश प्रचार सचिव की जिम्मेदारी दी गई है।

बेकसूर छात्रों से मारपीट करने और करवाने वाले सभी दोषियों पर हो ठोस कार्रवाई : दिग्विजय चौटाला

चंडीगढ़ 13 जून (एजेंसियां)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में धरने पर बैठे विद्यार्थियों को जननायक जनता पार्टी ने समर्थन दिया है। शुक्रवार को जेजेपी के युवा प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला एचएयू में पीड़ित छात्रों से मिलने पहुंचे और उनका हालचाल जाना। उन्होंने कहा कि जेजेपी युवाओं को न्याय दिलाने के लिए पूरी तरह उनके साथ खड़ी है। दिग्विजय ने कहा कि अपने हक की बात रखने का सबको अधिकार है और कोई भी तानाशाही से युवाओं की आवाज को नहीं दबा सकता। उन्होंने कहा कि बेकसूर छात्रों के साथ मारपीट करने और करवाने वाले सभी दोषियों पर तुरंत ठोस कार्रवाई हो और विद्यार्थियों की जायज मांगों को तुरंत सुनकर समाधान होना चाहिए।

दिग्विजय चौटाला ने छात्रों को बताया कि उन्होंने इस विषय पर एसपी से बातचीत की है और बिना राजनीति के युवाओं को न्याय दिलाने की मांग की है। दिग्विजय ने कड़े शब्दों में कहा कि एचएयू के वीसी घमंड से बाहर निकले, क्योंकि युवा के पास बड़े से बड़े पद की कुर्सी को उखाड़ फेंकने की ताकत है। दिग्विजय ने कहा कि छात्रों की मांग के मद्देनजर वीसी को हटाने और पूरे घटनाक्रम को राज्यपाल के समक्ष रखने के लिए वे महामहिम राज्यपाल से मिलने का समय मांगेंगे और समय मिलने पर वे विद्यार्थियों के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ राज्यपाल से मिलेंगे। दिग्विजय चौटाला ने घटना को शर्मनाक बताते हुए कहा कि शिक्षा के मंदिर में एचएयू प्रशासन ने सरासर दमनकारी नीति अपनाई। उन्होंने कि युवा अपनी मांगों को लेकर प्रशासन से मिलना चाहते थे, लेकिन विश्वविद्यालय प्रशासन ने उनकी मांगों को सुनने की बजाय विद्यार्थियों के साथ मारपीट करवाई, जो कि युवाओं के सुनहरे भविष्य के लिए बेहद गलत है।

राजस्थान विधानसभा में सामूहिक योग 16 को

जयपुर, 13 जून (एजेंसियां)। राजस्थान विधान सभा में सोमवार को प्रातः 6:00 बजे सामूहिक योग का आयोजन होगा। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के सानिध्य में विधायकगण, विधान सभा के अधिकारी और कर्मचारी योग आसन करेंगे।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के योग दिवस को 100 दिन पूर्व से मनाये जाने के आव्हान पर राजस्थान विधान सभा में सामूहिक योगाभ्यास का आयोजन किया जा रहा है ताकि जन सामान्य में जागृति पैदा हो सके। देवनानी ने कहा कि योग सनातन की महान विरासत है।

एसएमएस अस्पताल की इमरजेंसी ओटी में आग, आधे घंटे बंद रहा ऑपरेशन थिएटर

जयपुर, 13 जून (एजेंसियां)। राजधानी के सवाई मानसिंह अस्पताल की इमरजेंसी विंग में बने ऑपरेशन थिएटर (ओटी) में शुक्रवार सुबह आग लग गई। बताया जा रहा है कि शॉर्ट सर्किट के कारण सर्जिकल डिपार्टमेंट की ओटी के पैनल बोर्ड में आग लगी। गनीमत रही कि आग ज्यादा नहीं फैली और जिस स्थान पर आग लगी वहां उस समय न कोई मरीज था और न ही स्टाफ मौजूद था।

घटना के बाद ऑपरेशन थिएटर का काम करीब आधे घंटे तक बंद रखना पड़ा। सूचना मिलते ही अस्पताल के इलेक्ट्रिशियन मौके पर पहुंचे और शॉर्ट सर्किट वाले पैनल बोर्ड की मरम्मत की गई। इसके बाद ओटी का काम सामान्य रूप से शुरू कर दिया गया।स्टाफ के मुताबिक पैनल बोर्ड में अचानक स्पार्किंग के बाद धुआं भर गया था। धुआं उठते ही वहां मौजूद गार्ड और अन्य कर्मचारियों ने सतर्कता दिखाते हुए तुरंत बिजली की सप्लाई बंद कर दी।

लघु उद्योग भारती प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री भजनलाल से की औद्योगिक समस्याओं पर चर्चा

जयपुर, 13 जून (एजेंसियां)। सूक्ष्म और लघु उद्योगों के राष्ट्रीय संगठन लघु उद्योग भारती के शीर्ष प्रतिनिधि मण्डल ने आज अखिल भारतीय संगठन महामंत्री प्रकाशचंद्र और अखिल भारतीय अध्यक्ष घनश्याम ओझा के नेतृत्व में प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों की औद्योगिक समस्याओं के व्यावहारिक निराकरण के लिये मुलाकात की जिसमें प्रमुख रूप से राजस्थान के पुराने 37 औद्योगिक क्षेत्रो को रीको में हस्तांतरित करने के विधानसभा में लम्बित बिल को पास करने, जोधपुर पाली बालोतरा, जसोल, बिठूजा में स्थित टेक्सटाइल व स्टील उद्योग से एवं पचपदरा रिफाईनरी से निकलने वाले तेजाबी व लवणीय प्रदूषित पानी के निस्तारण के लिये ड्रेन द्वारा कच्छ की खाड़ी तक पंहुचाने की वृहद् योजना बनाने, ब्यावर व भीलवाड़ा जिलें मे टाईल हब बनाने, कृषि भूमि में रूपान्तरण के बाद म्यूटेशन भरने, पचपदरा के पास रीको पेट्रोजोन हब विकसित करने, पर्यावरण स्वीकृति के लिये लम्बित प्रकरणो का शीघ्र निस्तारण करने, माईनिग क्षेत्र में ड्रोन सर्वे की पुनः समीक्षा करने, जोधपुर के आखलियों को नियमित करने, पेट्रोजोन मे छोटे उद्यमियो को वाजिब दर पर औद्योगिक शेड बनाने, बालोतरा यूआईटी की सीमा में रिंग रोड बनाने, कृषि मण्डी टैक्स व कृषक कल्याण सेस को समाप्त करने, रिसॉर्ट व होटल को पूर्ण उद्योग का दर्जा देने, होटल व रिसॉर्ट में भवन पर भी ब्याज व अनुदान देने, रीको द्वारा भूखण्ड आवंटन के बाद उद्योगो की प्रकृति बदलाव की स्वीकृति देने, राइजिंग राजस्थान के तहत् किये गये एमओयू के अन्तर्गत स्वयं की भूमि पर लगने वाले उद्योगों को शिथिलता देने, मुख्यमंत्री लघु उद्योग प्रोत्साहन योजना के तहत् लम्बित प्रकरणों की अनुदान राशि जारी करने, माईनर से मेजर उत्पादों को पुनः माईनर में करवाने के लिये केन्द्र सरकार को पत्र देने जैसे अनेक विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।

सड़क निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का रखें ध्यान तय समय में निर्माण कार्य हों पूरे : भजनलाल

जयपुर, 13 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आधारभूत ढ़ांचे के विकास से राज्य के विकास को गति मिलती है। हमारी सरकार की प्राथमिकता है कि भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए आवागमन को सरल और सुगम बनाने के लिए गुणवत्तापूर्ण सड़कों का तंत्र विकसित किया जाए।

मुख्यमंत्री शर्मा शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में सार्वजनिक निर्माण विभाग के 10 करोड़ रू. से अधिक लागत के निर्माणाधीन लंबित प्रोजेक्ट्स की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने सड़कों के सुदृढ़ीकरण एवं चौड़ाईकरण से संबंधित कार्यों में गति लाने के निर्देश देते हुए कहा कि इन कार्यों में लापरवाही बरतने पर जिम्मेदार लोगों के विरूद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य है कि हर गांव, हर कस्बा सड़क मार्ग से जुड़ा हो ताकि आवागमन में आमजन को परेशानी नहीं हो। उन्होंने कहा कि सड़कों के उन्नयन एवं मरम्मत से संबंधित कार्यों में गति लाई जाए तथा मानसून से पहले उन्हें पूरा किए जाने के प्रयास किए जाएं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विभागीय कार्यों की मॉनिटरिंग व्यवस्था को प्रभावी रूप से लागू किया जाए ताकि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित हो सके। साथ ही, उन्होंने वन विभाग सहित अन्य विभागों से संबंधित प्रक्रियाओं को समन्वय स्थापित करते हुए पूरा करने के निर्देश दिए।

बैठक में शर्मा ने आरओबी अथवा आरयूबी निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि प्रदेश को शीघ्र पूर्ण रूप से रेलवे फाटक मुक्त किया जाए। उन्होंने प्रदेश में प्रगतिरत आरओबी अथवा आरयूबी निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। बैठक में सार्वजनिक निर्माण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विभागीय प्रोजेक्ट्स की जानकारी दी।

बिहार को मिले 26 नए पुलिस उपाधीक्षक राजगीर अकादमी में दीक्षांत समारोह संपन्न

पटना (एजेंसियां)। बिहार पुलिस अकादमी राजगीर में शुक्रवार एक महत्वपूर्ण दिन था, जब 67वीं बैच के प्रशिक्षु पुलिस उपाधीक्षकों का दीक्षांत समारोह संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित महानिदेशक ए.के. अंबेडकर ने मुख्य परेड की सलामी लेते हुए राज्य को 26 नए योग्य पुलिस उपाधीक्षक सौंपे।

इस बैच में शामिल नए डीएसपी में मिथिलेश कुमार तिवारी, मोहम्मद शाहनवाज अख्तर, पौरुष अग्रवाल, ज्योति कुमारी, अभिषेक कुमार, खालिद हयात, समीर कुमार, राजन कुमार, हर्षिता रश्मि, स्नेही सोनल, मोहम्मद अब्दुल रहमान, अमरजीत तिवारी, रोशन कुमार, ईशानी सिंह, सन्नी दयाल, अंकित कुमार, अभिनव कुमार, विनय रंजन, अभिषेक चौबे, तरुण पांडे, चित्रा कुमारी, देवाशीष हंस, पिंकी कुमारी, फैसल चांद, शिवानी श्रेष्ठा और ऋषभ आनंद शामिल हैं।

समारोह को संबोधित करते हुए डीजी अंबेडकर ने अपने 33 वर्षीय सेवा अनुभव को साझा करते हुए नवनियुक्त अधिकारियों को व्यावहारिक सुझाव दिए। उन्होंने बताया कि दो साल पहले जब वे 113 पुलिस अधीक्षकों के दीक्षांत समारोह में आए थे, तब से अकादमी के परिसर में व्यापक सुधार देखने को मिला है। आज के दीक्षांत समारोह में 67वीं बैच के डायरेक्टली रिक्रूटेड पुलिस अधीक्षकों को सबसे पहले में प्रशिक्षण के बाद एक सुखद समापन और एक बेहतरीन परेड के लिए धन्यवाद देना चाहूंगा।

डीजी अंबेडकर ने अपने प्रारंभिक करियर का जिक्र कर बताया कि 1992–93 में जब उन्हें पश्चिम चंपारण में तैनात किया गया था, जो उस समय किडनैपिंग और फिरौती के लिए कुख्यात था।

तब उन्होंने थाना स्तर पर अधिकारी प्रभारी के साथ तीन महीने तक आवास साझा करके व्यावहारिक प्रशिक्षण लिया था। उन्होंने कहा कि आप जब पेशेवर के रूप में जा रहे हैं, न कि केवल एक अधिकारी के रूप में, तो इस बात को याद रखिए। यह एक साल की सिखलाई जो आपको जिलों में मिलेगी, वह आपके भविष्य का आधार बनेगी।

डीजी अंबेडकर ने बताया कि उनके साढ़े तीन साल के कार्यकाल में लगभग 50,000 पुलिस कांस्टेबलों का प्रशिक्षण विभिन्न कैंपसों में कराया गया है। उन्होंने बताया कि जुलाई से 21,000 नए भर्तियों का प्रशिक्षण शुरू होने वाला है, जिसमें 15 वाहिनियों में लगभग 10,000 डायरेक्ट रिक्रूट कांस्टेबल शामिल हैं।

अकादमी के निदेशक ने बताया कि नव प्रशिक्षित डीएसपी को अत्याधुनिक तरीकों से गहन प्रशिक्षण दिया गया है। इस प्रशिक्षण में कानून व्यवस्था बनाए रखना, अपराध की जांच, साइबर अपराध, मानवाधिकार, आपदा प्रबंधन, भीड़ नियंत्रण और आधुनिक पुलिसिंग की विधियों को व्यापक रूप से शामिल किया गया है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में केवल तकनीकी ज्ञान ही नहीं, बल्कि फिजिकल फिटनेस, मानसिक दृढ़ता और नैतिक मूल्यों पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। इस समग्र दृष्टिकोण से इन्हें एक सशक्त और जिम्मेदार अधिकारी के रूप में तैयार किया गया है।

इन 26 नवनियुक्त पुलिस उपाधीक्षकों की तैनाती राज्य के विभिन्न जिलों में होगी। जहां वे अपने एक साल के व्यावहारिक प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त किए गए ज्ञान का उपयोग करते हुए कानून व्यवस्था बनाए रखने और जन-सेवा में योगदान देंगे।

डीजी अंबेडकर ने अकादमी के निदेशक आर. मल्हार की सराहना करते हुए कहा कि उनकी मेहनत से अकादमी का माहौल और बुनियादी ढांचा काफी बेहतर हुआ है। उन्होंने बताया कि निदेशक का राष्ट्रीय पुलिस अकादमी में प्रशिक्षक के रूप में पूर्व अनुभव अकादमी के लिए लाभकारी साबित हो रहा है।

आईएएस संजीव हंस के करीबी रिशु के ठिकानों पर ईडी की छापेमारी

टेंडरों में अनियमितताएं के सबूत मिले

पटना (एजेंसियां)। मनी लॉन्ड्रिंग केस में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की अलग-अलग टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने पटना, मुजफ्फरपुर, सूरत और पानीपत में जेल में बंद आईएएस संजीव हंस के सहयोगी रिशु श्री और उससे जुड़े सिंडिकेट के खिलाफ करीब नौ ठिकानों पर छापेमारी की है। ईडी के हाथ कई ऐसे सबूत मिले, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि राज्य सरकार द्वारा जारी टेंडरों में अनियमितताएं हुई हैं। छापेमारी के दौरान कुछ व्यक्तियों और ठेकेदार से जुड़े यात्रा एजेंटों के खिलाफ कई साक्ष्य और दस्तावेज़ जब्त किए गए हैं।

ठेकेदार की कंपनियाँ विभिन्न बिहार सरकार के विभागों जैसे जल संसाधन, स्वास्थ्य, सार्वजनिक स्वास्थ्य इंजीनियरिंग, शहरी विकास, बिहार शहरी बुनियादी ढांचा विकास निगम, शिक्षा, भवन और निर्माण तथा ग्रामीण कार्य विभाग में अनुबंध और उप-अनुबंध लेती हैं। ईडी की टीम ने पटना में गोला रोड स्थित एक अधिकारी के ठिकाने पर भी छापेमारी की। आरोप है कि यह अधिकारी रिशु श्री के इशारे पर काम करते थे। वह सामान्य प्रशासन विभाग के जरिए छोटे कर्मियों का ट्रांसफर-पोस्टिंग देखने का काम करता था। ईडी को शक है कि रिशु श्री कई जिलों में अपने नेटवर्क के जरिए अधिकारियों और कर्मचारियों की ट्रांसफर पोस्टिंग भी तय करता था।

ठेकेदार रिशु श्री विभिन्न सरकारी अधिकारियों के साथ गठजोड़ करता था। उन्हें कई तरह के प्रलोभन देता था। इतना ही नहीं रिशु श्री के सिंडिकेट के अधिकारियों-नेताओं को लंदन-पेरिस जैसे देशों की सैर कराने वाले ट्रैवल एजेंट और मुजफ्फरपुर में उसके सीए के ठिकाने से भी ईडी को कई दस्तावेज मिले हैं। यह भी बात सामने आई है कि रिशु श्री कंपनी श्रीनेस बिल्ड इंफ्र प्राइवेट लिमिटेड के जरिए कई भ्रष्ट अधिकारियों काले पैसे सफेद किए जाते थे। बता दें कि इस मामले में मार्च में कुछ सरकारी अधिकारियों के खिलाफ इसी तरह की छापेमारी की गई थी, जिसमें 11.64 करोड़ रुपये जब्त किए गए थे।

साजिश के तहत किशोर को मार डाला था

कोर्ट ने तीन को सुनाई उम्रकैद की सजा, जुर्माना भी लगाया

मधेपुरा (एजेंसियां)। चार साल पुराने हत्या के एक मामले में मधेपुरा सत्र न्यायालय ने गुरुवार को तीन आरोपियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। एडीजे-9 रघुवीर प्रसाद की अदालत ने ग्वालपाड़ा प्रखंड के पीरनगर निवासी मोहम्मद कामरान, मोहम्मद शहाबुद्दीन और मुहम्मद जमालुद्दीन को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास के साथ-साथ प्रत्येक पर 50-50 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया।

मामले में एपीपी जयनारायण पंडित ने बताया कि पीरनगर वार्ड पांच निवासी मो. आलम की पत्नी शबाना खातून ने 2021 में ग्वालपाड़ा थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। प्राथमिकी के अनुसार दो अप्रैल 2021 को शाम करीब 7 बजे उनका 17 वर्षीय पुत्र मोहम्मद नेहाल किसी कॉल के बाद घर से बाहर निकला, लेकिन रात तक वापस नहीं लौटा। परिजन ने खोजबीन शुरू की लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। अगली सुबह तीन अप्रैल को शबाना खातून अपनी दो बेटियों के साथ नेहाल की तलाश में निकलीं।

खोजबीन के दौरान अखाड़ा के पास उनकी छोटी बेटी को नेहाल का गला कटा शव दिखाई दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और मामला दर्ज किया। शबाना खातून ने आरोप लगाया कि नेहाल को साजिश के तहत बुलाकर उसकी हत्या की गई। पुलिस ने इस मामले में कॉल डिटेल एवं अन्य तकनीकी साक्ष्य जुटाकर दोषियों को सजा दिलाया। अभियोजन पक्ष ने मामले में कुल आठ गवाहों का परीक्षण कराया। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने तीनों आरोपियों को दोषी मानते हुए उम्रकैद और अर्थदंड की सजा सुनाई। इस फैसले के बाद पीड़ित परिवार ने कहा कि सत्य की जीत हुई है। चार साल बाद ही सही लेकिन हमलोगों को न्याय मिल गया।

घरेलू विवाद सुलझाने पहुंचे एएसआई पर चाकू से हमला, अस्पताल में भर्ती

सेवानिवृत्त दारोगा के बेटे ने किया जानलेवा वार

बक्सर (एजेंसियां)। बक्सर जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के मलाहचकिया गांव में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां घरेलू विवाद सुलझाने पहुंचे एक एएसआई पर सेवानिवृत्त दारोगा के बेटे ने चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। इस हमले में एएसआई गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें आनन-फानन में सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

यह घटना रात करीब एक बजे की है, जब मलाहचकिया गांव में सेवानिवृत्त दारोगा जगमोहन चौधरी और उनके बेटे सत्येंद्र कुमार के बीच किसी बात को लेकर झगड़ा हो रहा था। स्थिति नियंत्रण से बाहर होती देख

ग्रामीणों ने तुरंत इसकी सूचना मुफस्सिल थाना को दी। सूचना मिलते ही थाने में तैनात सहायक अवर निरीक्षक (एएसआई) नीतेश कुमार पुलिस दल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने पिता-पुत्र के बीच सुलह कराने की कोशिश की, लेकिन यह प्रयास उनकी जान पर बन आया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सत्येंद्र कुमार पहले से ही नशे की हालत में था और घर में तोड़फोड़ कर रहा था। वह अपने पिता समेत अन्य परिजनों को भी धमका रहा था। जैसे ही एएसआई नीतेश कुमार ने उसे शांत करने की कोशिश की, सत्येंद्र ने अचानक सब्जी काटने वाले चाकू से उन पर हमला कर दिया। उसने एएसआई के सिर और शरीर पर कई वार किए, जिससे वह लहूलुहान हो गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत उन्हें गंभीर अवस्था में सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है। उनके सिर पर कई टांके लगे हैं और स्थिति चिंताजनक बनी हुई है।

हमले के तुरंत बाद ग्रामीणों की सतर्कता से आरोपी सत्येंद्र कुमार को एक पास के घर से पकड़ लिया गया। पुलिस ने न केवल उसे गिरफ्तार किया बल्कि उसके पास से हमला करने में इस्तेमाल किया गया चाकू भी बरामद कर लिया है। आरोपी के खिलाफ गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई है और पूछताछ जारी है।

घटना की गंभीरता को देखते हुए नगर थानाध्यक्ष मनोज कुमार, मुफस्सिल थानाध्यक्ष शंभु भगत, डायल-112 की टीम और सदर डीएसपी धीरज कुमार घटनास्थल पर पहुंचे। वहीं देर रात एसपी शुभम आर्य स्वयं सदर अस्पताल पहुंचे और घायल एएसआई की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने करीब 45 मिनट तक अस्पताल में रहकर चिकित्सकों से बातचीत की और मामले की बारीकी से जांच के निर्देश दिए। एसपी ने यह भी संकेत दिए हैं कि आरोपी की पूर्व की गतिविधियों और मानसिक स्थिति की भी जांच की जाएगी। सत्येंद्र कुमार के बारे में ग्रामीणों ने बताया कि वह लंबे समय से हिंसक व्यवहार करता रहा है और नशे की लत के कारण घर में विवाद आम बात बन चुकी थी।

फिलहाल पुलिस ने घायल एएसआई नीतेश कुमार के बयान के आधार पर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। प्रशासन की कोशिश है कि आरोपी को कठोर सजा दिलाई जाए ताकि पुलिसकर्मियों पर हमले जैसी घटनाएं दोबारा न हों। घटना ने पुलिस महकमे को झकझोर दिया है और ग्रामीणों में भी सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

वैशाली में पुलिस और अपराधियों के बीच मुठभेड़

एसटीएफ ने एक को मारी गोली, दूसरे को खदेड़ कर पकड़ा

पटना (एजेंसियां)। वैशाली में पुलिस और अपराधियों के बीच मुठभेड़ हुई है, जिसमें एक अपराधी को गोली लगी है।

पुलिस अभिरक्षा में उसका इलाज चल रहा है। बताया जा रहा है कि सदर थाना क्षेत्र में राजीव माली रंगदारी और गोलीबारी के मामलों में वांछित था और घटना को अंजाम देने के बाद फरार चल रहा था। पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि राजीव माली अपने साथी प्रमोद कुमार के साथ अपने घर पर मौजूद है। सूचना मिलते ही एसटीएफ और

सदर थाने की पुलिस ने सदर थाना क्षेत्र के दिग्घी कला पूर्वी माली टोला पहुंचकर राजीव माली के घर की घेराबंदी की। जैसे ही पुलिस ने राजीव माली को पकड़ने के लिए घर में प्रवेश करने का प्रयास किया, उसने और उसके साथी प्रमोद कुमार ने पुलिस पर फायरिंग कर दी।

इसके बाद, जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी फायरिंग की, जिसमें राजीव माली के दाहिने पैर के घुटने में गोली लगी। इसके बाद पुलिस ने उसे पकड़ लिया। पुलिस अभिरक्षा में राजीव माली को इलाज के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी स्थिति नाजुक बताई गई और उसे बेहतर इलाज के लिए पटना पीएमसीएच रेफर कर दिया गया। पुलिस ने मौके से राजीव माली के साथी प्रमोद कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। घटनास्थल से एक पिस्टल और एक खोखा भी बरामद किया गया है। पुलिस प्रमोद कुमार के आपराधिक इतिहास का पता लगाने में जुटी है।

वैशाली एसपी ललित मोहन शर्मा ने बताया कि सदर थाना क्षेत्र के दिग्घी कला पूर्वी माली टोला निवासी राजीव माली रंगदारी और गोलीबारी के मामलों में वांछित था। सूचना प्राप्त होते ही वैशाली पुलिस और एसटीएफ ने उसके घर की घेराबंदी की। इस दौरान राजीव माली और प्रमोद ने पुलिस पर गोली चलाई। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई, जिसमें राजीव माली के दाहिने पैर के घुटने में गोली लगी। उसके साथी प्रमोद कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया है, और मौके से एक पिस्तौल और एक खोखा बरामद हुआ है।

गिरिराज सिंह कांग्रेस पर भड़के, कहा–

यह पार्टी भ्रम फैलाती है, पाकिस्तान की भाषा बोलते हैं राहुल गांधी

भागलपुर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह भागलपुर पहुंचे और कांग्रेस पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को विकास से कोई सरोकार नहीं।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस थेथर पार्टी बन गई है, जिसे देश के विकास से कोई सरोकार नहीं है। राहुल गांधी पाकिस्तान की भाषा बोल रहे हैं, और उनकी लोकप्रियता का स्तर इसी से समझा जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि देश के विकास और सुरक्षा के मुद्दे पर कांग्रेस हमेशा भ्रम फैलाने का काम करती रही है, जबकि मोदी सरकार सबका साथ, सबका विकास के संकल्प पर अडिग है।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने जो वादे किए थे, उन्हें न सिर्फ पूरा किया, बल्कि वह कर दिखाया जो दशकों से केवल नारा बनकर रह गया था। उन्होंने 11 साल तक नेहरू खानदान की गलतियों को सुधारने में लगा दिए। उन्होंने जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 को हटाने, तीन तलाक की प्रथा को समाप्त करने और अयोध्या में भव्य राम मंदिर के निर्माण को मोदी सरकार की ऐतिहासिक उपलब्धियों में गिनाया।

गिरिराज सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर' का जिक्र करते हुए कहा कि इस अभियान के जरिए भारत ने दुनिया को अपनी सैन्य ताकत और कूटनीतिक क्षमता का परिचय दिया है। सेना के शौर्य को उंचा किया गया। केंद्रीय मंत्री ने यह भी दावा किया कि मोदी सरकार ने अब तक 27 करोड़ से अधिक लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाया है और देश आत्मनिर्भर भारत की दिशा में मजबूती से आगे बढ़ रहा है। धानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए के 11 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह गुरुवार को भागलपुर पहुंचे थे। वहां सर्किट हाउस में आयोजित प्रेस वार्ता में उन्होंने मोदी सरकार की उपलब्धियों का विस्तार से गिनाया।

हाई वोल्टेज तार ने ले ली युवक की जान, ग्रामीणों में गुस्सा

सीवान (एजेंसियां)। सीवान जिले के बड़हरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत कैलगढ़ गांव में बिजली विभाग की घोर लापरवाही के चलते एक दर्दनाक हादसा हो गया, जिसमें 18 वर्षीय युवक राहुल कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा न केवल एक परिवार को गहरे शोक में डुबो गया, बल्कि पूरे गांव को झकझोर कर रख दिया। ग्रामीणों में भारी आक्रोश है और लोग बिजली विभाग के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, राहुल कुमार लक्ष्मण साह का बेटा था। वह भीषण गर्मी के कारण रात को घर की छत पर सोने गया था। सुबह जब वह करवट बदल रहा था, तभी उसका हाथ छत के किनारे से गुजर रहे हाई वोल्टेज बिजली तार से छू गया। विद्युत प्रवाह इतना तीव्र था कि उसने वहीं पर दम तोड़ दिया। हादसा इतनी तेजी से हुआ कि परिवार के किसी सदस्य को कुछ समझने या मदद करने का मौका ही नहीं मिला।गांव के लोगों ने बताया कि घरों के ठीक बगल से गुजर रहे जर्जर और असुरक्षित बिजली तारों को लेकर बिजली विभाग को कई बार चेताया गया था। ग्रामीणों ने विभाग से लिखित और मौखिक दोनों माध्यमों से शिकायतें की थीं, लेकिन न तो तारों की मरम्मत की गई और न ही उन्हें हटाने या ढकने की कोई कार्रवाई की गई। यह अनदेखी अब एक युवक की मौत का कारण बन गई है, जिससे लोग आक्रोशित हैं। राहुल की मौत की खबर फैलते ही पूरे गांव में मातम पसर गया। परिजनों की स्थिति बेहद खराब है और वे गहरे सदमे में हैं। पड़ोसी और रिश्तेदार परिवार को सांत्वना देने पहुंचे, लेकिन गांव की फिजा में पसरा सन्नाटा बिजली विभाग की घोर उदासीनता की गवाही दे रहा है।

ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि इस गंभीर लापरवाही के लिए जिम्मेदार बिजली विभाग के अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई हो। साथ ही पीड़ित परिवार को पर्याप्त मुआवजा देने की भी मांग की जा रही है ताकि इस मुश्किल समय में उन्हें कुछ सहारा मिल सके। लोगों ने यह भी कहा कि अगर अब भी विभाग नहीं जागा, तो वे बड़ा जन आंदोलन छेड़ने को मजबूर होंगे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरि जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com